सुविचार
हम उन लोगों से भी सीख सकते हैं, जिन लोगों से हम खुद को श्रेष्ठ समझते हैं।

Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi • Wednesday, 12 June 2024 • Year : 02 • Issue : 144 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com   E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
Deepika Padukone Receives Big...

SHARE

सेंसेक्स	:	76,456.59
निफ्टी	:	23,264.85

SARAFA

सोना	:	6,755
चांदी	:	95.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रेल ट्रैक पर मिला केन बम, थमे ट्रेनों के पहिए

KODERMA : मंगलवार को हावड़ा-नई दिल्ली ग्रैंड कोड रेलवे लाइन पर कोडरमा व गया जंक्शन के बीच केन बम मिलने की सूचना के बाद रेलवे में अफरा-तफरी मच गई। धनबाद कंट्रोल को सूचना मिली थी कि यदुग्राम और बसकटवा हाल्ट के बीच पोल संख्या 420/10 के समीप डाउन लाइन की पटरी पर केन बम रखा है। इसके बाद आनन-फानन में अप एवं डाउन दोनों लाइन पर परिचालन रोक दिया गया। इसके बाद कोडरमा आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार, जीआरपी थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ट्रैक से किसी तरह बम को हटाकर किनारे किया। इस दौरान 15.20 बजे से 17.40 बजे तक दोनों लाइन पर ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह थम गया। इसके बाद दोनों लाइन पर परिचालन शुरू कराया गया। घटना को लेकर आरा-रांची एक्सप्रेस गुरपा स्टेशन पर रुकी रही। जबकि इससे पहले नई दिल्ली-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, पटना-हटिया सुपर एक्सप्रे सहित अन्य यात्री ट्रेनें गुजर चुकी थी। घटना की सूचना के बाद शाम को आरपीएफ धनबाद के सहायक सुरक्षा आयुक्त सुरेश मिश्रा भी कोडरमा पहुंचे और

लश्कर-ए-तैयबा के तीन सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

SRINAGAR : पुलवामा जिले में दो आईईडी बरामद होने के मामले में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि 3 जून को लश्कर कमांडर रेयाज डार और उसके सहयोगी रईस डार की मुठभेड़ के दौरान मारे जाने के बाद आगे की जांच के दौरान पुलिस ने मारे गए आतंकवादियों के सक्रिय कार्यकर्ताओं (ओजीडब्ल्यू) के नेटवर्क से विस्फोटक बरामद किए। रविवार को बरामद किए गए करीब छह किलोग्राम वजनी विस्फोटक उपकरण एक दिन बाद नष्ट कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान करने के आरोप में तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

परीक्षा की पवित्रता से समझौता हुआ : सुप्रीम कोर्ट

NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट रिजल्ट पर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए एनटीए को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि परीक्षा की पवित्रता से समझौता किया गया है। कोर्ट के नोटिस जारी करने पर फिजिक्स वाला के सीईओ अलख पांडे ने कहा, हमने जो याचिका दायर की है उसपर बुधवार को सुनवाई होगी। हमारी याचिका में ग्रेस मार्क्स और पेपर लीक दोनों पर बात की गई है। मंगलवार को जो सुनवाई हुई है उसमें ग्रेस मार्क्स पर कोई बात नहीं हुई है। अलख पांडे ने कहा कि कोर्ट ने जिस याचिका पर सुनवाई कि वो पेपरलीक से जुड़ा है।

डी. पुरंदेश्वरी बन सकती हैं लोकसभा अध्यक्ष

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार सत्ता संभाल ली है। अब लोकसभा अध्यक्ष के नाम की चर्चा जोर पकड़ रही है। इस पद के लिए सबसे पहले आंध्र प्रदेश की सांसद और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी का नाम लिया जा रहा है। इस बीच मंगलवार को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का पद संभालने वाले किसी नेता में संसदीय काम-काज के अनुभव के साथ ही पक्ष और विपक्ष, दोनों से तालमेल बैठाकर सदन चलाने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने यह बात ऐसे वक्त कही, जब लोकसभा चुनाव के बाद बदले राजनीतिक हालात में देश के अगले लोकसभा अध्यक्ष के नाम को लेकर अटकलें तेज हो रही हैं।

अध्यक्ष ऐसा हो, जो पक्ष-विपक्ष दोनों को साधकर चला सके सदन : सुमित्रा

लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरे मोदी

महाजन ने कहा कि नरेंद्र मोदी पिछले 10 साल के दौरान प्रधानमंत्री के रूप में लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं, इसलिए मौजूदा राजग सरकार में भी जनता को मोदी पर विश्वास है कि वह अपने बचे काम को पूरा करेंगे।

सब नेताओं को जानती हैं पुरंदेश्वरी

लोकसभा अध्यक्ष के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष और राजमुंदरी से सांसद डी. पुरंदेश्वरी के नाम की अटकलों पर महाजन ने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन पुरंदेश्वरी कई साल संसद में रही हैं और सब नेताओं को जानती भी हैं। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रादेशिक कारणों से भाजपा की सीटें घटीं, लेकिन पार्टी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को सशक्त बहुमत हासिल है।

अध्यक्ष को अनुभवी भी होना चाहिए

महाजन ने इंदौर में कहा, लोकसभा अध्यक्ष का काम पक्ष और विपक्ष, दोनों को संभालते हुए सदन का काम-काज चलाना है। मेरे ख्याल में लोकसभा अध्यक्ष को थोड़ा अनुभवी होना चाहिए। यानी उसे संसदीय काम-काज का तजुर्बा होना चाहिए। अगर इस पद के लिए ऐसा व्यक्ति मिल जाए, तो बहुत अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का स्वभाव और बातचीत का ढंग ऐसा होना चाहिए कि वह पक्ष और विपक्ष दोनों को समझा सके।

तिब्बत की 30 जगहों के नाम बदलेगा भारत

NEW DELHI : लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर के पद संभालते ही भारत ने चीन के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। द डिप्लोमैट की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन को काउंटर करने के लिए भारत अब तिब्बत की 30 से ज्यादा जगहों के नाम बदलने जा रहा है। भारतीय सेना जल्द ही जगहों की लिस्ट के साथ चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का नया मैप जारी करेगी। दरअसल, चीन ने अप्रैल में अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदले थे। चीन की सरकार इन इलाकों को अपना क्षेत्र बताती है। ड्रैगन की इसी हरकत का जवाब देने के लिए भारत सरकार ने यह फैसला लिया है। तिब्बत के इलाकों का नाम बदलने के लिए काफी रिसर्च की गई। भारतीय भाषा में पुराने नामों को आधार बनाकर इन जगहों के नए नाम रखे गए हैं।

झारखंड में लू के थपेड़ों से अभी नहीं मिलेगी कोई राहत, रेड अलर्ट जारी

चेहरे पर स्कार्फ बांधकर लू से बचने की कोशिश करतीं युवतियां।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में गर्मी ने अपना प्रचंड रूप ले लिया है। हीट वेब ने लोगों की परेशानी दोगुनी कर दी है। मौसम विभाग ने हीट वेब को लेकर झारखंड के कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के दर्जे की वर्षा हुई। सबसे अधिक वर्षा 5.0 एमएम सिमडेगा में दर्ज किया गया। राज्य में कहीं-कहीं पर हीट वेब से सीवियर हीट वेब दर्ज की गई। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 45.3 डिग्री गढ़वा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 26.3 डिग्री रांची में दर्ज किया गया। 11 जून को राज्य के गढ़वा और पलामू में सीवियर हीट वेब को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के उत्तर-पश्चिमी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों चतरा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसांवा में हीट वेब को लेकर ऑरेंज अलर्ट और राज्य के उत्तर-पश्चिमी एवं दक्षिण-पूर्वी भागों गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रांची, रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, गोड्डा में हीट वेब को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। 12 और 13 जून राज्य के उत्तर-पश्चिमी भागों में गढ़वा, पलामू, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला खरसांवा में सीवियर हीट वेब को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के उत्तर-पूर्वी, मध्य और दक्षिणी भागों चतरा, लातेहार में हीट वेब को लेकर ऑरेंज अलर्ट और गुमला, सिमडेगा, खूंटी, रांची, रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, गोड्डा में हीट वेब को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

भीषण गर्मी का कहर, केजी से 12वीं की कक्षाएं 15 जून तक बंद

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में भीषण गर्मी का कहर जारी है। गर्मी के प्रकोप को देखते हुए झारखंड सरकार ने केजी से 12 वीं तक की कक्षाएं बंद करने का फैसला किया है। 12 जून से 15 जून तक सभी कोटि के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। दरअसल, झारखंड में इन दिनों लू चल रही है। दिन में बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बच्चों को स्कूल आने-जाने

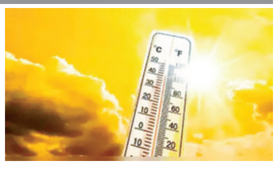

में परेशानी हो रही है। इसी को देखते हुए राज्य के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 12 जून से 15 जून के लिए बंद किया गया है। इससे पहले 9 जून से 15 जून तक स्कूल के टाइम में बदलाव किया गया था।

अवैध माइनिंग रोकने के लिए अफसरों को दी सख्त हिदायत

माफिया के खिलाफ तेवर में चम्पाई, कार्रवाई का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन अपनी पहली समीक्षा बैठक विधि व्यवस्था पर की। वह माफिया के खिलाफ पूरे तेवर में दिखे। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। बैठक में मौजूद अधिकारियों को राज्य में अवैध माइनिंग रोकने के लिए सख्त हिदायत दी। उन्होंने निर्देश दिया कि अनुसूचित जनजाति से जुड़े जमीन के उन वादों में आदिवासियों को जमीन पर दखल दिलाना सुनिश्चित करें, जिसमें कोर्ट की डिक्री हो चुकी है।

एसटी-एससी में दर्ज मामलों का हो जल्द निष्पादन : मुख्यमंत्री ने कहा कि एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। इसके तहत दर्ज मामले पेंडिंग नहीं रहें, विशेष ध्यान दें और इसकी मॉनिटरिंग पूरी गंभीरता के साथ हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि उग्रवादी घटनाओं में जो जवान शहीद हुए हैं, उनके आश्रितों को सरकार की ओर से दिए जाने वाले सभी लाभ समय पर दिलाना सुनिश्चित करें।

- पंचायत वाले बालू घाटों की बढ़ाएं संख्या
- पुलिस कैंप के कारण न हो लोगों को परेशानी
- पंजाब हरियाणा से आने वाले शराब पर रोक लगे

अफीम की खेती पर रोक लगाना प्राथमिकता : CM

मुख्यमंत्री ने कहा, नक्सल प्रभावित इलाकों में पुलिस कैंप की वजह से लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका पूरा ख्याल रखें। राज्य की विधि व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस अफसरों को निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि स्नेचिंग, चोरी, लूट और डकैती की घटनाओं पर हर हाल में लगाम लगाएं। शहरी इलाकों में गश्ती व्यवस्था को अधिक से अधिक सुदृढ़ करें, इसकी निरंतर निगरानी करते रहें। राज्य में विधि व्यवस्था का बेहतर संधारण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही स्वीकार्य नहीं। माफिया और पेशेवर अपराधियों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध योजनाबद्ध तरीके से प्रभावी कानूनी कार्रवाई करें ताकि उनके मन में भय उत्पन्न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में लोगों को अफीम की खेती में मदद करने वाले बाहरी तत्वों और इसकी खेती करने वालों और बाजार तक पहुंचाने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करें। अफीम की खेती पर रोक लगाना सरकार की विशेष प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य के कई शहरों में स्कूल-कॉलेज के आसपास ड्रग्स की अवैध बिक्री के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में अवैध मादक पदार्थों और उसकी तस्करी करने वालों के खिलाफ अभियान चला कर कड़ी कार्रवाई करें।

अवैध माइनिंग से खराब होती है राज्य की छवि

सीएम ने कहा कि अवैध माइनिंग की घटनाओं से राज्य की छवि खराब होती है। बिना चालान के माइनिंग की ढुलाई करने वाले वाहन मालिकों पर कानूनी कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां लीज दें खनन वहीं हो, अधिकारी ये सुनिश्चित करें। आवंटित भूमि के अलावा अन्य आसपास की भूमि पर खनन कार्य नहीं चलना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो जांच कर खनन कंपनियों पर कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों के उपायुक्त पंचायत वाले बालू घाटों को चिन्हित कर उनकी संख्या बढ़ाएं। बालू की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के लिए पहल करें। अवैध बालू उठाव पर हाल में नियंत्रण करें। पंजाब-हरियाणा से शराब की खेप के आने और अवैध शराब की बिक्री से सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। अवैध शराब की बिक्री को नियंत्रित करने के लिए सभी समुचित कदम उठाएं।

एयरक्राफ्ट में 9 लोग थे सवार, कोई जिंदा नहीं बचा

प्लेन क्रैश में मलावी के उपराष्ट्रपति की गई जान

AGENCY NEW DELHI : अफ्रीकी देश मलावी के उपराष्ट्रपति साउलोस क्लॉस चिलिमा की प्लेन क्रैश में मौत हो गई। मलावी के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 24 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद उपराष्ट्रपति के विमान का मलबा मिला है। एयरक्राफ्ट में 9 लोग सवार थे। इनमें से कोई जिंदा नहीं बचा। मलावी के उपराष्ट्रपति का विमान सोमवार 10 जून की सुबह

ही रडार से गायब हो गया था। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, एविएशन अथॉरिटी ने कई बार विमान से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

मोदी कैबिनेट गठन के बाद राज्यों को मिला पैसा

NEW DELHI : केंद्र ने जून के लिए राज्यों को 1,39,750 करोड़ रुपये का टैक्स डिवोल्यूशन (कर हस्तांतरण) जारी करने की मंजूरी दे दी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि डिवोल्यूशन अमाउंट की नियमित रिलीज के अलावा, एक अतिरिक्त किस्त जारी करने का भी फैसला लिया है। टैक्स डिवोल्यूशन यानी, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच टैक्स रेवेन्यू का डिस्ट्रीब्यूशन। यह केंद्र और राज्यों के बीच कुछ टैक्सों से होने वाली कमाई को उचित और न्यायसंगत तरीके से अलॉकेट करने के लिए स्थापित एक कॉन्स्टिट्यूशनल मैक्निज्म है। अभी केंद्र सरकार जो भी टैक्स कलेक्ट करती है उसका 41 प्रतिशतराज्यो को एक वित्त वर्ष में 14 किश्तों में वितरित करती है।

प्रधानमंत्री और अमित शाह देश की नींव के साथ कर रहे खिलवाड़

प्रियंका वाराणसी से लड़तीं तो हार जाते मोदी : राहुल

AGENCY RAEBARELI : लोकसभा चुनाव में जीत के ठीक एक हफ्ते बाद राहुल और प्रियंका गांधी मंगलवार 11 जून को पहली बार रायबरेली पहुंचे। राहुल ने कहा- मोदी और शाह देश की नींव के साथ खिलवाड़ कर रहे। इसलिए देश एकजुट हो गया। पहली बार देखा, देश का प्रधानमंत्री हिंसा की राजनीति करते हैं। जनता के बीच नफरत फैलाते हैं। तीन उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाते हैं। राहुल ने कहा- आपने देखा, वे (भाजपा) अयोध्या की सीट हार गए। अयोध्या का मंदिर बनाया, लेकिन इनॉगरेशन में एक भी गरीब नहीं था। देश की राष्ट्रपति को कहा कि तुम यहां नहीं आ सकती। सिर्फ अयोध्या में नहीं, प्रधानमंत्री वाराणसी से भी जान बचाकर

- पीएम काशी से जान बचाकर निकले, अयोध्या भी हार गए

सोशल मीडिया से 'मोदी का परिवार' हटाने का पीएम ने किया अनुरोध

मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट डाला और अपने समर्थकों से खास अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्रोपर्टी से 'मोदी का परिवार' हटाने का अनुरोध किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, चुनाव प्रचार के दौरान पूरे भारत में लोगों ने मेरे प्रति स्नेह के प्रतीक के रूप में अपने सोशल मीडिया पर 'मोदी का परिवार' जोड़ा, इससे मुझे बहुत ताकत मिली। भारत के लोगों ने एनडीए को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है, जो एक तरह का रिकॉर्ड है, और हमें अपने देश की बेहतरी के लिए काम करते रहने का जनादेश दिया है।

एक्शन में सुरक्षा बल — दबोचने के लिए उतारे गए कमांडो और ड्रोन, जंगल में तलाशी तेज

नहीं बचेंगे तीर्थयात्रियों की जान लेने वाले आतंकी

AGENCY SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर रविवार देर शाम हुए आतंकी हमला हुआ, जिसमें 9 लोगों की जान चली गई। हमले के बाद आतंकी फरार हो गए। उनकी तलाश में सुरक्षा बल लगे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सेना और सीआरपीएफ की 11 टीमें ऊपरी पहाड़ी इलाके में आतंकियों की तलाश कर रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों को खत्म करने के लिए सर्च ऑपरेशन तेज है। बस पर हमला करने के बाद आतंकी जंगल की ओर भाग गए थे। खबर है कि रियासी के जंगल को सुरक्षाबलों ने घेर लिया है। वहां कमांडो और ड्रोन भी उतारने का काम किया गया है।

पहाड़ी इलाकों में छुपे हैं हमला करने वाले टेररिस्ट

सुरक्षा बलों को संदेह है कि पाकिस्तानी आतंकवादी राजौरी और रियासी के पहाड़ी इलाकों में छुपे हुए हैं और उन्होंने क्षेत्र में तलाश अभियान तेज कर दिया है। खबर है कि आतंकवादी सुरक्षित संचार के माध्यम से पाकिस्तान की आईएसआई से निर्देश ले रहे हैं। ऐसी रिपोर्ट हैं कि आतंकियों के एक स्थानीय मददगार सहित चार आतंकवादी इस हमले में शामिल थे, जिसे लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अबू हमजा के निर्देश पर अंजाम दिया गया। हमले में घायल हुए 41 लोगों में से 10 को गोली लगी है। बस चालक विजय शर्मा को कई गोलियां लगने से मौत हो गई। बस पर 11 स्थान पर गोली लगने के निशान हैं।

आतंकवादियों के तीन संगठनों ने पहले ली थी हमले की जिम्मेदारी

इस बीच प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े तीन ग्रुप ने जम्मू में तीर्थयात्रियों पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। पूरे देश में हो रही आलोचना के बाद इस ग्रुप ने तुरंत अपने बयान को वापस ले लिया। मामले को लेकर अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि (जैश से जुड़े) पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फोर्स (पीएएफएफ), रिवाइवल आफ रेजिस्टेंस रेजिस्टेंस के साथ-साथ (लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध) द रेजिस्टेंस फ्रंट ने शुरू में सोशल मीडिया के माध्यम से हमले की जिम्मेदारी ली थी, हालांकि बाद में इन्होंने अपना बयान वापस ले लिया।

अटैक में नौ लोगों की चली गई थी जान

आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पोनी क्षेत्र के तेरयाथ गांव के पास बस पर गोलीबारी की थी। फायरिंग की वजह से बस खाई में गिर गई और नौ लोगों की मौत हो गई। हमले में 41 अन्य घायल हो गए जिनका इलाज जारी है। अधिकारी ने कहा कि इस घटना ने क्षेत्र में आतंकवाद और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ चुकी हैं। भविष्य में इस तरह के जघन्य कृत्य न हों, इसके लिए सुरक्षा उपायों व सतर्कता बढ़ाने की तत्काल जरूरत है।

विधायक दल के नेता चुने गए चंद्रबाबू नायडू आज लेंगे शपथ

AMARAVATI : केंद्र में सरकार गठन के बाद एनडीए ने तमिलनाडु में

सरकार गठन की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में तेलगु देशम पार्टी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को मंगलवार को आंध्र प्रदेश विधानसभा में एनडीए का विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। विजयवाड़ा में तेलुगु देशम पार्टी, जनसेना और भारतीय जनता पार्टी विधायकों की बैठक में सर्वसम्मति से चंद्रबाबू नायडू को एनडीए का नेता चुना गया। जनसेना प्रमुख पवन कल्याण ने एनडीए के नेता के रूप में चंद्रबाबू नायडू के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष डी पुरंदेश्वरी ने भी समर्थन किया। अचेन नायडू ने बताया कि इससे पहले सुबह नायडू को सर्वसम्मति से टीडीपी विधायक दल का नेता चुना गया।

दो उपमुख्यमंत्री भी होंगे, शपथग्रहण आज

ओडिशा के नए सीएम होंगे मोहन चरण माझी

AGENCY BHUBANESWAR : भाजपा नेता मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां इस बारे में घोषणा की। मोहन बुधवार को सीएम पद की शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि केवी सिंह देव और प्रभाती परिदा को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। ये निर्णय भाजपा विधायक दल की बैठक में लिए गए, जिसमें सिंह और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए थे। सिंह ने संवाददाताओं से कहा, मोहन माझी को विधायक दल ने सर्वसम्मति से नेता चुना है। मोहन चरण माझी (52) ने क्योंझर

विधानसभा क्षेत्र से बीजद की मीना माझी को 11,577 मतों से हराया। वह पिछली सरकार में भाजपा के मुख्य सचेतक थे। वह चौथी बार विधानसभा चुनाव जीते हैं। उपमुख्यमंत्री बनाए गए केवी सिंहदेव ने पटनागढ़ से बीजद के सरोज कुमार मेहेर को 1357 मतों से हराया।

BRIEF NEWS

सांसद से मिले चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी

HAZARIBAGH : चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल की अध्यक्षता में पदाधिकारियों ने मंगलवार को नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल से उनके झंडा चौक स्थित सेवा कार्यालय में मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल ने सांसद से अनुरोध किया कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में व्यापारियों के हित में भी कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि आए दिन व्यापारियों के ऊपर विभिन्न प्रकार के आरोप लगाते हुए उनसे दुर्व्यवहार किया जाता है। सांसद ने आश्वासन दिया कि वे व्यापारियों के साथ सदैव खड़े हैं। इस मौके पर चेंबर के सचिव राकेश ठाकुर, उपाध्यक्ष सुबोध कुमार अग्रवाल, नीरज अग्रवाल समेत फेडरेशन के कई अन्य साथी मौजूद थे।

चार किलो गांजा व देसी कट्टा के साथ दो गिरफ्तार

PALAMU : चार किलो गांजा एवं अवैध देसी कट्टा के साथ नशे के सौदागर दो भाइयों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों भाई जिले के पांकी थाना क्षेत्र के भुइयां कुरहा स्थित सिंचाई विभाग के पुराने जर्जर भवन के समीप अवैध मादक पदार्थ की बड़े पैमाने पर खरीद बिक्री करने वाले थे। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने मंगलवार को कार्रवाई की और खरीद बिक्री के व्यापार में लगे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान प्रभाकर पांडे उर्फ बिट्टू (20) एवं सीपू पांडे (30) दोनों के पिता बसंत पांडे ग्राम नौडीहा बहेरा पिपराटांड़ के रूप में हुई। दोनों शातिर नशे के सौदागर हैं और लंबे समय से मादक पदार्थों की खरीद बिक्री में लगे हुए थे। कार्रवाई टीम का नेतृत्व लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने किया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर दोनों आरोपित भाइयों को मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभाकर पांडे उर्फ बिट्टू पिछले वर्ष 2023 के अगस्त महीने में गिरफ्तारी के पश्चात पांकी थाना से फरार हो गया था।

पार्किंग शुल्क को लेकर चालकों ने लगाई गुहार

HAZARIBAGH : जिले के सबसे बड़े शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में लिए जा रहे पार्किंग शुल्क से परेशान प्राइवेट एंबुलेंस चालक मंगलवार को भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद के कार्यालय पहुंचे तथा न्याय की गुहार लगाई। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि एंबुलेंस सेवा जरूरी सेवाओं में आता है, जिसके कारण एंबुलेंस का सड़क पर लगने वाला टोल टैक्स भी नहीं लिया जाता है लेकिन जिले के सबसे बड़े अस्पताल में प्राइवेट एंबुलेंस चालकों से पार्किंग शुल्क लिया जा रहा है। विरोध करने पर उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया जाता है। प्रसाद ने चालकों को भरोसा दिलाया कि इस बाबत वे नगर आयुक्त एवं डीसी से भी मुलाकात करेंगे। यदि फिर भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो उनकी समस्याओं को लेकर आंदोलन भी किया जाएगा। इस मौके पर एंबुलेंस संघ के पवन मिश्रा, सुनील पांडे, जितेंद्र साहू, अरविंद कुमार, निरंजन साव, छोटन साव, सिकेन्द्र प्रजापति आदि मौजूद थे।

साहिबगंज में शादी की खुशियां मातम में बदलीं, 20 लोग घायल

बारात वापस लौटने के दौरान पलटा ऑटो, एक की गई जान

PHOTON NEWS SAHIBGUNJ : साहिबगंज जिला के रांगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ढिबरी कोल के पास मंगलवार की सुबह शादी समारोह के बाद बारात वापस लौट रही थी। इसी दौरान टेंपो पलट गया जिससे करीब 20 बाराती घायल हो गए। वहीं 4 वर्षीय एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई।

कैसे हुई दुर्घटना : जानकारी के अनुसार रांगा थाना क्षेत्र के चमड़ा पहाड़ में पहाड़िया समुदाय के एक लड़की की शादी थी। बारात तालझारी प्रखंड के महाराजपुर कलदी भिट्ठा पहाड़ से रविवार को 4 टेम्पू से आई थी। शादी संपन्न होने के बाद सभी बाराती टेम्पू से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान ढिबरी कोल व झूमरबाद के बीच पहाड़ी ढलान पर 1 टेंपो चालक ने गाड़ी से अपना नियंत्रण खो दिया और टेंपो पलट गया उक्त दुर्घटना में टेंपो में सवार सभी बाराती घायल हो गए। घायलों की संख्या 20 बताई जा रही है। इस दुर्घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने नजदीकी अस्पताल और 108 पर फोन कर दी। ग्रामीणों की मदद से एंबुलेंस बुलाया गया और घायलों को सीएचसी बरहरवा पहुंचाया गया। बरहरवा में सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया। इधर मामले की जानकारी मिलने के बाद रंगा थाना प्रभारी अरुण कुमार घटनास्थल पहुंचे और घायलों की मदद की। सड़क दुर्घटना की जानकारी मिलते ही सीएचसी प्रभारी डॉक्टर पी के संथालिया, डॉ सरिता टुडू व सभी स्वास्थ्य कर्मी तैयार हो गए। वहीं सीएससी परिसर में स्थित तीनों एंबुलेंस को घायलों को लाने के लिए भेज दिया गया। जैसे ही घायल अस्पताल पहुंचे सभी स्वास्थ्य कर्मी इलाज करने लगे। जानकारी के अनुसार करीब 1 दर्जन लोगों के सर पर गंभीर चोटें हैं। वहीं कई लोगों के हाथ-पैर में चोट लगी है। सभी का प्राथमिक उपचार किया गया है। बेहतर इलाज के लिए गंभीर मरीजों को बाहर रेफर किया जा रहा है।

दुर्घटना में घायल लोग। • फोटोन न्यूज

घायल बारातियों के नाम

इस दुर्घटना में तालझारी प्रखंड के महाराजपुर कलदी भिट्ठा निवासी रिंकू पहाड़िन (12) पिता मंगला पहाड़िया, गुवा पहाड़िन (50)पति कुधु पहाड़िया, महेशा पहाड़िया (35) पिता स्व सुरजा पहाड़िया, मंगला पहाड़िया (18)पिता श्याम लाल पहाड़िया, विजय पहाड़िया (11) पिता गंगाराम पहाड़िया, मरकुश पहाड़िया (18) मधु पहाड़िया, सुशील पहाड़िया (22) पिता रमेश पहाड़िया, मारगि पहाड़िन (21)लजार पहाड़िया, मूसा पहाड़िया (18) पिता स्व लंबा बोम्बे, पुसनी पहाड़िन (14) पिता जारा पहाड़िया, टिंकू पहाड़िया (19)पिता गुरुदेव पहाड़िया, नीलू पहाड़िया (17) पति अशोक पहाड़िया, सोमरा पहाड़िया (15)पिता सुकुमार पहाड़िया, चांदु पहाड़िया (15) स्व टोटा सुरमा, सुशील पहाड़िया (17)महेश पहाड़िया, संगीता पहाड़िन (13) सुलेमान पहाड़िया, राहिला पहाड़िन (5) महेश पहाड़िया, देवी पहाड़िन (35) महेश पहाड़िया व मरियम पहाड़िन (9) बबलू पहाड़िया घायल हो गए हैं।

चकाई-देवघर मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, कार सवार तीन लोगों की मौत

DEOGHAR : चकाई-देवघर मुख्य मार्ग पर चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के अंडीडीह गांव के समीप मंगलवार की अहले सुबह एक अनियंत्रित कार के सड़क किनारे पलट जाने से उसपर सवार सभी तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। सभी मृतक पटना के गर्दनीबाग मुहल्ले के निवासी बताए जाते हैं।वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद चंद्रमंडीह पुलिस मौके पर पहुंची एवं तीनों को कार से बाहर निकालकर चकाई रेफरल अस्पताल लेकर आई, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इधर, पुलिस द्वारा घटना की जानकारी मोबाइल के माध्यम से परिजनों को दी गई है। परिजन पटना से चकाई के लिए निकल पड़े हैं। परिजनों के पहुंचने के बाद ही मृतकों के संबंध में विस्तृत जानकारी मिल पाएगी।

शंख पुलिस पिकेट में लगी आग, दर्जनों वाहन जले

आग बुझाते दमकलकर्मी। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS LOHARDAGA : शहर की शंख पुलिस पिकेट में मंगलवार को लगभग ग्यारह बजे भयंकर आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पुलिस पिकेट परिसर में रखे छोटे-बड़े वाहन जलकर राख हो गए। अग्निशमन के तीन वाहनों ने घंटों मशक्कत के बाद आग बुझाया। सीडीपीओ श्रद्धा केर-केट्टा ने बताया कि मंगलवार को शंख पुलिस विकेट परिसर में आग लग गई। इस घटना में 40 मोटरसाइकिल, 4 टेम्पो, 4 कार जल गए। उन्होंने बताया कि अत्यधिक गर्मी की वजह से सुखी घास में आग लग गई। इस आग की जद में वहां खड़े वाहन भी आ गए। जब तक पुलिस और अग्निशमन विभाग की गाड़ी वहां पहुंचती तब तक सभी वाहन जल चुके थे। पुलिस अधीक्षक ने घटना की जांच की जिम्मेदारी एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा को दी है।

विधायक आवास के पास से स्कॉर्पियो की चोरी

KODERMA : कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत गिरिडीह रोड स्थित विधायक डॉ. नीरा यादव के आवास के समीप से सोमवार की रात एक स्कॉर्पियो की चोरी कर ली गई। स्कॉर्पियो के मालिक जलवाबाद निवासी मोहम्मद शाहबाज आलम ने मंगलवार को थाने में चोरी का आवेदन दिया है।पीड़ित ने कहा है कि सोमवार को उनका ड्राइवर बंटी कुमार पासवान उनके स्कॉर्पियो संख्या (जेएच 12 एल 5248) को अपने घर के बाहर खड़ी कर रात्रि विश्राम कर रहा था। इसी दौरान रात करीब दो बजे स्कॉर्पियो की चोरी कर ली गई। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी मिलने पर जब जीपीएस से लोकेशन ट्रैक किया तो बरही तक स्कॉर्पियो का लोकेशन मिला। यहां अपराधियों ने गाड़ी से जीपीएस को खोल कर फेंक दिया। रात के करीब दो बजे बरही टोल प्लाजा से स्कॉर्पियो के गुजरने की रिकॉर्डिंग सीसीटीवी में कैद हुई है। फिलहाल कोडरमा पुलिस वारदात की जांच-पड़ताल कर रही है।

फुटबॉल पावर नेशनल चैंपियनशिप बालक-बालिका वर्ग में झारखंड अव्वल

PHOTON NEWS KHUNTI : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सात से 10 जून तक आयोजित प्रथम फुटबॉल पावर नेशनल चैंपियनशिप (अंडर 14-17 बालक एवं बालिका) दोनों वर्गों में झारखंड की टीम चैंपियन बनी। झारखंड 14 बालक टीम ने सभी लीग मैच जीत कर सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश को 5-0 से हराया। टीम ने फाइनल में पश्चिम बंगाल को 3-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फुटबॉल पावर एसोसिएशन ऑफ झारखंड के सचिव शिव कुमार महतो के मुताबिक, 14 बालिका वर्ग में टीम ने सभी लीग मैच जीतकर सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश को 2-0 तथा फाइनल में उत्तर प्रदेश को 1-0 से परास्त कर चैंपियन बनी। 17 बालक वर्ग में टीम ने अपने सभी लीग मैच जीतने के बाद सेमीफाइनल में दिल्ली को 3-1 से हराया और फाइनल में पश्चिम बंगाल को 2-1 मात देकर चैंपियन बनी। 17 बालिका वर्ग में भी टीम ने अपनी सभी लीग मैच जितने के बाद सेमीफाइनल में बिहार को 3-1 से हराकर फाइनल प्रवेश किया और अंत में मध्य प्रदेश को 6-0 से परास्त कर टीम चैंपियन बनी। 14 बालक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का खिताब अंशु उरांव को मिला। बालिका वर्ग में सर्वश्रेष्ठ गोल स्ट्राइकर रीता कुमारी को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

विजेता टीम के साथ अधिकारी व अन्य। • फोटोन न्यूज

चमेली झरना में डूबे युवक का छठे दिन मिला शव

HAZARIBAGH : जैन मंदिर के समीप निवासी जीसन अब्बास का शव मंगलवार छठे दिन एनडीआरएफ की मदद से बाहर निकाला गया। युवक गत गुरुवार को इचाक के चमेली झरना नहाने गया था। इसी दौरान जीसान गहरे पानी में चला गया, जिससे उसकी मौत पानी में डूबने से हो गई।बताया जाता है कि जीसन अपने चार पांच साथियों के साथ रील बनाने के उद्देश्य से आया हुआ था। रील बनाकर नहाने के लिए पानी में उतरा,गहरे गढ़े में जाने के बाद उसका अता पता नहीं चल पाया। काफी मशक्कत के बाद मंगलवार सुबह शव को निकाला गया। इधर जीसान के शव पानी से बाहर निकलते ही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस शव को अंत्यपरीक्षण के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

मेदिनीनगर निगम क्षेत्र में 100 अतिरिक्त टैंकरों से होगी जलापूर्ति

PHOTON NEWS PALAMU : मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में पेयजल किल्लत पर पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि 100 अतिरिक्त टैंकरों से इस वर्ष भी जलापूर्ति शुरू करायी जायेगी। पिछले वर्ष भी इसी तरह की व्यवस्था देने पर लोगों को राहत मिली थी। सुदना, आबादगंज और निमियां इलाके से महिलाओं ने पेयजल को लेकर उन्हें फोन किया था। एक दिन गैप करके टैंकर से पानी दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में टैंकर से अतिरिक्त जलापूर्ति बढ़ाने की कोशिश की जायेगी। नगर आयुक्त से मिलकर बात की जाएगी। त्रिपाठी मंगलवार को परिसदन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व मंत्री ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में 24 हजार घरों को पानी देने के लिए जलापूर्ति योजना के तहत चार वॉटर टैंक और एक वाटर ट्रीटमेंट प्लान बनाने की योजना है लेकिन ड्राई जोन एरिया आबादगंज और निमियां में दो वाटर टैंक की आवश्यकता है। इन इलाकों में वॉटर टैंक नहीं बनाने की योजना है लेकिन एक्सटेंशन करके यहां भी वॉटर टैंक बनाने के लिए सरकार पर दबाव बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति योजना के लिए कोयल नदी में पानी रहना जरूरी है। इसके लिए कोयल में बराज की स्वीकृति दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात की जायेगी। इस मौके पर कई पूर्व वार्ड पार्षद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

बैठक में शामिल पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी व अन्य। • फोटोन न्यूज

हजारीबाग में पार्किंग जोन पर बिफरा दुकानदार संघ

पार्किंग जोन का विरोध करते दुकानदार संघ के सदस्य। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : फुटपाथ दुकानदारों ने विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर गुरुगोविंद सिंह पार्क में मंगलवार को बैठक की। बैठक की अध्यक्षता राजेश कुमार गुप्ता ने किया। बैठक में निर्णय हुआ कि यदि नगर निगम ने जहां-तहां पार्किंग को कहीं एक जगह नहीं किया तो गरीब फुटपाथ दुकानदार संघ आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस मौके पर राजेश कुमार गुप्ता, संतोष कुमार गुप्ता, रविंद्र महतो, विजय गुप्ता, कुंती देवी, प्रदीप प्रसाद, समीम भाई, जय मंगल पांडेय, मो.खालिद, शंकर ठाकुर, मो. आदिल, मो. खलील सहित अन्य मौजूद थे।

कोडरमा में राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर हुआ विचार-विमर्श

PHOTON NEWS KODERMA : 13 जुलाई को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के प्रकोष्ठ में न्यायिक पदाधिकारियों के साथ एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बाल कृष्ण तिवारी ने की। प्रधान जिला जज ने उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों से आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन की दिशा में आवश्यक पहल करने की अपील की। साथ ही राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादन योग्य मामलों को चिन्हित कर सम्बंधित पक्षकारों को नोटिस निर्गत करने की अपील की। इस मौके पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय अमितेष लाल, जिला जज प्रथम गुलाम हैदर, जिला जज द्वितीय अजय कुमार सिंह, जिला जज तृतीय संजय कुमार चौधरी, जिला जज चतुर्थ राकेश चंद्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित कुमार वैश, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी कंचन टोप्पो, न्यायाधीश प्रभारी शिवांगी प्रिया, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ज्योत्सना पाण्डेय, मुंसिफ मिथिलेश कुमार मौजूद रहे।

लोक अदालत को लेकर बैठक करते अधिकारी व अन्य। • फोटोन न्यूज

अन्नपूर्णा देवी ने कैबिनेट मंत्री का संभाला पदभार

PHOTON NEWS RANCHI : कोडरमा से बीजेपी सांसद अन्नपूर्णा देवी ने मंगलवार को कैबिनेट मंत्री का पदभार संभाला। उन्हें महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की जिम्मेवारी मिली है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की आकांक्षा के अनुरूप देश महिला विकास के स्थान पर वीमेन लेड डेवलेपमेंट की उपलब्धि प्राप्त करें। सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि सेवा यात्रा का एक निर्णायक मोड़, एक नई शुरूआत। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में कार्यभार संभालते हुए उत्साह व गौरव की अनुभूति कर रही हूं। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में काम करेंगी।

बीस सूत्री के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कारो नदी का किया औचक निरीक्षण

जलापूर्ति योजना का लिया जायजा

PHOTON NEWS KHUNTI : तोरपा शहरी इलाके में विगत 25 दिनों से जलापूर्ति ठप होने की सूचना पर खूंटी जिला बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष और झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद मंगलवार को तोरपा पहुंचे। उन्होंने कारो नदी जाकर इंटेक वेल तथा जलापूर्ति योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने जलापूर्ति ठप होने की जानकारी उपायुक्त को दी तथा समस्या का निदान कर जल्द जलापूर्ति शुरू कराने का अनुरोध किया। उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों से बात कर जलापूर्ति ठप होने के कारणों की जानकारी ली। विभाग के कनीय अभियंता रावेल होरो ने बताया कि कारो नदी का जलस्तर कम हो जाने के कारण जलापूर्ति ठप्प हो गयी है। नदी पर बांध बनाकर इस समस्या का समाधान किया जायेगा। जुबैर अहमद ने कनीय अभियंता को बांध बनाने का काम तत्काल शुरू करने को कहा। उन्होंने कहा कि गर्मी में जलापूर्ति ठप हो जाने से लोगों को परेशानी हो रही है। कनीय अभियंता ने कहा कि बुधवार को बांध बनाने का काम शुरू किया जायेगा। जुबैर अहमद ने कहा कि दो दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो वे कारो नदी के समीप ही धरने पर बैठ जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि तोरपा में 25 दिनों से जलापूर्ति ठप है। नदी का जलस्तर नीचे चले जाने से इंटेक वेल में पानी नहीं पहुंच रहा है। जलस्तर नीचे जाने से इंटेक में लगी चैनल पाइप नदी की सतह के ऊपर आ गयी है। इंटेक वेल में पानी जमा नहीं हो पा रहा है। इसके कारण जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। जलापूर्ति ठप होने से तीन हजार लोग पेयजल से वंचित हैं। इस मौके पर झामुमो नेता प्रदीप केशरी, सुहैल खान, मोजीर अंसारी, पम्प ऑपरेटर कृष्णा नायक आदि उपस्थित थे।

कारो नदी का निरीक्षण करते बीस सूत्री के उपाध्यक्ष व अन्य। • फोटोन न्यूज

नाबालिग को भगाकर ले जाने के दोषी को पांच वर्ष सश्रम कारावास की सजा

KODERMA : नाबालिग लड़की को भगाने के एक मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अजय कुमार सिंह की अदालत ने मंगलवार को दोषी आशीष कुमार उर्फ आशीष कुमार दास (20) को 363 आईपीसी के तहत पांच वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 30 हजार रुपये जुमार्ना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह मामला वर्ष 2023 का है। लड़की के मां के आवेदन पर नवलशाही थाना कांड संख्या 211/ 23 दर्ज किया गया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक पीपी एंजेलिना वारला ने किया। इस दौरान सभी 7 गवाहों का परीक्षण कराया गया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता उदय शंकर प्रसाद ने दलीलें पेश की।

जन वितरण प्रणाली विक्रेता पर अनाज गबन की प्राथमिकी दर्ज

PHOTON NEWS PALAMU : जिला आपूर्ति पदाधिकारी के आदेश पर जिले के हुसैनाबाद के प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मनोज कुमार पासवान ने मंगलवार को जन वितरण प्रणाली विक्रेता-वैभव आजीविका सखी मण्डल, ग्राम टिकरपर, महुअरी के विरुद्ध हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने थाना को दिए आवेदन में कहा है कि वैभव आजीविका सखी मंडल की अध्यक्ष जयमाला देवी द्वारा माह दिसम्बर 2023 से माह मार्च 2024 तक कार्डधारियों की शिकायत के अनुसार अंगूठा लगाकर लगभग 50 से 60 कार्डधारियों के बीच लगभग 41.20 (एकतालीस क्विंटल बीस किग्रा) खाद्यान्न वितरण नहीं करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जन वितरण प्रणाली विक्रेता वैभव आजीविका सखी मण्डल के अध्यक्ष जयमाला देवी, ग्राम टिकरपर, महुअरी को माह मार्च में कार्डधारियों की लिखित शिकायत के बाद स्थलीय जाँच की गयी थी। जांच के क्रम में जन वितरण प्रणाली विक्रेता वैभव आजीविका सखी मण्डल के अध्यक्ष के द्वारा राशन वितरण में अनियमितता को लेकर प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी के ज्ञापांक- 84/ दिनांक-

21.03.2024 के द्वारा निलंबन करने हेतु अनुशंसा की गई थी। फलस्वरूप जिला आपूर्ति पदाधिकारी, पलामू के ज्ञापांक-295/आ०, दिनांक 21.03.2024 के द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए शेष बकाया खाद्यान्न वितरण करते हुए एक सप्ताह के अन्दर स्पष्टीकरण मांगा गया था। लेकिन जन वितण प्रणाली विक्रेता के द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया। उसके बाद प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, हुसैनाबाद के ज्ञापांक-90/दिनांक- 10.04.2024 के द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया कि शेष बकाया राशन कार्डधारियों के बीच वितरण करते हुए 24 घंटे के अन्दर स्पष्टीकरण का जवाब देने का निर्देश दिया गया।

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Wednesday, 12 June 2024

BRIEF NEWS

गैंगस्टर अमन के करीबी आकाश की बेल याचिका एनआईए कोर्ट ने की खारिज

RANCHI : मंगलवार को गैंगस्टर अमन साहू गैंग के आकाश रॉय मोनू की याचिका को एनआईए कोर्ट ने खारिज कर दिया। आकाश की ओर से वकील दीपक कुमार ने कोर्ट को ये बताते हुए जमानत मांगी थी की वो निर्दोष है और उसे झूठे मुकदमा मे फंसा के पिछले 3 साल से जेल मे रखा गया है। दूसरी और एनआईए के वकील ने कोर्ट को बताया की एजेंसी के जांच मे यह पाया गया है कि आकाश एक हार्डकोर अपराधी है और डॉन अमन का बेहद करीबी है। दोनों पक्षों की डालूनी सुनने के बाद कोर्ट में जमानत याचिका खारिज कर दी। आकाश रॉय मोनू फिलहाल सिमडेगा मंडल कारा मे बंद है।

हनुमान चालीसा आरती प्रतियोगिता 16 जून को

RANCHI : सनातनी धर्म और संस्कृति शिक्षा देने के उद्देश्य से हिंदू सहायक मंच की ओर से सनातन बच्चों के बीच गायत्री मंत्र, हनुमान चालीसा का पाठ और हनुमानजी की आरती प्रतियोगिता की जाएगी। यह आयोजन रातू रोड स्थित श्रीराम मंदिर चौक के श्री श्री 107 राम जानकी पंच देवता मंदिर में 16 जून को आयोजित की जाएगी । मंदिर के शंकर प्रसाद ने मंगलवार को बताया कि 6 से 13 वर्ष के बच्चे इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। सभी को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र दिया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में राजेश अग्रवाल, अजय राजगढ़िया, अजीत तिवारी सहित अन्य लोग लगे हुए है।

डॉ. सोनी यूजीसी-एमएमटीसी की उप-निदेशक बनीं

RANCHI : रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर जूलॉजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ सोनी कुमारी तिवारी को रांची विश्वविद्यालय के यूजीसी-मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीसी), का उपनिदेशक नियुक्त किया गया है, यह जिम्मेदारी उन्हें अपने कार्य के साथ दी गई है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है। इस संबंध अधिसूचना विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मंगलवार को जारी कर दिया गया। कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा और एमएमटीसी के निदेशक डॉ सुदेश कुमार साहू ने डॉ सोनी को इस नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं और बधाई दीं।

डीपीएस में 11वीं के विद्यार्थियों का स्वागत

RANCHI : डीपीएस, रांची में 11वीं कक्षा के नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ राम सिंह ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का स्वागत करते हुए स्कूल के नियम और उपलब्धियों की जानकारी दी। कहा कि हर विद्यार्थी खुद में अगल क्षमता रखता है। छात्र मेहनत करने के लिए तैयार रहें और शिक्षकों के मार्गदर्शन को आत्मसात करें, सफलता मिलनी तय है।

श्री राम शर्मा की क्रिमिनल अपील पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा-

उकसावे पर अचानक की गई गैर इरादतन हत्या, मर्डर नहीं

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने हाल ही में दिये अपने एक फैसले में कहा है कि अचानक झगड़े के बाद आवेश में आकर और बिना किसी पूर्व योजना के की गयी हत्या को हत्या नहीं माना जायेगा।

यह फैसला हाईकोर्ट ने श्री राम शर्मा की क्रिमिनल अपील पर सुनवाई के बाद दिया है। श्री राम शर्मा को देवघर सिविल कोर्ट ने 4 फरवरी 2017 को हत्या के जुर्म में दोषी करार देते हुए दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनायी थी। साथ ही 10 हजार का जुमार्ना भरने का भी आदेश दिया था। श्री राम शर्मा ने देवघर सिविल कोर्ट के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। श्री राम शर्मा की क्रिमिनल अपील पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस सुभाष चांद की खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यदि गैर इरादतन हत्या अचानक झगड़े के बाद जोश में बिना किसी पूर्व योजना के की गयी हो और अपराधी कोई अनुचित लाभ ना उठाये या क्रूर तरीके से काम ना करे, तो उक्त मृत्यु आईपीसी के सेक्शन 300 के अंतर्गत नहीं आयेगी। अपीलकर्ता द्वारा मृतक की हत्या करने का कोई इरादा नहीं था, अचानक झगड़ा हुआ और आवेश में आकर और बिना किसी पूर्व विचार के मृतक के सिर पर हथौड़े से वार किया गया। चश्मदीद गवाह के साक्ष्य और मेडिकल साक्ष्य से भी पता चलता है कि मृतक के सिर पर केवल एक वार किया गया था। इससे यह भी पता चलता है कि हत्या करने की कोई पूर्व योजना या इरादा नहीं था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा कि अपीलकर्ता पहले से ही दस साल से अधिक समय से हिरासत में था और सजा काट चुका था। इसलिए अदालत ने निर्देश दिया कि अपीलकर्ता को हिरासत से तुरंत रिहा किया जाये।

अमित शाह पर राहुल गांधी की आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई छह को

RANCHI : भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह पर कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में मंगलवार को रांची स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की कोर्ट ने राहुल गांधी की उपस्थिति के लिए पूर्व में समन जारी किया था, जिसका तामिला प्रतिवेदन अभिलेख में संलग्न नहीं होने के कारण सुनवाई की अगली तिथि छह जुलाई निर्धारित की है। इससे पूर्व कोर्ट ने राहुल गांधी को समन जारी कर कोर्ट में उपस्थित होने को कहा था लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। राहुल गांधी ने पूर्व में एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा जारी समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को फिर से समन जारी किया था। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता नवीन झा के अधिवक्ता बिनोद कुमार साहू ने पैरवी की। यह जानकारी अधिवक्ता विनोद कुमार साहू ने दी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में मामले में शिकायतवाद दर्ज होने के बाद रांची सिविल कोर्ट ने पहली बार राहुल गांधी को समन जारी किया था। यह शिकायतवाद भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने दायर किया है, जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में आयोजित अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। नवीन झा के मुताबिक, इस दौरान राहुल ने कहा था कि भाजपा में एक हत्यारा अध्यक्ष बन सकता है लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं हो सकता। इस बयान से उन्हें ठेस पहुंची है। पार्टी की छवि खराब हुई है।

बर्थडे पार्टी में पहुंचे युवक की गोली मारकर हत्या

- राहे ओपी के लोहाहातु दुलमी की घटना
- हत्या का आरोपी बंगाल से किया गया गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : राहे ओपी क्षेत्र के लोहाहातु दुलमी में जन्मदिन की पार्टी में सोमवार रात पहुंचे अर्जुन महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रांची पुलिस ने हत्या के आरोपित को बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। बुंडू एसडीपीओ रतीभान सिंह ने बताया कि अर्जुन महतो रात में अपने बड़े साढ़ू झरिया महतो के राहे स्थित लोहाहातु दुलमी में जन्मदिन के पार्टी में गया था। लेकिन देर होने की वजह से रात में वहीं रूक गया। इसी बीच अर्जुन महतो का छोटा साढ़ू समीर कोईरी बाउंड्री क्रॉस कर वहां पहुंचा और उसने गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद वह मौके से फरार हो गया। घटना के बाद अर्जुन महतो को रांची स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अर्जुन पेशे से सब्जी कारोबारी था। वह अपने परिवार के साथ ताऊ में सब्जी का कारोबार करता था।

घर से चोरी कर भाग रहे दो आरोपी गिरफ्तार

RANCHI : काली मंदिर रोड में घर से सामान चोरी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने मंगलवार को जेल भेज दिया। नवीन अग्रवाल ने आरोपी चंदन राम और विष्णु राम पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया कि घर में सोमवार शाम दो चोर घुस आए। किचन से गैस सिलेंडर और मिक्सर जूसर लेकर भागने लगे। तभी परिजनों ने दोनों को दबोच लिया। पिटाई के बाद लालपुर पुलिस के हवाले कर दिया।

विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले की सुनवाई 19 जून को

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने विधानसभा नियुक्ति गड़बड़ी मामले में राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट एवं एसजे मुखोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट में प्रस्तुत करे। पूर्व में सरकार की ओर से दोनों रिपोर्ट सीलबंद प्रस्तुत की गई थी। चूंकि, विधानसभा के पटल पर एसजे मुखोपाध्याय आयोग की ही रिपोर्ट केवल प्रस्तुत की गई थी। इसलिए सरकार की ओर से एसजे मुखोपाध्याय आयोग की रिपोर्ट शपथ पत्र के माध्यम से प्रस्तुत की गई। महाधिवक्ता राजीव रंजन कोर्ट ने मंगलवार को मामले की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पक्ष रखा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 19 जून निर्धारित की है। झारखंड

विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में शिव शंकर शर्मा ने जनहित याचिका दाखिल की है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार और झारखंड विधानसभा से पूछा था कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट में क्या त्रुटियां थी, जिसके कारण दूसरी आयोग बनानी पड़ी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की ओर से पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि मामले की जांच को लेकर पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमिशन बनी थी, जिसने मामले की

41 अभ्यर्थियों के लिए अलग से लें परीक्षा

झारखंड हाईकोर्ट ने बुधवार को होने वाली सहायक आचार्य परीक्षा में शामिल होने के लिए दायर अमृता कुमारी और 41 अन्य अभ्यर्थियों की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान खररउ के अध्यक्ष प्रशांत कुमार अदालत के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित हुए। हाईकोर्ट ने उन्हें यह निर्देश दिया है कि हाईकोर्ट में जिन 41 अभ्यर्थियों ने याचिका दाखिल की है, उनके लिए अलग से परीक्षा ली जाएगी। इसके लिए अदालत ने खररउ को 4 सप्ताह का समय दिया है। वहीं अदालत ने स्पष्ट किया कि इस याचिका का जो भी अंतिम निष्कर्ष निकलेगा, उससे उनकी नियुक्ति प्रभावित होगी। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एसएन पाठक की बेंच में हुई।

गम्हरिया के तत्कालीन सीओ गिरेंद्र टूटी सस्पेंड

RANCHI : झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी गिरेंद्र टूटी के खिलाफ राज्य सरकार ने एक्शन लिया है और उन्हें निलंबित कर दिया है। कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में कार्रवाई करते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है। इस बाबत कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गयी है। गिरेंद्र टूटी (जेएएस) सरायकेला खरसावां जिले के गम्हरिया में सीओ (अंचल अधिकारी) के रूप में नियुक्त थे। उसी दौरान कार्यों में लापरवाही बरतने के मामले में उनके खिलाफ राज्य सरकार ने कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया। अभी वे कोडरमा में अंचलाधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे। निलंबन अवधि में गिरेंद्र टूटी का मुख्यालय दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त का कार्यालय (रांची) निर्धारित किया गया है।

अमन-बिश्नोई गैंग से जुड़े सुनील के खिलाफ रेड नोटिस होगा जारी

PHOTON NEWS RANCHI : अमन साहू और लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा सुनील मीणा के खिलाफ रेड नोटिस जारी होगा। इसकी प्रकिया शुरू हो गयी है। झारखंड पुलिस के मुताबिक, मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा साल 2022 से मलेशिया में रह रहा है। वह अमन साहू गिरोह में दूसरा स्थान रखता है। पिछले डेढ़ साल के दौरान झारखंड पुलिस ने अमन साहू गिरोह से जुड़े 33 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इन अपराधियों के पास से दो कार्बाइन, 17 पिस्टल और 109 राउंड गोली भी बरामद की गयी है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है सुनील मीणा : झारखंड पुलिस के लिए मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा चुनौती बना हुआ है। सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के घडसाना के नयी मंडी का रहने वाला है। सुनील लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में रह चुका है। वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया सुनील कुआलालमपुर में रहने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया। इसके बाद मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपनी जड़े जमाने लगा। वह लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर राजस्थान और पंजाब के कई जिलों में हत्या, रंगदारी वसूली, फायरिंग जैसे घटनाओं को अंजाम दिया।

विधायक से रंगदारी मांगकर आया था चर्चा में

सुनील मीणा राजस्थान के तत्कालीन राहत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री व कांग्रेस विधायक गोविंद राम मेघवाल से रंगदारी मांगकर सबसे पहले चर्चा में आया था. लॉरेंस के इशारे पर ही सुनील मीणा ने राजस्थान के एक पेट्रोल पंप संचालक से पांच करोड़ की रंगदारी मांगी थी. रंगदारी देने से इनकार करने पर सुनील मीणा ने ही पेट्रोल पंप संचालक पर फायरिंग करवायी थी.

कल्पना सोरेन से मिले कैबिनेट मंत्री दीपक बिरुआ

विधायक कल्पना सोरेन से मुलाकात करते मंत्री व अन्य।

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन से रांची के कांके रोड स्थित आवास पर मंगलवार को झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री दीपक बिरुआ ने शिष्टाचार मुलाकात की। इनके अलावा कल्पना सोरेन से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोध कांत सहाय, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की और मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने भी शिष्टाचार मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि कल्पना सोरेन ने गत सोमवार को झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली थी।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने मल्लिकार्जुन खड़गे से की मुलाकात

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर समेत वरीय नेताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें झारखंड लोकसभा चुनाव के रिजल्ट समेत वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत कराया। 12 जून को लोकसभा चुनाव में जीत-हार की समीक्षा बैठक की भी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्हें बताया गया कि पार्टी अभी से विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गयी है, ताकि बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने मल्लिकार्जुन खरगे को लोकसभा चुनाव के संदर्भ में प्रत्येक सीट की परिस्थितियों से अवगत कराते हुए पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहले के मुकाबले हमने चुनाव में अच्छा संघर्ष किया, लेकिन आशातीत सफलता नहीं मिल

खड़गे से मुलाकात करते कांग्रेस नेता।

पायी। हम जीत और हार के कारणों की विस्तृत समीक्षा करेंगे और इसके लिए समीक्षात्मक बैठक 12 जून को बुलाई गई है। इसमें हारी गयी सीटों का निचले से लेकर ऊपर स्तर तक गहनता से समीक्षा की जाएगी, ताकि जहां हमसे चुक हुयी है, वहां स्थितियों को अपने अनुकूल बनाया जा सके। झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने मल्लिकार्जुन खरगे को बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट के साथ ही झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए संगठन सक्रिय हो गया है। झारखंड में संगठन की मजबूती के लिए हर प्रयास किया जा रहे हैं और आगामी चुनाव तक संगठन पूरी तरह चुस्त दुरुस्त रहेगा। झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में जनता ने हमारा नेतृत्व किया है और हमें सफलता दिलाई है। आगे भी हम बेहतर रिजल्ट के लिए संघर्ष करेंगे। झारखंड की जनता पूरी तरह से हमारे साथ है और इन 5 वर्षों में गठबंधन की सरकार ने विपरीत परिस्थितियों के बाद भी जनता के हित में बेहतर फैसले लेकर उनके जीवन स्तर में सुधार का प्रयास किया है। मुलाकात करने वालों में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप यादव, सांसद कालीचरण मुंडा, सांसद सुखदेव भगत, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप कुमार बालमुचू, विधायक इरफान अंसारी, भूषण बाड़ा, अशोक चौधरी, सुल्तान अहमद एवं अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष मंजूर अहमद अंसारी थे।

संजय सेठ ने रक्षा राज्य मंत्री के रूप में संभाला कार्यभार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ।

PHOTON NEWS RANCHI : रांची सांसद संजय सेठ ने मंगलवार को देश के रक्षा राज्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। साथ ही उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात भी की। गौरतलब है कि झारखण्ड से भाजपा के 8 और आजसू पार्टी को लोकसभा चुनाव में एक सीट पर सफलता मिली है। इनमें से भाजपा सांसद अन्नपूर्णा देवी (कोडरमा) और संजय सेठ (रांची) को मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। अन्नपूर्णा देवी को कैबिनेट मंत्री (महिला, बाल विकास) और संजय सेठ को राज्य मंत्री (रक्षा मंत्रालय) बनाया गया है। सोमवार को मोदी सरकार के मंत्रियों के विभागों का बंटवारा किया गया था।

लोगों को सुविधाएं देने के लिए तैयारियों में लगा रांची नगर निगम, जारी किया ई-टेंडर नोटिस

अब रांची की सड़कों पर दौड़ेगी एसी इलेक्ट्रिक बस

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी की सड़कों पर जल्द ही एसी इलेक्ट्रिक गाड़ियां दौड़ती दिखाई देंगी। इसके लिए रांची नगर तैयारियों में लग गया है। यहां तक कि उसने इसके लिए ई-टेंडर नोटिस भी जारी कर रखा है। टेंडर के मुताबिक, रांची की सड़कों पर 24 एसी इलेक्ट्रिक गाड़ियां चलायी जानी हैं। इसके अलावा 220 नन एसी डीजल बसों को भी रांची शहर में चलाए जाने की योजना है। इस तरह से कुल 244 बसों को रांची की सड़कों पर उतारे जाने की योजना है। एसी बसों और नन एसी डीजल बसों के संचालन के लिए जिनके साथ निगम की सहमति बनेगी, उसके साथ इस काम के लिए 10 सालों का कॉन्ट्रैक्ट साइन होगा। निगम ने टेंडर जारी करते कहा है कि इच्छुक ऐसी एजेंसी या बस ऑपरेटर जो एसी इलेक्ट्रिक और नन एसी डीजल गाडियों की खरीद के साथ उसके संचालन, रख-रखाव और हस्तांतरण में सक्षम हों, वे 2 जुलाई तक बिड जमा कर सकते हैं। टेंडर फीस के तौर पर 25000 हजार रुपए और इएमडी फीस के तौर पर 1 करोड़ रुपए जमा करने होंगे। इसी वर्ष फरवरी के दूसरे सप्ताह तक आवेदन जमा करने को कहा था। कहा जा रहा है कि नगर निगम की सिटी बस आने वाले दिनों में रिंग रोड पर भी चलती हुई दिखाई देगी। शहर के बाहर रिंग रोड से होते हुए शहर के अंदर तक बसों का परिचालन होगा ताकि दूर-दराज से आने वाले लोगों को सुविधा हो। बसों की दूरी को देखते हुए किराया भी कम रखा जाएगा। इससे ज्यादा से ज्यादा बस का इस्तेमाल लोग कर सकेंगे। इन बसों के लिए खादगढ़ा और आईटीआई बस स्टैंड में बस डीपो भी बनाया जाना है। इसके लिए भी करीब पांच करोड़ रुपए की राशि को स्वीकृति दे दी गई है। वहीं सिटी में 200 स्टापेज भी बनाए जाएंगे। इधर ट्रैफिक की अव्यवस्था को देखते हुए सिटी में ई-रिक्शा पर रोक लगाने का भी निर्णय लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, मुख्य सड़कों पर ई-रिक्शा पर पूरी तरह रोक लगा दी जाएगी। सिर्फ गलियों और मोहल्लों में ही इनका परिचालन होगा। इसके लिए भी ई-रिक्शा को रूट पास लेना अनिवार्य होगा।

किराया कलेक्शन और मैनपावर की भी जरूरत

रांची अब धीरे-धीरे स्मार्ट सिटी बनता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन, ट्रैफिक डिपार्टमेंट और नगर निगम पूरी कोशिश में जुटे हैं। लोगों को शहर के एक छोर से दूसरे छोर जाने में कोई मुश्किल न हो और बेहद किफायती दर में शहर के अंदर ट्रैवल कर सकें, इसके लिए बसों की खरीदारी की प्रक्रिया चल रही है। इस साल 244 नए सिटी बस रांची की सड़कों पर उतारा जाना है। 244 नई सिटी बसों की खरीदारी के लिए टेंडर जारी किया जा चुका है। अब इसे और ज्यादा सरल और सुगम बनाने के लिए ऐप भी डेवलप किया जा रहा है। रांची नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार सिटी बसों के टेंडर जारी करने के बाद उन बसों में किराया कलेक्शन व मैनपॉवर उपलब्ध कराने के लिए भी निगम ने टेंडर निकाला था।

सड़क हादसे में मृतक के आश्रितों को मुआवजा राशि की दी स्वीकृति

- एक-एक लाख रुपये की दी जाएगी मुआवजा राशि

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा।

PHOTON NEWS RANCHI : स्थानीय आपदा से प्रभावित लोगों की क्षतिपूर्ति के लिए जिला प्रशासन ने मुआवजा अनुदान की स्वीकृति दी है। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने मंगलवार को राज्य विशिष्ट स्थानीय आपदा सड़क दुर्घटना के तहत क्षतिपूर्ति मुआवजा अनुदान की स्वीकृति दी। रांची जिले के तीन अंचलों के तीन आवेदकों को क्षतिपूर्ति मुआवजा का भुगतान किया जाएगा। इनमें बुण्डू, बड़गाईं और तमाड़ अंचल के एक-एक आश्रितों को एक-एक लाख की मुआवजा राशि दी जाएगी। इनमें बुंडू अंचल निवासी गिरिधारी महतो, बड़गाईं अंचल निवासी सुखदेव सिंह और तमाड़ अंचल निवासी किरण देवी हैं। संबंधित अंचल अधिकारी के प्रतिवेदन पर उप समाहर्त्ता भूमि सुधार सदर और बुण्डू की अनुशंसा के आलोक में राज्य विशिष्ट स्थानीय आपदा सड़क दुर्घटना से मृत व्यक्ति के आश्रित को क्षतिपूर्ति मुआवजा के लिए अनुदान की स्वीकृति दी गई है।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Wednesday, 12 June 2024

समाचार सार

'मगध का पाषाण पुरुष: दशरथ मांझी' पर परिचर्चा

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर के ऑफिस रोड स्थित पार्क एन्क्लेव एक्सटेंशन में मंगलवार को डॉ. अरुण सज्जन की पुस्तक 'मगध का पाषाण पुरुष: दशरथ मांझी' पर परिचर्चा हुई। डॉ. शांति सुमन की अध्यक्षता में हुई परिचर्चा में सिंहभूम हिंदी साहित्य भारती के महामंत्री मनीष सिंह वंदन ने पद्मा मिश्रा द्वारा इस कथा-काव्य पर लिखी गई समीक्षा को प्रस्तुत करते हुए कहा कि अरुण सज्जन ने जिस विषय का चयन किया है, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। इस पर डॉ. आशा गुप्ता, रेणुबाला, ज्योत्स्ना अस्थाना, शैलेंद्र अस्थाना, डॉ. चेतना वर्मा आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन वरुण प्रभात व धन्यवाद ज्ञापन कुमार मुकुल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. विशाखा एवं अन्य का सहयोग रहा।

बाल विवाह मुक्त व बाल हितैषी गांव बनाने का संकल्प

POTKA : सामाजिक संस्था यूथ यूनिटी फॉर वॉलंटरी एक्शन द्वारा पूर्वी सिंहभूम जिला के पोटका प्रखंड स्थित तेंतला पंचायत के इंपीरियल रिसोर्ट में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला की, जिसमें 11 प्रखंड के ग्राम प्रधानों ने भाग लिया। इसका संचालन गर्ल्स फर्स्ट फंड परियोजना की प्रोजेक्ट-कोऑर्डिनेटर ज्योति पिंगुआ ने किया, जिसमें ग्राम प्रधानों को बाल विवाह के बारे में विस्तार से बताया।

ट्रक ने मारी कार को टक्कर, युवा व्यापारी की मौत

BIRMITRAPUR : बिरमित्रपुर थाना क्षेत्र के तहत गोबरा के पास एनएच 143 पर मंगलवार को सड़क दुर्घटना हुई। भारी ट्रक ने कार को टक्कर मार दी, जिससे युवा व्यापारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिरमित्रपुर निवासी बिस्कुट कंपनी के मालिक दीनानाथ मित्तल के रूप में हुई है। मंगलवार को मित्तल अपने कोई जान पहचान के अंतिम संस्कार में वेदव्यास घाट जा रहे थे। इसी क्रम में ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल मित्तल को राउरकेला लाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बाल श्रम पर निकला जागरुकता रथ

ROURKELA : बाल श्रम कराना दंडनीय अपराध है। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम पर लगाना जुर्माना और कारावास दोनों से दंडनीय है। यह जानते हुए भी लोग बाल श्रम कराते हैं। श्रम एवं राज्य बीमा कर्मचारी विभाग की ओर से लोगों को सचेत किया जा रहा है। ये बातें अतिरिक्त जिलापाल आशुतोष कुलकर्णी ने मंगलवार को राउरकेला में कहीं। इस दौरान उन्होंने बाल श्रम विरोधी जागरुकता रथ को रवाना किया।

फेडरेशन ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

JAMSHEDPUR : ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन द्वारा मंगलवार शाम को गुरुद्वारा साहिब बिष्टुपुर में 10वीं और 12वीं कक्षा के टॉपर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले व चिन्मया विद्यालय की प्राचार्य मीना विल्खू उपस्थित थीं। अपने संबोधन में काले ने कहा कि ये हीरे हैं, पर अनगढ़े, इनको तराशिए..। इस दौरान कार्यक्रम के आयोजक व फेडरेशन के पूर्वी भारत अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर, बिष्टुपुर गुरुद्वारा के अध्यक्ष प्रकाश सिंह, साकची गुरुद्वारा के अध्यक्ष निशान सिंह, महासचिव परमजीत सिंह काले, गुरदीप सिंह, इंदरजीत सिंह कपूर, इंदरजीत सिंह पनेसर, इंदरपाल सिंह भाटिया, मनमीत लूथरा, परविंदर भाटिया, मनवीर सिंह, मोहिंदरपाल सिंह आदि भी उपस्थित थे।

जून-जुलाई में परिवर्तित मार्ग से चलेंगी कई ट्रेनें

JAMSHEDPUR : मरम्मत कार्य को लेकर टाटा-यशवंतपुर और टाटा-बेंगलुरु एक्सप्रेस जून के अंतिम माह और जुलाई माह के विभिन्न तिथियों में परिवर्तित मार्ग से चलेगी। दोनों ट्रेनें निदादावोले, भीमावरम टाउन, गुडीवाड़ा जंक्शन एवं विजयवाड़ा जंक्शन होकर चलेगी। टाटा-यशवंतपुर का ठहराव एलुरु रेलवे स्टेशन पर नहीं होगा। ट्रेन नंबर 18111 टाटा-यशवंतपुर एक्सप्रेस 27 जून, 4, 11, 18 और 25 जुलाई को परिवर्तित मार्ग से चलेगी। वहीं ट्रेन नंबर 12889 टाटा-बेंगलुरु एक्सप्रेस 28 जून, 5, 12, 19 और 26 जुलाई को परिवर्तित मार्ग से चलेगी। इस संबंध में रेलवे की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है।

श्रम अधीक्षक ने कान्वाई चालकों से की पूछताछ

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स कान्वाई चालकों का धरना जारी है। टाटा मोटर्स यार्ड रोड के पास कान्वाई चालक न्यूनतम मजदूरी, बोनस, ड्राइवरों का इंश्योरेंस, अवैध यूनियन का संचालन बंद करने की मांग पर धरने पर बैठे हैं। इस मामले में मंगलवार को श्रम अधीक्षक अविनाश ठाकुर के नेतृत्व में एक जांच दल कान्वाई बुकिंग यार्ड पहुंचा। दल ने चालकों को मिलने वाले वेतन, बोनस के मामले में जानकारी ली। यह जांच रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी। जांच में त्रिलोकी चौधरी, हरिशंकर प्रसाद, त्रिलोचन सिंह, उमेश प्रसाद, श्याम यादव, जसपाल सिंह आदि चालक शामिल थे।

मानगो के नशा मुक्ति केंद्र पर दर्जनों अपराधियों ने किया हमला, हंगामा

पुलिस को भी नहीं बख्शा, पटमदा डीएसपी के आने पर मामला हुआ शांत

PHOTON NEWS JSR: मानगो के डिमना रोड स्थित उलीडीह थाने से महज 50 मीटर दूरी पर स्थित नशा मुक्ति केंद्र पर मंगलवार को दर्जनों की संख्या में हरवे-हथियार से लैस युवकों ने हमला कर दिया। पूरे नशा मुक्ति केंद्र में जमकर तोड़फोड़ की गई। केंद्र में कार्य कर रहे तीन लोगों को डंडा, रॉड और हथौड़े से जमकर पिटाई की। नशा मुक्ति केंद्र में तोड़फोड़ करने के बाद अपराधियों ने डिमना रोड स्थित होटल में भी तोड़फोड़ की। बीच सड़क में जा रहे टेंपो वाले को मारा। ठेले वाले, खोमचे वाले भी को भी अपना शिकार बनाया। जो सामने दिखा, उसको भी जमकर पिटाई की गई। हद तो तब हो गई जब बीच सड़क में अपराधियों का तांडव देखकर मौके पर पुलिस पहुंची तो पुलिस कर्मी पर भी अपराधियों ने हमला कर दिया। अपराधियों के हमले से पुलिस को कुछ देर के लिए पीछे हटना पड़ा, फिर अतिरिक्त पुलिसबल मौके में पहुंच कर अपराधियों को पकड़कर थाने में लाकर गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अपराधी खुलेआम सड़क पर चिल्ला चिल्ला कर मंत्री के पैरवी का हवाला देते हुए पुलिस को चुनौती दे रहे थे। अपराधियों के पक्ष में सैकड़ों की संख्या में विशेष समुदाय के लोगों का जमावड़ा भी उलीडीह थाने में लगने लगा। अपराधियों की मार से घायल लोगों ने मामले की जानकारी भाजपा नेता विकास सिंह को दी। सूचना मिलते ही विकास सिंह ने उलीडीह थाने में पहुंचकर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की। थाने में मौजूद अपराधियों के समर्थक मोहम्मद राजा एवं मंजर खान ने विकास सिंह को वापस चले जाने की हिदायत दी। मौके पर पहुंचे विकास सिंह ने कहा कि कोई कितनी भी ऊंची पैरवी वाला हो, कानून हाथ में लेने का किसी को अधिकार नहीं है। पुलिस के साथ साथ आम राहगीरों ऊपर हमला करना सीधे-सीधे जिला प्रशासन को चुनौती देना है। भाजपा नेता ने मामले की जानकारी जिले के वरीय पुलिस अधीक्षक को देते हुए दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कही। हमलावर के समर्थक ऊंची आवाज में अपराधियों को नहीं छोड़ने पर रोड जाम करने की धमकी दे रहे थे। इस दौरान विकास सिंह ने अपने समर्थकों के साथ (जिला प्रशासन मत घबराना, आपके साथ है सारा जमाना) नारा बुलंद किया। मामला बढ़ता देख मौके पर पटमदा डीएसपी ने पहुंचकर स्थिति को काबू किया। चोट लगे लोगों को इलाज करने के लिए एमजीएम अस्पताल भेजते हुए उनके परिजनों से अपराधियों को जेल भेजने की बात कही। मारपीट की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद है। सीसीटीवी कैमरे में साफ देखा जा रहा है कि कांग्रेस के नेता इसमाइल आजाद अपने समर्थकों के साथ उत्पात मचा रहे हैं और मंत्री के नाम का हवाला देकर भय पैदा कर रहे हैं।

घटनास्थल पर जुटी भीड़ • फोटोन न्यूज

पोटका क्षेत्र की चार मुख्य सड़कों का होगा पुनर्निर्माण, निविदा जारी

POTKA : पूर्वी सिंहभूम जिला के पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार के प्रयास से विधानसभा क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण सड़कों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जिसे लेकर पथ निर्माण विभाग, जमशेदपुर प्रमंडल की ओर से निविदा का प्रकाशन कर दिया गया है। निविदा की प्रकिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इसके तहत जिन सड़कों का जीर्णोद्धार होना है, उसमें हाता से टाटानगर स्टेशन, जमशेदपुर (18 किमी), हल्दीपोखर से कोवाली (12 किमी) एवं मुसाबनी-डुमरिया-आस्ता कोइमा से ओडिशा बार्डर (47.30 किमी) शामिल है, जबकि सेरालडीह-नरसिंहबहाल भाया मुड़पा से ओडिशा बार्डर (15 किमी) शामिल है।

गोलमुरी के बिड़ला मंदिर में लक्ष्मी नारायण की प्राण-प्रतिष्ठा 3 जुलाई से

मंदिर में वेद अध्ययन अनुशीलन केंद्र की स्थापना करने का भी निर्णय

PHOTON NEWS JSR: गोलमुरी के केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण (बिड़ला) मंदिर में श्रीलक्ष्मीनारायण प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ 3 जुलाई से 7 जुलाई तक संपन्न होगा। 3 जुलाई को कलश यात्रा एवं विग्रहों के नगर भ्रमण के साथ महायज्ञ का शुभारंभ होगा। यज्ञ को विधि विधान के अनुरूप पूजा-अर्चना संपन्न करते हुए 7 जुलाई, 2024 (भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के दिन) मंदिर में श्री लक्ष्मीनारायण एवं अन्य देवी-देवताओं की विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न होगी। बेगुसराय के पं. गौरीकांत ठाकुर तथा जमशेदपुर के पं. विनोद पांडेय, पं. विपिन झा, पं. सुधीर झा एवं पं. उमेश शास्त्री ने मंगलवार को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर की जीर्णोद्धार प्रक्रिया का निरीक्षण किया और शास्त्र समत कई सुझाव दिए तथा महायज्ञ का विस्तृत कार्यक्रम निर्धारित किया। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में एक वेद अध्ययन अनुशीलन केंद्र की भी स्थापना करने का निर्णय भी हुआ। इस केंद्र में सनातन धर्म के सभी विधानों की ग्रंथों से युक्त एक समृद्ध पुस्तकालय होगा और जिज्ञासुओं को विविध पूजा पद्धति, श्लोक उच्चारण तथा वेद-पुराण, यज्ञ, मीमांसा आदि का गूढ़ शिक्षण दिया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं की जिज्ञासाओं का उचित समाधान किया जा सके।

मंदिर परिसर में पुरोहितों के साथ विधायक सरयू राय • फोटोन न्यूज

जुएल ओराम तीसरी बार बने केंद्रीय मंत्री

SUNDARGARH : वर्तमान चुनाव में सुंदरगढ़ लोकसभा क्षेत्र से आदिवासी नेता और भाजपा सांसद जुएल ओराम ने तीसरी बार केंद्रीय मंत्री पद की शपथ ली। जुएल ओराम को जनजातीय मामले विभाग का मंत्री बनाया गया है। पहले इस पद पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा थे। ओराम के केंद्रीय मंत्री बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी है। ओडिशा के बेहतर प्रतिनिधित्व देने के लिए पानपोस जिला संगठन की ओर से जिला अध्यक्ष लतिका पटनायक, प्रदेश महासचिव पूनिमा केरकेटा, प्रदेश कोषाध्यक्ष सुदर्शन गोयल, प्रदेश प्रवक्ता समाहन सेनापति, पूर्व केंद्रीय मंत्री दीलिप राय, पूर्व विधायक शंकर ओराम और रघुनाथपल्ली विधायक दुर्गा तांती, प्रदेश नेताओं, जिला कमेटी, जिला मोर्चा कमेटी, मंडल कमेटी, बूथ कमेटी ने भी बधाई दी।

ओडिशा-बंगाल सीमा पर हो रही गोवंश की तस्करी

जिला प्रशासन से रोक लगाने की गुहार

उपायुक्त कार्यालय पहुंचे विहिप कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: भारतीय गोवंश रक्षण, संवर्धन परिषद, विश्व हिंदू परिषद (गौ रक्षा विभाग) द्वारा मंगलवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें बताया गया है कि पड़ोसी राज्य ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल की सीमा पर गोकशी के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर गोवंश की तस्करी हो रही है। जमशेदपुर सहित विभिन्न मुस्लिम बहुल थाना क्षेत्रों में निर्बाध रूप से गोकशी हो रही है। मांग की गई कि ओडिशा सीमा पर जिले के कोवाली, मुसाबनी, डुमरिया, गुड़ाबांधा तथा बहरागोड़ा तथा पश्चिम बंगाल की सीमा पर बोड़ाम, एमजीएम, गालूडीह, धालभूमगढ़, चाकुलिया तथा बरसोल क्षेत्र में हो रही गोवंश की तस्करी पर तत्काल रोक लगाई जाए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सुजीत साहू सहित दीपक शर्मा, अवतार सिंह गांधी, गब्बू लाल जायसवाल, जनार्दन पांडे, सुशील शर्मा, सुधीर प्रसाद, नवीन सिंह सरदार, भारतेंदु शर्मा, अमर प्रताप सिंह, महेश वर्मा, चंदन चौबे, दीपक शर्मा आदि उपस्थित थे।

सुंदरनगर में पेड़ से गिरा किशोर बांस की टहनी कंधे से आर-पार

PHOTON NEWS JSR: सुंदरनगर थाना क्षेत्र के केड़ो गांव से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां पेड़ से आम तोड़ने के दौरान 15 वर्षीय किशोर विक्रम हेंब्रम जमीन पर गिर गया। इस दौरान जमीन पर पड़ी बांस की एक टहनी विक्रम के कंधे को चीरते हुए आर-पार हो गई। इधर, विक्रम के साथ मौजूद साथी उसे लेकर तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया गया। फिलहाल विक्रम का इलाज टीएमएच में चल रहा है। परिजनों ने बताया कि विक्रम घर के पास ही एक आम के पेड़ से आम तोड़ने के लिए चढ़ा था। वह आम तोड़कर एक डाल से दूसरी डाल पर जा रहा था। इसी क्रम में उसका हाथ फिसला और वह नीचे गिर गया। नीचे बांस की बल्ली से घर की बाउंड्री बनाई गई है। विक्रम ब्राउंड्री की बांस पर गिर गया, जिससे बांस उसके कंधे के आर-पार हो गई। उसकी चीख सुनकर लोग दौड़े। बांस को काटकर उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। फिलहाल विक्रम की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

टीएमएच में इलाजरत घायल

विश्वस्तरीय धर्म महासम्मेलन में सम्मानित हुए शहर के आनंदमार्गी

JAMSHEDPUR : बंगाल के पुरुलिया स्थित आनंद नगर में विश्व स्तरीय धर्म महासम्मेलन हो रहा है। यहां शहर के आनंदमार्गी सम्मानित किए गए। इनमें सुनील आनंद को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार एवं सेवा कार्यों के लिए विशेष पुरस्कार से पुरोधा प्रमुख आचार्य विश्वदेवानंद अवधूत ने सम्मानित किया। इनके अलावा शहर से श्रेष्ठ भुक्ति प्रधान सुधीर आनंद, प्रचार कार्य के लिए लाल बिहारी आनंद, आशा देवी एवं सीताराम देव को भी सम्मानित किया गया।

भीषण गर्मी में लू से बचाव के लिए सतर्क रहें, बरतें सावधानी : डीसी

PHOTON NEWS JSR: मौसम विभाग द्वारा अगले 4 दिनों तक राज्य में कई जगहों पर भीषण हीट वेव चलने की संभावना जताई गई है। इसी के मद्देनजर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा जिलेवासियों से अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है। उन्होंने जिलावासियों से आह्वान किया कि गर्मी के मौसम में छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर लू से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि दिन में घर से बाहर निकलते समय सिर पर कपड़ा रखें। गर्मी के मौसम के चलते सूती कपड़ों का प्रयोग करें। दोपहर 12 से 3 बजे के बीच शारीरिक परिश्रम से बचें। ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं। बच्चों को धूप से बचाएं, घर पर उपचार के दौरान यदि सुधार नहीं होता है तो प्रभावित व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाएं। वाहनों के टैंक को पूरा न भरवाएं। उपायुक्त ने कहा कि दिनचर्या के दौरान कुछ सावधानियां रखने से लू के प्रकोप से बचा जा सकता है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों में ओआरएस पाउडर और अन्य आवश्यक दवा उपलब्ध है। गर्मी के कारण स्वास्थ्य पर बुरा असर हो सकता है जैसे पानी की कमी, उल्टी, तेज बुखार, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर, हदयाघात, मस्तिष्क घात, और कार्डियोवैस्कुलर समस्या। लिक्विड डायट का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें।

परसुडीह में लगी आग करीब 50 कंप्यूटर जले

JAMSHEDPUR : परसुडीह थाना क्षेत्र के चांदनी चौक स्थित कंप्यूटर की दुकान में सोमवार की रात करीब एक बजे अचानक आग लग गई। इससे दुकान और गोदाम में रखे करीब 50 कंप्यूटर जल गए। दुकान के मालिक अभय तिवारी का कहना है कि दुकान के नीचे ही उनका मकान है। आधी रात को ही दुकान को बंद किया था। वे लोग घर में बातचीत कर ही रहे थे कि इसी बीच अचानक धुआं उठने की गंध मिली। बाहर निकलकर देखा तो आग की लपटें बाहर आ रही थीं। इसके बाद घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड कार्यालय को दी गई। दो दमकल ने आग पर काबू पाया। उधर, बिष्टुपुर में एसबीआई लाइफ के कार्यालय में लगे एसी के आउटर में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई, जिससे अफरातफरी मच गई। बिल्डिंग के बाहर मौजूद लोगों ने अग्निशमन विभाग को जानकारी दी, जिसके बाद टाटा स्टील के दो दमकल ने आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

एक्सएलआरआई में एडमिशन का बदला ट्रेंड, पहले ज्यादातर इंजीनियरिंग के छात्र लेते थे मैनेजमेंट कोर्स में दाखिला

एचआरएम में 50 प्रतिशत नॉन इंजीनियरिंग छात्रों का एडमिशन

- एक्सएलआरआई में नया शैक्षणिक सत्र 2024-26 शुरू, 551 विद्यार्थियों के परिचय सत्र का आयोजन

नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत करते हुए एक्सएलआरआई के शिक्षक व पदाधिकारी

कोर्स	कुल विद्यार्थी	महिला	पुरुष	इंजीनियरिंग बैकग्राउंड
पीजीडीएम (बीएम)	236	31%	69%	55%
पीजीडीएम (एचआरएम)	180	59%	41%	50%
पीजीडीएम (जीएम)	112	30%	70%	79%

PHOTON NEWS JSR: एक्सएलआरआई-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में एडमिशन का ट्रेंड बदला है। दो साल के मैनेजमेंट के कोर्स में अब तक इंजीनियरों का दबदबा रहता था। लेकिन इस बार बिजनेस मैनेजमेंट के साथ ही ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में भी ये मिथक टूटी है। सत्र 2024-2026 में मैनेजमेंट ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में 50 प्रतिशत विद्यार्थी इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के हैं, लेकिन पहली बार संस्थान में 50 प्रतिशत नॉन इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के विद्यार्थियों को भी एडमिशन मिल सका है। हालांकि बिजनेस मैनेजमेंट में कुल 55 प्रतिशत इंजीनियरिंग जबकि 45 प्रतिशत नॉन इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के विद्यार्थियों का चयन किया गया है। ये बातें एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में नये शैक्षणिक सत्र 2022-2024 के उद्घाटन सत्र शुरू होने के मौके पर उभर कर सामने आयी। एक्सएलआरआई में सोमवार से नये सत्र की शुरुआत की गयी। जिसमें बिजनेस मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के साथ ही एफपीएम समेत अन्य कोर्सों में एडमिशन लेने वाले सभी 551 बच्चों के साथ ही उनके माता-पिता, संस्थान के डायरेक्टर, डीन, 70 शिक्षकों के साथ ही गैर शैक्षणिक कर्मचारी भी मौजूद थे। एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज एसजे, डीन एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंस फादर डोनाल्ड डी सिल्वा एसजे, डीन एकेडमिक्स प्रो. संजय पात्रो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। डीन एकेडमिक्स प्रो. संजय पात्रो ने जहां स्वागत भाषण दिया वहीं डीन एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंस फादर डोनाल्ड डी सिल्वा एसजे ने प्रार्थना की। मौके पर सभी छात्रों को एक्सएलआरआई जमशेदपुर परिवार में स्वागत किया गया, साथ ही सभी प्रोफेसरों से मिलवाया गया। डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज एसजे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज से आप सभी एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं। उन्होंने सभी से सत्य और ज्ञान के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया। कहा कि सत्य प्रकाश के रूप में आता है, अपने भीतर एक दीपक जलाएं और उत्कृष्टता का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि एक्सएलआरआई एक जुनून है और आपने इस यात्रा का हिस्सा बनकर अपने लिए सही चुनाव किया है। इस दौरान बताया गया कि एक्सएलआरआई ने हमेशा लिंगानुपात पर बल दिया है। भारत में मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाली कई पहली महिलाएं एक्सएलआरआई से हैं। एक्सएलआरआई मजबूत मूल्यों के साथ एक जेसुइट संस्थान होने के नाते, न केवल महिलाओं को बहुत सम्मान देता है, बल्कि उन्हें सुरक्षित और सशक्त भी महसूस कराता है।

टैंडम पुश-अप के रिकॉर्डधारी को सीजीपीसी ने किया सम्मानित

- लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा चुके मनदीप-बलदीप

PHOTON NEWS JSR: सीजीपीसी ने आदित्यपुर निवासी दो सिख भाई मनदीप सिंह और बलदीप सिंह को सम्मानित किया है। दोनों भाई टैंडम पुश-अप (दो लोगों द्वारा एक साथ किए जाने वाले स्पोर्ट्स) में लिम्का बुक्स ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करा चुके हैं। सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (सीजीपीसी) ने दोनों भाई का साकची स्थित कार्यालय में शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह और झारखंड राज्य गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सरदार शैलेंद्र सिंह ने दोनों भाई के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनसे अन्य युवाओं को प्रेरित करने का अनुरोध किया है। इस मौके पर अमरजीत सिंह, सुखदेव सिंह बिट्टू, परविंदर सिंह सोहल, हरदीप सिंह छनिया समेत दोनों भाई के माता-पिता सुरेंदर सिंह व सतवंत कौर भी मौजूद थे। गौरतलब है कि आदित्यपुर निवासी 'सिंह ब्रदर्स' के नाम से मशहूर सरदार सुरेंदर सिंह और बीबी सतवंत कौर के दोनों सुपुत्र सरदार मनदीप सिंह और बलदीप सिंह ने अनोखा रिकॉर्ड बनाते हुए टैंडम पुश-अप के क्षेत्र में अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड के अलावा इंटरनेशनल बुक्स ऑफ रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज कराया है।

5 घंटे तक तक जारी रहा प्रोटेस्ट, DSW -एग्जाम
कंट्रोलर के आश्वासन के बाद शांत हुआ मामला

पूर्णिया। पूर्णिया विश्विद्यालय में आज का दिन हंगामे भरा रहा। विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालय में तालाबंदी कर दी और जमकर प्रदर्शन किया। एबीवीपी ने विश्विद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विश्वविद्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों को कैंपस से बाहर कर दिया। प्रदर्शन 5 घंटे तक चलता रहा। आखिर में डीएसडब्ल्यू और परीक्षा नियंत्रक के आश्वासन के बाद एबीवीपी का प्रदर्शन शांत हुआ। लाइब्रेरी में लाइट और बैठने की हो व्यवस्था अपनी बात रखते हुए एबीवीपी के विश्वविद्यालय परिसर अध्यक्ष विकास कुमार और जिला संयोजक चंदन कुमार ने कहा कि हाल ही में पूर्णिया विश्वविद्यालय की दीक्षांत समारोह आयोजित होने जा रही है। इसके लिए छात्र-छात्राओं से 1500 लिए जा रहे हैं। इसके बदले छात्र-छात्राओं को क्या दिया जा रहा है, इसका विवरण उनके बीच सार्वजनिक किया जाए। वहीं विश्वविद्यालय परिसर उपाध्यक्ष पवन कुमार ठाकुर ने कहा कि लाइब्रेरी केवल नाम के लिए रह गई है, यहां बैठने तक की व्यवस्था नहीं है और एक भी कंप्यूटर चालू नहीं होने से कोई भी कार्य करने में दिक्कत हो रहा है। वहीं लाइब्रेरी में लाइट और बैठने की व्यवस्था की जाए। बिजली की व्यवस्था खराब होने के कारण परीक्षा विभाग में बहुत से कार्य बाधित हो जाते हैं। वाटर कूलर भी नहीं लगाया गया रितेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय से छात्र-छात्राओं को वहां से बैरंग लौटना पड़ता है। ऐसे में परीक्षा विभाग में तुरंत जनरेटर लगाया जाए। वहीं दूसरी ओर जल की व्यवस्था की जाए। अभी तक पूर्णिया विश्वविद्यालय के द्वारा तीन वाटर कूलर लिया गया है, लेकिन एक भी वाटर कूलर को लगाया नहीं गया है। जिसके चलते इस भीषण गर्मी में छात्र - छात्राएं पानी के लिए तरस रहे हैं।वही विश्वविद्यालय परिसर मंत्री अमित कुमार ने कहा कि बीएड कॉलेज में सीएलसी के नाम पर छात्राओं से अधिक शुल्क लेकर छात्राओं का दोहन किया जा रहा है। उसमें एकरूपता लाने के लिए विश्वविद्यालय अपने ओर से पहला करे। 24 घंटे के अंदर समाधान निकालने की मांग वहीं जिला स्वास्थ्य संयोजक राजा कुमार ने कहा कि छात्र-छात्राओं का परिचय पत्र सभी कॉलेजों में अनिवार्य किया जाए, जिससे कि अवैध रूप से जो लोग परिसर में घूमते हैं, उनका प्रवेश निषेध हो। परीक्षा विभाग में जो भी समस्याएं आए, उसको लेकर 24 घंटे में उसका निवारण किया जाए। वहीं पीजी विभाग में हर एक फ्लोर पर नॉन टीचिंग स्टाफ देना चाहिए, जिससे कि अगर कोई विभाग अध्यक्ष या प्रोफेसर नहीं रहेंगे उसकी जानकारी छात्र-छात्राओं को उनके द्वारा मिल जाएगी। विश्वविद्यालय और पीजी विभाग के सभी शौचालय की साफ सफाई कराई जाए। इस प्रदर्शन में एबीवीपी के विश्वविद्यालय परिसर के अन्य कार्यकर्ता रितेश कुमार, दिनकर कुमार,

शुभम कुमार, मनोज कुमार, सरवन कुमार, रोशन कश्यप, नितेश कुमार, बंटी कुमार, प्रवीण कुमार, आयुष राज आनंद आदित्य, कुमार हिमांशु, कुमार प्रियांशु चौधरी, हिमांशु कुमार प्रशांत कुमार, विराट सिंह राठौड़, आशीष कुमार, देवाशीष कुमार सभी उपस्थित रहे।

सहरसा के मत्स्यगंधा के पास बाइक सवार बदमाशों ने किया हमला, जांच में जुटी पुलिस

सहरसा। सहरसा में मंगलवार को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने एक फाइनेंस कर्मी पर चाकू से हमला कर दिया और 8 लाख 63 हजार रुपया लूट कर फरार हो गए। इस हमले में फाइनेंस कर्मी बुरी तरह से जख्मी हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई और जख्मी को सदर अस्पताल में भर्ती करया। यहां घायल का इलाज जारी है। घटना सदर थाना क्षेत्र के मत्स्यगंधा के पास की है। घटना को लेकर घायल फाइनेंस कर्मी राजनंदन कुमार ने बताया कि वह फाइनेंस कंपनी में काम करता है। इनका काम लोन देना और कलेक्शन करना है। वह आज अपने घर रहुआ तुलसियाही से कलेक्शन का पैसा बैग में रखकर आ रहा था। आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाश पीछे से आए और उस पर चाकू से हमला कर बैग में रखे 8 लाख 63 हजार रुपया लूट कर फरार हो गए। इस घटना को लेकर सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि आज तकरीबन 10 बजे एक सूचना मिली कि राजनंदन कुमार पिता महेंद्र मिस्त्री, जो रहुआ तुलसियाही के रहने वाले हैं।

यह स्मॉल फाइनेंस कंपनी में काम करते है। इनके साथ लूट की घटना हुई है। इन्हें घायल कर दिया है। प्रथम जानकारी मिली है कि कलेक्शन कर पैसा 10 दिनों से इन्होंने अपने घर पर रखा हुआ था। आज पैसा लेकर हकपाड़ा ऑफिस के लिए निकले थे। यहां रास्ते में इनके साथ लूट की घटना हो गयी है।

पुलिस सभी पॉइंट पर काम कर रही है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

फतुहा प्रखंड प्रमुख समेत 10 गिरफ्तार; राइफल और भारी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार बरामद

पटना। पटना पुलिस ने जेठुली गोलीकांड मामले में फतुहा प्रखंड प्रमुख रजनीश कुमार समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में कुणाल सिंह, पिंकू कुमार, सहेंद्र कुमार, संजीव कुमार, अनिरुद्ध कुमार, हरिमोहन राय, कुमार विशिष्ट नारायण, अजीत राम और रंगनाथ पांडेय शामिल हैं। इन गिरफ्तार लोगों के पास से 6 लाइसेंसी राइफल, 161 जिंदा कारतूस, 9 खोखा, 1 स्पोटिंग राइफल, 29 स्पोटिंग राइफल की गोली, एक दो नाली बंदूक, एक रिपीटर राइफल, एक पिस्टल, 13 मोबाइल और एक मारुति कार बरामद किया है। सोमवार को जेठुली गांव में बच्चा राय गुट की ओर से जमकर फायरिंग की गई थी। इस गोलीकांड से पहले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि 8 से 10 लोग हाथ में हथियार लेकर बीच सड़क पर लहरा रहे हैं। एसटीएफ की मदद से की गई गिरफ्तारी ग्रामीण एसपी रौशन ने बताया कि उमेश राय, बच्चा राय गांव में अपना वर्चस्व कायम करने को लेकर कुछ लोगों के साथ एक जगह जमा हुए थे। इनको देखकर दूसरे पक्ष के लोग भी आक्रोशित होकर जमा हो गए थे। फिर दोनों गुट के बीच पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसके बाद एक पक्ष की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। एसटीएफ की टीम और नदी थाने की पुलिस गांव में पहुंचकर घेराबंदी की और घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया। 74 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज ग्रामीण एसपी रौशन कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से 47 लोगों की पहचान की गई है। इन लोगों के खिलाफ FIR दर्ज कर ली गई है। 10 लोगों को गिरफ्तार किया है और बाकि लोगों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी की जा रही है। इसमें मुख्य आरोपी बच्चा राय और उमेश राय भी शामिल है। उन्होंने कहा कि बच्चा राय और उमेश राय हाल में ही जमानत पर जेल से बाहर आए हैं। पुलिस इन दोनों की जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट में अपील करेगी। जेल से बाहर निकले ही बच्चा राय ने की फायरिंग जेठुली गांव में 15 महीने पहले पार्किंग को लेकर उमेश राय और चनारिक राय के बीच विवाद हुआ था। इस विवाद में उमेश राय गुट के लोगों ने तीन लोगों को गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में उमेश राय के भाई बच्चा राय को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बच्चा राय बेल पर जेल से बाहर निकलकर गांव पहुंचा तो वर्चस्व कायम करने के लिए अपने साथियों के चनरिका राय के घर के आसपास ताबड़तोड़ फायरिंग की। हालांकि, इस गोलीबारी में किसी तरह की जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

वर्चस्व कामय करने के लिए फायरिंग घटना की सूचना मिलने के बाद कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी रौशन कुमार भी मौके पर पहुंचे। ग्रामीण एसपी रौशन कुमार ने बताया कि गोलीकांड में आरोपित पक्ष के कुछ लोग बेल पर छूट कर जेठुली गांव पहुंचे थे। आरोपी ने वर्चस्व कायम करने के लिए कुछ लोगों को इकट्ठा किया और गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। एसटीएफ की मदद से कार्रवाई करते हुए फतुहा प्रमुख रजनीश कुमार समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। 2023 में तीन लोगों की गई थी जान 8 मार्च 2023 को पार्किंग विवाद को लेकर जेठूली गांव में जमकर गोलीबारी हुई थी। इस दौरान पांच लोगों को गोली लगी थी, तीन लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना का वीडियो भी उस समय वायरल हुआ था। इस दौरान गौतम कुमार की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि रोशन कुमार और मुद्रिका राय की मौत इलाज के दौरान हो गई थी। इस घटना के मुख्य आरोपी उमेश राय गुट के लोगों ने 50 राउंड से अधिक गोलियां चलाई थीं। फिर दूसरे गुट के आक्रोशित लोगों ने आरोपी के घर, मैरिज हॉल और गाड़ियों को आगे के हवाले कर दिया था।

सीतामढ़ी में SDRF ने तीन शव को बाहर निकाला, एक की तलाश जारी

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई। सभी बच्चे मंगलवार को दोपहर में एक साथ बागमती नदी में नहाने गए थे। एसडीआरएफ की टीम ने तीन बच्चों के शव को बाहर निकाल लिया गया है। वहीं, एक बच्चे की तलाश अभी जारी है। घटना जिले के सुप्पी प्रखंड के अख्ता गांव की है। सभी बच्चे इसी गांव के है। घटना की सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने तीन बच्चों के शव को नदी से बाहर निकाल लिया है। जबकि, चौथे की तलाश जारी है। दो बच्चों को बचाने में दो अन्य डूबे मिली जानकारी के अनुसार चारों बच्चे एक साथ अपने अन्य साथियों को लेकर नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान दो बच्चे डूबने लगे। इन्हें बचाने के लिए दो अन्य बच्चे भी गए। इसी क्रम में चारों डूबने लगे। वहां मौजूद अन्य बच्चे मदद के लिए हल्ला करने लगे। शोर गुल होने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लेकिन, तब तक सभी बच्चे नदी डूब चुके थे। ग्रामीणों ने एसडीआरएफ की टीम और थाना को घटना की सूचना दी। सूचना पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। अभी तक तीन शव ही बरामद किया गया है। वही, एक शव की तलाश जारी है। गांव में पसरा सन्नाटा हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक अमित कुमार टुन्ना ने बताया कि पीड़ित परिवार को सभी तरह की सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। फिलहाल, उन्हें निजी कोष से राहत सामग्री उपलब्ध कराया जा रहा है। घटना के बाद से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

वैशाली में राजद नेता का दिखा अनोखा अंदाज, लोगों ने बताया गरीबों का मसीहा

हाजीपुर (वैशाली)। वैशाली के भगवानपुर में मंगलवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का 77वां जन्म दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। राजद नेता केदार प्रसाद यादव ने कार्यकताओं के साथ घोड़े पर केक रखकर सीढ़ी के सहारे केक को काटा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने घोड़े को सजाया भी था। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव गरीबों के मसीहा है। भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनकी उम्र और लंबी हो। वह स्वस्थ रहें और करोड़ों गरीबों की दुआ उनको मिलते रहें। कार्यकताओं ने काफी जोश और उमंग के साथ आज उनका जन्म दिवस मनाया है। मालूम हो कि केदार प्रसाद यादव राजद के काफी पुराने नेता है। चर्चा में बने रहने के लिए वह लगातार कुछ न कुछ करते रहते है। वहीं पिछले साल भैंस पर सवार होकर लालू प्रसाद यादव का जन्म दिन मनाया था और भैंस पर बैठकर ही केक को काटा था। वह विडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसके अलावा जेसीबी मशीन पर चढ़कर भी केक काटते दिख चुके है।

संक्षिप्त डायरी

नकली सिलेबस, सैंपल क्वेश्चन पेपर्स के खिलाफ चेतावनी दी

पटना। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने छात्रों को सैंपल क्वेश्चन पेपर्स, सिलेबस और सीबीएसई रिसोर्स को लेकर सावधान किया है। दरअसल, सीबीएसई गतिविधियों से जुड़ी भ्रामक जानकारी विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल और वेबसाइट द्वारा फैलाई जा रही है। इसे लेकर CBSE ने एक एडवाइजरी जारी की है। सीबीएसई ने अपने संसाधनों के बारे में पुराने लिंक और फर्जी खबरें फैलाने वाले ऑनलाइन पोर्टलों के झांसे में न आने की चेतावनी दी है। CBSE ने अपने एडवाइजरी में लिखा, यह हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ ऑनलाइन पोर्टल और वेबसाइट सैंपल क्वेश्चन पेपर्स, सिलेबस और सीबीएसई रिसोर्स और एक्टिविटी से संबंधित पुराने लिंक और असत्यापित समाचार प्रसारित कर रहे हैं। ये लिंक और समाचार सत्र 2024-25 के लिए अपडेटेड जानकारी प्रदान करने का झूठा दावा करते हैं। हम इस बात पर जोर देना चाहते हैं कि अनधिकृत स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी भ्रामक हो सकती है और स्कूलों, छात्रों, अभिभावकों और अन्य हितधारकों के बीच अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकती है।

घर के बाहर दोस्तों के संग खेल रहा था मासूम, इलाज के दौरान गई जान

पूर्णिया। घर के बाहर खेल रहे 10 साल के बच्चे को ट्रैक्टर ने कुचल दिया। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर जुटे। बच्चे की नाजुक हालत को देखते हुए आनन-फानन में मासूम को पूर्णिया में एडमिट कराया गया। यहां इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद से गांव में सन्नाटा पसरा है। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लोगों ने ट्रैक्टर और चालक दोनोंएल को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। पूरा मामला कोढा थाना के मुसापुर गांव की है।मृतक की पहचान कटिहार जिले के कोढा थाना के मुसापुर गांव निवासी मो जाबिर के बेटे मो. शादिक (10) के रूप में हुई है। घर के बाहर खेल रहा था मासूम घटना की जानकारी देते हुए मृतक बच्चे के परिजनों ने बताया कि बच्चा घर के सामने दोस्तों के साथ खेल रहा था। तभी ट्रैक्टर चालक ने अपना संतुलन खो दिया और फिर तेज रफ्तार ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गई। जिसके बाद घर के बाहर खेल रहे मासूम को ट्रैक्टर ने कुचल दिया। घटना के फौरन बाद परिजन और स्थानीय मौके पर जुटे, जिसके बाद बच्चे की नाजुक हालत को देखते हुए उसे जीएमसीएच पूर्णिया में एडमिट कराया गया। जहां इलाज के क्रम में बच्चे की मौत हो गई। चालक को किया पुलिस के हवाले ग्रामीणों ने ट्रैक्टर और चालक दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया है। वहीं, मौत के बाद परिवार वालों को रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि काफी घनी बस्ती है। सड़क के दोनों तरफ लोगों का घर है। चालक तेज रफ्तार मे वाहन चलाते हैं, जिससे अक्सर गांव के लोग सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

कैमूर के दतियांव मोड़ की घटना, चालक फरार

कैमूर। कैमूर के भभुआ थाना क्षेत्र के दतियांव मोड़ के पास ई-रिक्शा और टेंपो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इससे ई-रिक्शा में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए स्थानीय ग्रामीण सदर अस्पताल भभुआ लेकर आए है । यहां चिकित्सकों की देख-रेख में उपचार चल रहा है। टक्कर मारने के बाद टेंपो चालक अपना वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर सदर अस्पताल भभुआ पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करने के लिए कागजी कार्रवाई करने के बाद सदर अस्पताल में भेजवा दिया है। मृतक अपनी मां का पेंशन का पैसा निकालने के लिए दतियांव गए थे। वहीं, घायल सैदरा गांव निवासी ज्यूत बिंद के बेटे गणपत कुमार और मोकरी गांव की शिक्षिका साजिदा खातून बताई जा रही है। मामले की जांच में जुटी पुलिस ग्रामीण की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ की है और पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

RJD ऑफिस में नेताओं ने केक काटा, उनकी लंबी उम्र की कामना की

गोपालगंज। गोपालगंज में RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का आज 77वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया जा रहा है। उनके पैतृक जिला गोपालगंज में भी जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह के आवासीय कार्यालय पर राजद नेताओं ने केक काट कर उनका बर्थडे मनाया। साथ ही उनके लंबी उम्र की कामना की। इस दौरान राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह समेत कई राजद नेता शामिल हुए। दरअसल, इस मामले में जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि भारत के राजनीतिक इतिहास में एक अग्रणी नेता के रूप में लालू प्रसाद यादव का योगदान अतुलनीय रहा है। वे सदैव गरीब, शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों की आवाज रहे हैं। उनकी लोकलुभावन शैली और जनहितैषी नीतियों ने उन्हें जनता का नायक बना दिया है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में लाए गए विकास कार्यक्रमों और जनकल्याणकारी योजनाओं ने लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। वे हर पल जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास करते रहे हैं।

निगरानी ने 15 हजार लेते पकड़ा, गिरफ्तारी के लिए सीओ के भाई से मांगी थी रिश्वत

बेगूसराय। बेगूसराय के भगवानपुर थाना में पदस्थापित एसआई विनीत कुमार झा को 15 हजार रुपए घूस लेते विजिलेंस ने पकड़ा था। एसआई ने लूटपाट और मारपीट मामले में गिरफ्तारी के लिए सीओ के भाई से रिश्वत मांगी थी। जुलाई से देश में नई भारतीय दंड संहिता लागू हो रही है। इसके लिए ट्रेनिंग चल रही है। विभागीय सूत्रों के अनुसार सोमवार को प्रशिक्षण के पहले दिन विनीत कुमार झा शामिल हुए थे। जिसमें उन्हें बताया गया था कि पुलिस सेवा कितनी जिम्मेदारी का काम है। जनता की रक्षा हमें कैसे करनी चाहिए। दिनभर की ट्रेनिंग लेने के बाद वे 6 बजे शाम में भगवानपुर निकले और सबसे पहला काम घूस लेने का किया। पीड़ित सौरभ कुमार ने जैसे ही रुपए दिए निगरानी की टीम पहुंच गई और एसआई को पकड़ लिया। गाड़ी में बैठाने के दौरान एसआई ने धक्का-मुक्की भी की। इस दौरान एसआई का बैच गिर गया। बेगूसराय की सीमा से बाहर ले जाकर की पूछताछ शायद यह पहला मौका था जब विजिलेंस की टीम ने गिरफ्तार करने के बाद आरोपी को जिला मुख्यालय नहीं लाया। बेगूसराय जिले की सीमा में विजिलेंस की गाड़ी कहीं नहीं रुकी। डीएसपी अरुणोदय पांडेय के नेतृत्व में विजिलेंस की टीम उसे लेकर सीधा बेगूसराय की सीमा से बाहर ले गई। मोकामा के आसपास गाड़ी रोककर उससे पूछताछ की गई। साथ में पीड़ित पक्ष भी था, उससे भी पूरी जानकारी ली गई। जिसमें स्पष्ट हो गया कि लूट और मारपीट करने वालों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। गिरफ्तारी के लिए रुपए मांगे गए थे। जिसके बाद पीड़ित पक्ष ने विजिलेंस की टीम से संपर्क किया। इस मामले में थानाध्यक्ष की चुप्पी साध रखी है। गिरफ्तारी के बाद थानाध्यक्ष फोन भी रिसीव नहीं कर रहे हैं। अपराधियों ने मारपीट कर पांच लाख रंगदारी मांगी थी पीड़ित सौरभ कुमार ने कहा कि हम लोगों ने लूट-पाट और मारपीट का आवेदन दिया था। इसमें सब इंस्पेक्टर विनीत कुमार झा आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए 15000 बार-बार मांग रहे थे। परेशान होकर विजिलेंस को सूचना दी, इसके बाद जांच में मामला सही पाए जाने पर घूस मांगने वाले को गिरफ्तार किया गया। सौरभ ने बताया कि 7 मई को मैं अपने घर पर था। इसी दौरान स्थानीय अंकित कुमार उर्फ डॉन, विकास कुमार उर्फ लाल जी, अकहा निवासी हिमांशु कुमार, प्रियांशु कुमार और दलसिंहसराय निवासी मुकुल कुमार लाठी-डंडा और हथियार से लैस होकर मेरे घर पर आए। गाली-गलौज करते हुए धमकाने लगे। आरोपियों ने 15 दिन पहले धमकी दी थी कि चैन से रहना है तो रंगदारी 5,00,000 देना होगा। मेरे भाई मकसूदन चौरसिया रोहतास में अंचलाधिकारी हैं। मारपीट कर हमें अधमरा कर दिया था सौरभ ने कहा कि हम लोगों ने लाठी-डंडा से मारपीट कर अधमरा कर दिया। पिता जी बचाने आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। हम लोगों को बचाने के लिए मां 25000 लेकर आई और देने लगी तो उन लोगों ने मां को भी धक्का दे दिया। रुपया और मंगलसूत्र छीन लिया। फ्रिज, स्कूटी और बक्सा में तोड़फोड़ किया गया। घर में रखे जरूरी कागजात और जेवर लेकर भाग गए। जनवरी में भी अंकित कुमार ने हम लोगों के साथ मारपीट की थी। जिसकी प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। फिर घटना हुई तो केस के आईओ विनीत कुमार झा गिरफ्तार नहीं कर रहे थे। एक तो बदमाशों ने मारपीट और लूटपाट करते हुए रंगदारी मांगी थी। ऊपर से थाना की पुलिस रक्षा करने के बदले पैसा मांग रही थी, मजबूरी में ऐसा करना पड़ा। पीड़ित ने निगरानी में आवेदन दिया था विजिलेंस विभाग के डीएसपी अरुणोदय पांडेय ने बताया कि भगवानपुर थाना क्षेत्र के संजात निवासी रामाशीष चौरसिया के पुत्र ने सौरभ कुमार ने निगरानी में आवेदन दिया था। जिसमें लिखा था कि भगवानपुर थाना में मारपीट और छिनतई का FIR 126/24 कराई थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आईओ विनीत कुमार झा ने 15,000 की मांग की थी। निगरानी ने इसका सत्यापन कराया।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पर्यावरण एवं स्वास्थ्य को निगलते रासायनिक उर्वरक

उर्वरक भारत में कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण आदानों में से एक है। कुल उर्वरक खपत के मामले में भारत दुनिया में दूसरे और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) देशों में पहले स्थान पर है। उर्वरक वितरण और उपयोग से संबंधित सरकारी नीतियों में बदलाव ने पोषक तत्व उपयोग अनुपात को काफी प्रभावित किया है। उर्वरक पोषक तत्वों का अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग या असंतुलित उपयोग पर्यावरणीय गिरावट और जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहा है। असंतुलित उर्वरक उपयोग के मिश्रित हानिकारक प्रभाव न केवल मिट्टी और वायुमंडलीय प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं, बल्कि जल निकायों (यूट्रोफिकेशन) को भी प्रभावित कर रहे हैं और जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण प्रदूषण होता है क्योंकि उनकी अवशिष्ट और अप्रयुक्त मात्रा हवा, पानी और मिट्टी के लिए प्रदूषक बन जाएगी। यह जल निकायों में यूट्रोफिकेशन की प्रक्रिया भी शुरू करता है, जिससे मिट्टी के माइक्रोफ्लोरा को मारकर मिट्टी की गुणवत्ता कम हो जाती है, आदि। उर्वरकों के अधिक प्रयोग से मिट्टी की अम्लता भी बढ़ती है। उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र को भी परेशान करता है जो अंततः मिट्टी की उत्पादकता को बाधित करता है। रासायनिक उर्वरकों के अपने उपयोग हैं, लेकिन उनके छुपे खतरे भी हैं। चाहे खेत में या लॉन में उपयोग किया जाए, पौधों को बढ़ने में मदद करने के लिए जितना उपयोग किया जा सकता है उससे अधिक लगाने से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को नुकसान होता है। चूँकि रासायनिक उर्वरकों से होने वाली क्षति अक्सर दीर्घकालिक और संचयी होती है, इसलिए मिट्टी को उर्वरित करने के वैकल्पिक और टिकाऊ तरीकों पर विचार करना बुद्धिमानी हो सकती है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से पर्यावरण संबंधी समस्याएं खराब हैं, और उन्हें हल करने में कई साल लगेंगे। हालाँकि, रासायनिक उर्वरकों से एक तात्कालिक चिंता मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर है। कम से कम, रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करके उत्पादित खाद्य फसलें उतनी पौष्टिक नहीं हो सकती हैं जितनी होनी चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि रासायनिक उर्वरक पौधों के स्वास्थ्य के लिए तेजी से विकास करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी फसलें होती हैं जिनका पोषण मूल्य कम होता है । पौधे एनपीके से थोड़े अधिक पर बढ़ेंगे, लेकिन उनमें कैल्शियम, जिंक और आयरन जैसे आवश्यक पोषक तत्व नहीं होंगे या कम विकसित होंगे। इसका उपभोग करने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है। सबसे खराब स्थिति में, रासायनिक उर्वरक वयस्कों और बच्चों में कैंसर के विकास के जोखिम को बढ़ा सकते हैं और भ्रूण के मस्तिष्क के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। वर्तमान में पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए उर्वरक के उपयोग में संतुलन की आवश्यकता महती आवश्यकता है। किसानों को उर्वरकों के उपयोग की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करें, जिसमें सही मात्रा, समय और उपयोग की तकनीकें शामिल हैं। जो किसान अधिक ज्ञान प्राप्त करेंगे वे निर्णय लेने में बेहतर ढंग से सुसज्जित होंगे। लक्षित सब्सिडी कार्यक्रमों को लागू करें जो छोटे और हाशिए पर रहने वाले किसानों को समर्थन देने पर केंद्रित हों जो वित्तीय बाधाओं का सामना कर रहें हैं। यह सुनिश्चित करता है कि सब्सिडी उन लोगों को दी जाए जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। विशेष फसल और मिट्टी की आवश्यकताओं के आधार पर उर्वरक के उपयोग को अधिकतम करने के लिए, मिट्टी परीक्षण और पोषक तत्व प्रबंधन रणनीतियों जैसी सटीक कृषि तकनीकों के कार्यान्वयन को बढ़ावा दें। इससे पर्यावरण और उपयोग पर नकारात्मक प्रभाव कम हो जाता है। जैविक खेती के तरीकों को प्रोत्साहित करें जो प्राकृतिक रूप से मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाते हैं और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता को कम करते हैं। इससे जैव विविधता और मृदा स्वास्थ्य को लाभ हो सकता है। पोषक तत्व-कुशल और पर्यावरण के अनुकूल उर्वरकों के उपयोग को बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान और विकास निवेश करें। पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव को कम करने वाले विकल्पों की जांच करना इसका हिस्सा है। उर्वरक सब्सिडी नीतियों में सुधार करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे कुशल और पारदर्शी हों और अति प्रयोग को प्रोत्साहित न करें। पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी प्रणाली की ओर बढ़ने पर विचार करें जो सामान्य उर्वरकों के बजाय विशिष्ट पोषक तत्वों के अनुप्रयोग का समर्थन करने पर केंद्रित है। आईएनएम तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा दें, जो जैविक और अकार्बनिक दोनों स्रोतों से पोषण इनपुट को जोड़ती हैं। यह रणनीति मिट्टी की उर्वरता बनाए रखते हुए पर्यावरण पर इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करती है। कीटों और बीमारियों के चक्र को बाधित करने और निरंतर उच्च उर्वरक इनपुट की आवश्यकता को कम करने के लिए फसल चक्र और विविधीकरण को प्रोत्साहित करें। कृषि पारिस्थितिकी प्रथाओं के माध्यम से कृषि प्रणालियों में पारिस्थितिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग को प्रोत्साहित और समर्थन करना जो बाहरी इनपुट पर निर्भरता को कम करता है और स्थिरता पर जोर देता है। सामुदायिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में किसानों को शामिल करके सुनिश्चित करें कि नीतियां स्थानीय समुदायों की जरूरतों और वास्तविकता को प्रतिबिंबित करें।

वित्तीय वर्ष 2023-24 भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ

ANALYSIS

✍ प्रहलाद सबनानी

> भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5.2 प्रतिशत, जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0.3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रांस की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0.9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है।

हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास से सम्बंधित आंकड़े जारी किये गए हैं। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5.2 प्रतिशत, जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0.3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रांस की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0.9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है, वहीं भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है। 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर को देखते हुए अब तो ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2027 तक जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

निश्चित ही बन जाएगा। विनिर्माण, खनन, भवन निर्माण एवं सेवा क्षेत्र, यह चार क्षेत्र ऐसे हैं जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद को तेजी से आगे बढ़ाने में अपना विशेष योगदान देते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो पा रहा है। वास्तविक सकल मान अभिवृद्धि के आधार पर, वित्तीय वर्ष 2023-24 की चतुर्थ तिमाही में विनिर्माण के क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी थी। इसी प्रकार, खनन के क्षेत्र में भी इस वर्ष की चतुर्थ तिमाही में वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.9 प्रतिशत की रही थी। भवन निर्माण के क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत की रही थी। नागरिक प्रशासन, सुरक्षा एवं अन्य सेवाओं के क्षेत्र में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में 7.3 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष चौथी तिमाही में 7.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। परंतु, कृषि, सेवा एवं वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में कुछ कम रही है। वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में लगातार कम हो रही वृद्धि दर के बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि दर का होना यह दशार्ता है कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आ रही परेशानियों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं के बराबर हो रहा है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर तेज गति से आर्थिक वृद्धि करने में सफल हो रही है। परंतु, भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन पर, आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे, हाल ही के समय में भारत में निजी खपत नहीं बढ़ पा रही है और यह 4 प्रतिशत की दर पर ही टिकी हुई है। साथ ही, निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश भी नहीं बढ़ पा रहा है। भारत में निजी खपत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत है। यदि सकल घरेलू उत्पाद के इतने बड़े हिस्से में वृद्धि नहीं होगी अथवा कम वृद्धि दर होगी तो देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत में निजी खपत इसलिए भी नहीं बढ़ पा रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में घरेलू देयताएं सकल घरेलू उत्पाद के 5.7 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गईं हैं एवं बचत की दर भी सकल घरेलू उत्पाद के 5.2 प्रतिशत पर अपने निचले स्तर पर आ गई है, जो 10 वर्ष पूर्व 7 प्रतिशत से अधिक थी। वहीं दूसरी ओर, दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रांस एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवा स्थान हासिल कर लिया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, केवल दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया और अब यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवे स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कुछ समय पश्चात ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण जापान शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

लेखक, आर्थिक विश्लेषक हैं।

भाजपा जानती है गठबंधन सरकार का धर्म

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने रविवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद अपना कामकाज संभाल लिया है। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय जनता पार्टी गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेगी। वास्तव में, भाजपा की पहली सरकार, जो 1996 में गठित हुई थी, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एक गठबंधन की सफल प्रयोग वाली सरकार थी। भले ही वह केवल 13 दिन चली। अटल जी 1998 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में पुनः वापस आए थे। इसलिए यह कहना सरासर गलत होगा कि भाजपा को गठबंधन सरकारों का नेतृत्व करने का अनुभव नहीं है। भाजपा को 2014 में 283 और 2019 में 303 सीटें मिली थीं। उन जीतों में मोदी जी की सबसे अहम भूमिका रही थी। लेकिन, पूर्ण बहुमत के बाद भी मोदी जी ने गठबंधन का धर्म निभाया । हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 240 सीटें जीतीं- बहुमत से 32 कम। यह तय मानिए कि जो विकास का पहिया 2014 में घूमना शुरू हुआ था, वह अब गठबंधन सरकार के दौर में भी आगे बढ़ता ही रहेगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में 14 पार्टियां शामिल हैं। उसमें भाजपा को 240 सीटों पर विजय मिली और शेष 53 सीटें हासिल कीं, उसकी सहयोगी दलों ने। अगर हम गुजरे दौर के पन्नों को खंगाले तो पता चलेगा कि कि भारत में सबसे पहले 1977-1979 गठबंधन सरकार बनी थी। कांग्रेस के 1977 में चुनाव हारने के बाद जनता पार्टी की सरकार देश में बनी थी। 1977 के चुनाव प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल की स्थिति लागू करने के लगभग दो साल बाद हुए थे। श्रीमती गांधी ने आपातकाल हटा दिया और जनवरी 1977 में अचानक चुनावों की घोषणा की। श्रीमती गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस को जनता पार्टी नामक कई पार्टियों के एक गठबंधन द्वारा हराया गया था, जिसमें भाजपा की पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ शामिल थी। जनता पार्टी को देश की जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला था। उस सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी विदेशमंत्री और लाल कृष्ण आडवाणी सूचना और प्रसारणमंत्री थे। उस सरकार में बाबू जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा, जॉर्ज फनार्डीज जैसे जननेता भी शामिल थे। बहरहाल, जनता पार्टी की उस चुनाव में जीत के बाद मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी सरकार दो साल तक चली। उसके बाद वैचारिक मतभेदों के कारण जनता पार्टी बिखर गई। मोरारजी देसाई सरकार में गृहमंत्री चरण सिंह को कैबिनेट से इस्तीफा देने के लिए कहा गया था। संयोग देखिए कि अब चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी उस एनडीए सरकार का हिस्सा हैं जिसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। बहरहाल, चरण सिंह 1979 में जनता पार्टी के बिखरे हुए समूहों के समर्थन और कांग्रेस के बाहरी समर्थन से प्रधानमंत्री बने। लेकिन चरण सिंह का प्रधानमंत्री का कार्यकाल केवल 23 दिन तक चला क्योंकि कांग्रेस अपना समर्थन वापस ले लिया, जिससे चरण सिंह को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस स्थिति के कारण देश में लोकसभा भंग करने के बाद 1980 में फिर चुनाव हुआ। इस बार इंदिरा गांधी सत्ता में वापस आ गईं। कांग्रेस ने 353 सीटें जीतीं। लोकसभा के 1989 के चुनाव परिणाम भारत के लिए एक नये दौर को लेकर आए। यह पहली बार था जब राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस द्वारा 529 सीटों में से 197 जीतने के बाद किसी भी पार्टी या चुनाव पूर्व गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं किया था। इसके बाद विश्वनाथ प्रताप सिंह 1989 में भाजपा के समर्थन से प्रधानमंत्री बने। उनकी सरकार 1990 में गिर गई जब भाजपा ने अपना समर्थन वापस ले लिया , जब उस समय के सबसे बड़े नेता, लाल कृष्ण आडवाणी को अयोध्या में राम मंदिर बनाने के लिए आयोजित उनकी यात्रा के दौरान गिरफ्तार किया गया था।1989 से 2004 तक, छह आम चुनाव में एक भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। इनमें से कुछ गठबंधन विशेष रूप से अराजक रहे। 1989 और 1999 के बीच, आठ गठबंधन बनाए गए और कई जल्दी ही ढह गए। इस बीच, ये मानना होगा कि भारत के कुछ सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारों के समय ही आए। अटल बिहारी वाजपेयी, भाजपा के दिग्गज नेताओं में से एक रहे, जिन्होंने 1998 से 2004 तक एक सफल बहु-पार्टी गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया। अटल जी के प्रधानमंत्रित्वकाल में भारत में विदेशी निवेश बढ़ा, एक्सप्रेस-वे का निर्माण तेज हुआ। व्यापार बाधाओं को कम किया गया। देश में आईटी क्रांति का जन्म हुआ। उनके ही दौर में देश ने पोखरण का परमाणु परीक्षण किया, पाकिस्तान के साथ तनाव को कम किया और अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए। और अतीत में, सफल अल्पसंख्यक सरकारें और भी कम सीटों के साथ चलाई गई हैं। कांग्रेस 1991 में 232 सीटों के साथ और 2004 और 2009 में केवल 145 और 206 सीटों के साथ एक सफल अल्पसंख्यक सरकार चलाने में सक्षम कोशिश की थी। मैं मानता हूं कि मोदी जी जनता दल (यू) के नेता नीतीश कुमार और तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू जैसे तपे हुए नेताओं के सहयोग से देश को एक मेहनती और ईमानदार गठबंधन सरकार देने में सफल रहेंगे। उन्हें अपनी पार्टी के अनेक अनुभवी नेताओं का समर्थन और सहयोग तो मिलेगा ही। अब लोकसभ चुनाव के बाद केन्द्र में सरकार गठित हो गई है। अब इंडी गठबंधन को रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। उन्हें हर बात पर सरकार को कोसना छोड़ना होगा। रोज विधवा विलाप करने की आदत छोड़नी होगी । आप चुनाव प्राचर के समय तो कुछ भी बोलते हैं। पर चुनाव नतीजों के आने के बाद आपको अपनी बयानबाजी सोच-समझकर करनी होती है। हां, विपक्ष को सरकार को राष्ट्र हित के मसलों पर सजग करते रहना होगा। लोकतंत्र में वाद, विवाद, संवाद लगातार जारी रहना चाहिए। इसके बिना लोकतंत्र का कोई मतलब नहीं है। इसलिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर देश को विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में बढ़ना होगा। संसद के दोनों सदनों में भी स्वस्थ और सार्थक बहसें हो, यह देश देखना चाहता है। संसद में हंगामा और वॉकआउट ही नहीं होना चाहिए। नरेन्द्र मोदी ने अपनी पार्टी के पुराण पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी को गठबंधन सरकारों को चलाते हुए देखा है।

Social Media Corner

सच के हक में...

जैसे-जैसे हम इस वर्ष के योग दिवस के करीब आ रहे हैं, योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना और दूसरों को भी इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है। योग शांति का अभयारण्य प्रदान करता है, जो हमें शांति और धैर्य के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाता है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

हमारे पुलिस बलों के शहीदों को याद करते हुए जिन्होंने देश के सम्मान की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए और जिनकी बलिदान की गाथा ने देशभक्ति के उत्साह को हमेशा के लिए अमर कर दिया। राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर उनकी स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

सामाजिक न्याय व एकता के प्रतीक, गरीबों, शोषितों तथा वंचितों के लिए हमेशा संघर्षशील, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केन्द्रीय रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीघार्यु जीवन की कामना करता हूं।

(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

प्रशासन के संकल्प के विकसित भारत की यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 71 मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ तीसरी बार सरकार की यात्रा आरंभ की । सर्वाधिक आठ मंत्री उत्तर प्रदेश और पांच मंत्री मध्य प्रदेश से लिए गए हैं। मंत्रिमंडल के स्वरूप से लगता है कि मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में मंत्रियों को उनके विभागों और कार्यों का लक्ष्य दिया जायेगा जिससे भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी प्रशासन और विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके । मोदी सरकार में इस बार 30 कैबिनेट और 36 राज्यमंत्री बनाए गए हैं। पांच राज्यमंत्रियों ने स्वतंत्र प्रभार मंत्री के रूप में शपथ ली । इसमें देश के 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है । सामाजिक समूहों की दृष्टि से 27 ओबीसी, 10 एससी, 5 एसटी और पाँच अल्पसंख्यक हैं । वरिष्ठ मंत्रियों में पांच ऐसे हैं जो अपने अपने राज्यों में मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। इन कुल 71 मंत्रियों ग्यारह मंत्री सहयोगी दलों से लिए गए हैं। शेष सभी भाजपा से हैं। सहयोगी दलों के मंत्रियों में तीन सदस्य आंध्र से चन्द्रबाबू नायडू की तेलगू देशम पार्टी से और दो मंत्री बिहार से नीतीश कुमार की जेडीयू लिए गए हैं। पहले माना जा रहा था कि मोदी सरकार तेलगू देशम और जेडीयू के कुछ दबाव में रहेगी पर मंत्रिमंडल के स्वरूप में किसी दबाव की झलक नहीं दिखती। इसकी झलक एनडीए संसदीय दल की बैठक में तो मिली थी और इसकी पुष्टि इन दलों को मंत्रिमंडल में मिले स्थान से भी हुई । इससे स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार की जो प्राथमिकताएं निर्धारित की थीं वह उनपर दृढ़ता से आगे बढ़ेगी। इनमें सबसे प्रमुख ज्ञान का सम्मान अर्थात गरीब,युवा, किसान और महिलाओं की समृद्धि को प्राथमिकता देना, भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में आगे बढ़ना शामिल है । मंत्रिमंडल के इस स्वरूप से स्पष्ट है कि भले विपक्ष के हमले तेज हों पर भ्रष्टाचार मुक्ति के लिए ईडी, इनकम टैक्स आदि की कार्रवाई में कमी होने की संभावना नहीं लगती। एनडीए विशेषकर भाजपा को उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र में सीटों और वोटों का नुकसान हुआ है । इसकी भरपाई के लिए मंत्रियों को परिणाम मूलक रिजल्ट ओरिएंटेड लक्ष्य दिए जा सकते हैं। कम से कम उत्तर प्रदेश और राजस्थान से जो चेहरे लिए गए हैं उनसे यही झलक मिलती है । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी मंत्री बनाया गया है । इससे संकेत है कि भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए कोई नया चेहरा आएगा । इसके अतिरिक्त निर्मला सीतारमण ने भी शपथ ली । उन्होंने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था। इसलिए उन्हें किसी प्रांत से राज्यसभा में लिया जाएगा । मध्य प्रदेश से कुल पांच मंत्री लिए गए हैं। इनमें तीन कैबिनेट और दो राज्यमंत्री हैं। पिछले मंत्रिमंडल में भी मध्य प्रदेश से पांच मंत्री थे । इसबार भाजपा ने मध्य प्रदेश की की सभी 29 लोकसभा सीटें जीतीं हैं। इससे उम्मीद की जा रही थी की इसबार एकाध स्थान अधिक मिलेगा । लेकिन पांच ही स्थान मिले । पिछले कार्यकाल में केन्द्रीय मंत्री रहे नरेन्द्र सिंह तौमर और प्रह्लाद पटेल राज्य की राजनीति में और फग्गन सिंह कुलस्ते को इस बार अवसर नहीं मिला । मध्य प्रदेश से जो तीन नए चेहरे कैबिनेट में आए उनमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है । उन्हें वरिष्ठता में पांचवा स्थान मिला है । जबकि राज्यमंत्री के रूप में लिए गए दोनों चेहरे नए हैं। एक उर्मिला ठाकुर और श्री दुगार्दास उइके पहली बार संसद में पहुंचे हैं । मध्य प्रदेश के पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ की कुल ग्यारह में से भाजपा ने दस सीटें जीतीं हैं लेकिन वहां से केवल एक नए तोखन साहू को राज्य मंत्री बनाया गया है । भारतीय जनता पार्टी ने टिकट वितरण में कुछ नए प्रयोग किए । वैसा प्रयोग मंत्रिमंडल में भी है । मंत्रियों का चयन भाजपा से हो या अन्य दलों से उनके चयन में किसी भी प्रकार के दबाव की झलक नहीं मिलती।

रायबरेली में जीत के मायने

अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन में बेहतर सुधार हुआ है। इस बार चुनाव में रायबरेली से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नाम उत्तर प्रदेश में दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड भी दर्ज हुआ है। जीत के मामले में रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस को 'बालिग' बनाने का श्रेय भी राहुल गांधी को गया है। इस बार जीत के साथ रायबरेली देश की इकलौती लोकसभा सीट बन गई है, जहां कांग्रेस 18 बार चुनाव जीत चुकी है। इस जीत में 15 आम चुनाव और तीन उपचुनाव शामिल हैं। देश में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण मिलना मुश्किल है। रायबरेली के कांग्रेसियों के अनुरोध पर प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने दामाद और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पति फिरोज गांधी को 1952 में हुए देश के पहले आम चुनाव में प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ाया था। 1957 में दोबारा जीत दर्ज करने के बाद 1960 में फिरोज गांधी का असामयिक निधन हो गया। उनके निधन के बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस के टिकट पर राजेंद्र प्रताप सिंह जीते थे। लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन में 1962 में रायबरेली सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गई। कांग्रेस ने यहां से पूर्व सांसद बैजनाथ कुरील को चुनाव लड़ाया। उन्होंने जनसंघ की तारावती को हराकर कांग्रेस की जीत का रिकॉर्ड कायम रखा। 1967 में रायबरेली सीट सामान्य हो गई और इंदिरा गांधी ने पति की सीट को अपनी कर्मभूमि बनाया। 1967 और 1971 के दो चुनाव उन्होंने लगातार जीते।आपातकाल के बाद 1977 हुए चुनाव में राजनारायण के हाथों हार और 1980 में हुए मिडटर्म पोल में यहां बदला चुकाकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद खानदान के अरुण नेहरू और शीला कौल ने दो-दो बार कांग्रेस के टिकट पर रायबरेली की नुमाइंदगी की।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Use of violence to vent anger condemnable

A CISF constable, Kulwinder Kaur, slapped actor and MP-elect from Mandi, Kangana Ranaut, at the Chandigarh airport on June 6. While the CISF promptly (and rightly so) suspended Kulwinder and handed over the matter to the local police, polarised narratives almost instantly overtook the events.There were those who expressed support for Kulwinder, celebrating the act, offering her a job and suggesting that Kangana deserved violence because of the abhorrent statements that she had made about Sikhs, Punjab and the farmers' protest. On the other hand, there were the moderates, who rightly castigated what Kulwinder did as being contrary to the ethos of the uniform. And then, there were the not-so-moderate ones, who concluded that this was an act of terror and that Punjab was on the brink of secessionism by lazily correlating this incident with the election of Amritpal Singh and Sarabjeet Singh Khalsa. In short, the usual trope, devoid of reality, that has been peddled since the farmers' protest. Kangana, as if on cue, added her two bits of 'concern' and equated the incident with the 'rise of terrorism' in Punjab.

First things first — violence, for any reason whatsoever, is not acceptable. The use of violence to make a political statement is not okay. And violence by someone in uniform — who is sworn to protect the Constitution of India and all Indians alike — is not acceptable. Neither one's political beliefs and biases nor the actions of the recipient of violence should dictate how we feel about violence. There is no space for support to what Kulwinder did. There can be no justification for it and no ifs and buts or nuances associated with this position.Kangana's abhorrent remarks on Sikhs and Punjab during and after the farmers' protest do not justify an act of violence against her, and I say this as someone who has sparred with her and attracted the vitriol and abuse of her supporters. We cannot justify someone in uniform making a political statement on duty — whatever the provocation. This is a slippery slope, and what the meme makers, stand-up comics, artistes and others fail to realise is that they could also be on the receiving end of violence one day. We must not forget that it was only last year that a constable of the Railway Protection Force killed four persons aboard the Jaipur-Mumbai Superfast Express, and at least three of the victims were allegedly targeted by him on account of their religion.The uniform cannot be politicised, and if it is, it will lead to disastrous consequences. It would be incorrect to label the CISF an unprofessional force — which it is not — based on Kulwinder's unbecoming conduct, but it would be pertinent to also address the 'yeoman service' that some officers in the military and paramilitary forces have rendered to the politicisation of their offices. The rank and file observe their leaders. And if the leaders depart from their constitutional duties, join political events, make political statements in service and run as candidates of the ruling party immediately after demitting office, then politicisation will occur and manifest itself in different forms.But equating what Kulwinder did to an act of terror is highly objectionable and sinister. To constantly take every incident involving a Sikh or Punjabi and call into question their patriotism is no longer a laughing matter and must be unequivocally condemned. That it has been normalised is deeply concerning. It finds its genesis in the not-so-civil discourse that surrounded the farmers' agitation and the events thereafter.The right to protest in a democracy is fundamental and absolute, as is the right to oppose those who protest. Therefore, it was entirely within the growers' right to hold a stir against what they believed were unjust laws, and others are entitled to disagree with their cause. That the Government of India saw merit in their demands and ultimately repealed the laws is lost on various IT cells of political parties and trolls. Unfortunately, the discourse at the time reached the lowest of lows, and whoever protested or disagreed with the government was labelled an anti-national, a terrorist, an urban Naxal or a member of some fabled.

Political compulsions back in calculus

Agnipath scheme finds itself under scrutiny, but not for professional reasons

THE defining outcome of the 2024 General Election is that India will be governed by a genuine coalition, wherein the BJP, the single largest party, needs critical support from two allies, the JD(U) and the TDP. Hence, both the form and content of governance in Modi 3.0 will not be similar to that seen in the past decade.This shift has already come to the fore in the national security-military framework. The JD(U) has stated that a seemingly radical policy unveiled during Modi 2.0, the Agnipath scheme, needs to be reviewed. This scheme pertains to the induction of soldiers (Agniveers) into the military for a four-year period after a six-month training spell, and is a marked departure from the earlier model of pension and related benefits being provided to personnel below officer rank (PBOR) after 15 years of service.

In the run-up to the swearing-in ceremony, senior JD(U) leader KC Tyagi noted, "There is anger among certain sections on the Agnipath scheme. Our party wants those shortcomings removed." When the scheme was announced in mid-2022, there was considerable consternation in professional circles, for this decision appeared to have been taken by the PMO unilaterally. The military top brass was apparently not apprised of the fine print of the new scheme and nor was there a detailed discussion among parliamentarians.Gen MM Naravane, who was the Army Chief from December 2019 to April 2022, has provided a valuable insight in his yet-to-be-published memoir about the Agnipath scheme. He notes that while he had mooted the idea of a 'tour of duty' pilot scheme to induct soldiers for a short-term tenure, the PMO's formulation unveiled in 2022 had a sweeping scope and included all three services. The memoir adds: "We, in the Army, were taken by surprise by this turn of events, but for the Navy and the Air Force, it came like a bolt from the blue."In keeping with the tenets of a normative democracy, if the political leadership arrives at a policy decision, the military top brass has to comply, and this was the case with Agnipath. In hindsight, it is evident that budgetary considerations (saving on the pension bill) were the principal drivers for Modi 2.0 in pushing the scheme, and the impact on the combat efficiency of the military was a secondary consideration.

While the long-term efficacy and benefits to composite national security of the Agnipath scheme will be apparent after a decade or so, what the JD(U)'s demand has done is to bring political compulsions back into the military calculus. An alliance partner in a coalition government is compelling the BJP to review a policy initiative, but not for professional reasons. It is to assuage the anger and desperation among a large swathe of the youth in Bihar who have been denied what was an opportunity to don the uniform and have the security of a government pension. During the run-up to the Lok Sabha elections, Opposition parties led by the Congress and the Samajwadi Party had voiced their reservations about the military recruitment scheme.It is not a desirable sequence of events, wherein major national security decisions and policies are contested post facto. This could have been avoided if Modi 2.0 had engaged in consultative deliberations on the Agnipath scheme both within Parliament and with the military top brass before announcing it.

There is no denying that the Indian military and the higher defence management lattice are in dire need of a review and re-wiring. During Modi 1.0, there were four defence ministers and the only major decision taken was the grant of OROP (one rank, one pension) in November 2015, and it was welcomed. During his second term (2019-24), PM Modi took a bold and radical decision of creating the post of CDS (Chief of Defence Staff) and creating the DMA (Department of Military Affairs). Five years later, this re-organisation is still a work in progress.Parliamentary forms of government evolve their own template of governance and policy formulation. In India's case, each PM — from Nehru onwards — has made the PMO more powerful. But traditionally, deliberations within Parliament and, particularly, within the individual committees have played a valuable role in injecting transparency and allowing for both an objective review and consensus-building.

This is not the preferred model in Modi's book of governance. Hence, whether it pertains to the Agnipath scheme or the appointment of a retired three-star officer as a four-star CDS, the decisions were taken by the PMO in a peremptory manner. This augurs poorly for the long-term national security and the apolitical ethos of the military. Domestic political considerations and short-term electoral benefits have shaped internal security matters. The Manipur tragedy is a case in point.

Powerful PMs can lurch into grave policy blunders that irreparably degrade national security; the Nehru-Krishna Menon debacle should serve as a warning. It would be highly desirable for national security matters to be deliberated upon by legislators and within committees, and hasty decision-making avoided.

As Modi 3.0 begins, it would be useful if parliamentarians and domain experts are permitted to take an objective view of last decade's big-ticket changes and an assessment made about the current status of India's composite military capabilities. The BC Khanduri Parliamentary Committee report of 2017 regarding military inventory gaps could be a good starting point.

Agnipath apart, the focus on atmanirbharta (self-reliance) to reduce imports is much needed. The trigger for such a review must evolve from within the system and not be driven by political compulsions or a major security setback, like the Galwan clash of 2020.The most urgent task for Modi 3.0 is to appoint a new Army Chief before mid-June. One hopes that politics will not trump the time-tested principles that nurture institutional rectitude and integrity.

Long-delayed justice

Punjab ex-cops jailed for 1993 staged killing

IN a significant verdict on Friday, a CBI court in Mohali sentenced former Punjab Police DIG Dilbagh Singh to seven years of rigorous imprisonment and ex-DSP Gurbachan Singh to life imprisonment for their roles in the 1993 fake encounter killing of Gulshan Kumar, a fruit vendor. This case, a chilling reminder of the dark days of unbridled police brutality in Punjab, highlights the systemic lapses that had plagued the state. Extrajudicial killings, illegal detentions and staged encounters had become distressingly common. The details of this case are harrowing. On June 22, 1993, Gulshan, along with his father and brothers, was abducted by a police team led by Dilbagh and Gurbachan. While the others were released, Gulshan was kept in illegal custody for a month before being killed in a staged encounter. His body was cremated as

'unclaimed', a common practice then to cover up extrajudicial killings. The case, initially overlooked, was taken up by the CBI in 1995 on the Supreme Court's directive, culminating in the conviction nearly three decades later.

The law has at last been catching up with rogue cops. In September 2023, three ex-officers received the life sentence for the 1992 fake encounter killing of three youths. A year before that, a retired sub-inspector was sentenced to 10 years in another fake encounter of 1992. These cases reveal a pattern of grave misconduct and long-overdue comeuppance.The delivery of justice underscores the resilience of the victims' families amid numerous challenges, including the death of several accused during the trial and witness attrition. This is crucial for restoring faith in the rule of law and can serve as a deterrent against abuse of power.

Biased predictions to blame for exit poll fiasco

Would everyone feel comfortable telling an anonymous pollster what they really thought about voting, especially if their choice ran counter to the prevailing wind?

I have never been a fan of exit and opinion polls. Rather, I consistently say that we shouldn't treat them seriously; they should be regarded as game shows. Thus, I am not at all astonished by the exit poll fiasco in the just-concluded Lok Sabha elections.Usually, people are bewildered by the disparate predictions of exit polls. The uncertainty persists until the EVM votes are counted. But it was a different scenario this time. Nearly all exit polls got it wrong.These days, dozens of these polls are conducted by various organisations, with sample sizes ranging from a few thousand to a few lakh. I have heard that those conducting a recent exit poll claimed that its sample size was one crore! But how do the polls stand? How do the investigators question the voters? Unfortunately, I was never asked whom I would vote for or had voted for by an exit poll or opinion poll surveyor. I asked my acquaintances, and to my surprise — and regretfully — none of them were ever approached by a pollster. Overall, such a low-probability event might have happened to me by chance. However, how do pollsters make poll predictions worldwide? It's primarily a statistical task, for sure. One must choose a sample size that will keep the prediction within a predetermined error range, say 3 per cent. One requires a sampling frame, random sample selection and proportionate representation across society. And then one must appropriately analyse the data using some auxiliary information, such as the voter list or other demographic data.However, since the majority of the pollsters don't disclose information about their sampling frame, sampling technique and summary statistics across several margins, we are unable to determine where they make grave mistakes and how those mistakes accumulate to produce a blunder.

Ideally, an exit poll survey should be conducted on voters just leaving the polling booths, which ought to be chosen at random with appropriate weightage. Every fifth or 10th person in a chosen booth must be questioned about his or her vote; this is called 'systematic sampling'. The investigator has to decline if some overly enthusiastic people want to opine in between. Are our exit polls adhering to these standards? Do the investigators cover voters at different periods of the day? Do the pollsters visit sensitive booths in the right proportion or in the most remote areas of the country for their surveys? Usually, we don't know the answers to these questions. Only the estimated magic numbers are provided by the pollsters. To us, everything is merely an output from a black box, and we are unable to assess its quality.

What about sample sizes? The claim of a one-crore sample size by a polling organisation brought to mind a prediction made during the 1936 US presidential election by a reputed magazine, Literary Digest. The poll, which had a sample size of 24 lakh, showed that the Democratic candidate, incumbent President Franklin D Roosevelt, would receive only 43 per cent of the votes and the Republican nominee, Alfred Landon, would get 57 per cent. In reality, the outcome was even worse than the opposite: Landon received only 38 per cent of the votes, while Roosevelt got an overwhelming 62 per cent. A retrospective examination showed that the sample had a serious selection bias: the people chosen for this opinion poll were drawn from lists of magazine subscriptions, club memberships and telephone directories, all of which at the time were considered to be indicators of wealth. A significant non-response bias was also present in the sample; out of the one crore people the magazine approached for their opinions, only 24 per cent replied. However, this was an opinion poll survey. Thirty-one years later, in the Kentucky governor election, pollster Warren Mitofsky of CBS News would conduct the first exit poll.

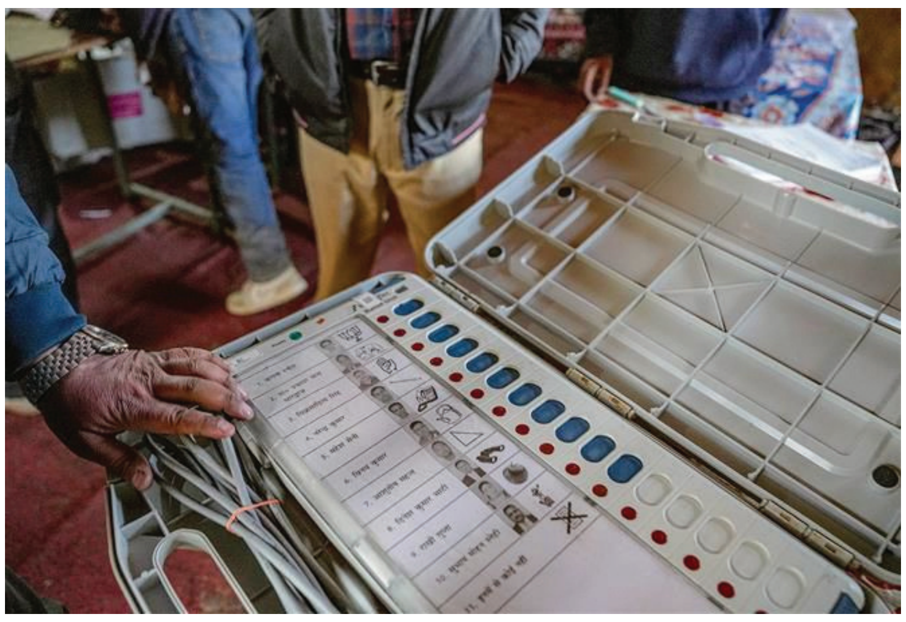

In any event, both exit and opinion polls have consistently produced inaccurate results across the globe. Politicians of all hues would concur that these predictions can't be blindly believed.The key point is that poll predictions can go horribly wrong, even when pollsters adhere diligently to statistical rules. The rationale is that the poll is really a psychological one in which researchers attempt to gauge respondents' political inclinations, a very delicate subject. In a political society like ours, this is an even more delicate matter. Would everyone feel comfortable telling some anonymous pollster what they really thought about politics and voting, especially if their choice ran counter to the prevailing wind? Thus, if respondents' comments are believed at face value, the poll's predictions would be glaringly inaccurate. However, one doesn't need to know who is lying specifically; only a reasonable estimate of the overall proportions of individuals supporting various parties would suffice. Do our pollsters employ a suitable methodology in order to make sense of their predictions by using suitable statistical filtering of the responses? I have never heard of a pollster claiming to have used any kind of methodology for filtering in his or her predictions, at least.Let's acknowledge that supporters of particular political parties are reluctant to participate in these kinds of surveys. As a result, supporters of Opposition parties have artificially boosted the sample. In that scenario, one should expect a skewed and biased prediction. In the UK, pollsters are aware of the 'shy Tory factor' or the reluctance of Conservative party members to participate in such surveys. A similar 'shy Trump factor' surfaced following Donald Trump's election in 2016. Do our pollsters know which party's supporters are reluctant to participate in these kinds of exercises? Do they alter the sampling design appropriately to address this important issue?Following its dismal 1936 predictions, Literary Digest did not conduct the exercise subsequently. Perhaps it understood that this wasn't its task. Nonetheless, throughout the Assembly elections scheduled for later this year, we will be inundated with poll predictions. And perhaps their 'success' would be applauded if some of them turned out to be true — by chance.

All About Pradhan Mantri Awas Yojana That Will Give 3 Crore Additional Rural And Urban Houses

New Delhi. The Union Cabinet has decided to further expand the Pradhan Mantri Awas Yojana and construct 3 crore additional rural and urban houses.

PM Narendra Modi, applauding this decision said that it underscores the government's commitment to addressing the housing needs of our nation and ensuring that every citizen leads a better quality of life. "The expansion of PMAY also highlights our government's commitment to inclusive growth and social welfare," he tweeted.What Is Pradhan Mantri Awas Yojana?With an aim to achieve the objective of providing "Housing to All" by the year 2024, the Central Government had rolled out the rural housing scheme --Pradhan Mantri Awaas Yojana-Gramin (PMAY-G) --with effect from 1st April 2016.

The program envisaged the completion of 2.95 crore PMAY-G houses with all basic amenities by the year 2024. As on 21st February 2022, a total of 1.73 crores PMAY-G houses have been completed against the allocated cumulative target of 2.62 crore houses.

Cabinet has now decided to further expand the Pradhan Mantri Awas Yojana and construct 3 crore additional rural and urban houses.The beneficiaries under PMAY-G are selected on the basis of housing deprivation parameters in the SECC 2011 data and the list of beneficiaries is validated by the Gram Sabha.

Pradhan Mantri Awas Yojana – Urban (PMAY-U) on the other hand is a flagship Mission of Government of India being implemented by Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA), was launched on 25th June 2015. The Mission addresses urban housing shortage among the EWS/LIG and MIG categories including the slum dwellers by ensuring a pucca house to all eligible urban households.Under PMAY-G with the introduction of certain implementation reforms, the Government aims at improving the speed and quality of houses construction, ensuring timely release of funds to beneficiaries, direct transfer of funds to beneficiaries' accounts, technical assistance to beneficiaries, stringent monitoring through MIS-AwaasSoft and AwaasApp. The Scheme is being implemented and monitored through end to end e-governance solutions, AwaasSoft and AwaasApp. AwaasSoft provides functionalities for data entry and monitoring of multiple statistics related to implementation aspects of the scheme.

Tailwind for FMCG sector, more stock rallies likely

NEW DELHI. A host of factors such as rural revival, healthy monsoon prediction, post-election focus on social welfare schemes and softening of raw material prices is expected to augur well for fast-moving consumer goods (FMCG) companies on the D-Street.

Even as shares of top FMCG players such as HUL, Dabur, Marico, Tata Consumer, and Godrej Consumer have surged 8-14% in the last 5 sessions, analysts believe these stocks have steam left to their rally.

"Most FMCG firms are up at least 10% post election verdict, owing to their defensive nature and optimism around better prospects...For the companies that we cover, we estimate 13% earnings CAGR over FY24-26, aided by gross-margin gains and demand recovery," said brokerage Anand Rathi on Monday, which has a buy call on HUL (target price or TP of Rs 3,000), Emami (TP of Rs 730) and Zydus Wellness (TP of Rs 2,150). United Breweries (TP of Rs 2,300) is its pick in consumer discretionary.The brokerage believes election results (in which NDA lost seats in Maharashtra and UP) could spell more social welfare impetus. "With Maharashtra and Bihar lined up for state elections in 2024 and the Budget likely in July, we expect the government to allocate more for social welfare schemes, which would drive higher rural income ahead," it saidAs per Nielson, rural volume-growth improved to 7.6% in Q4FY24 (5.8% in Q3FY24, 0.3% in Q4FY23). Management commentaries by FMCG companies also painted better revenue trajectories. Thus, overall revenue growth, which fell to 6.5% in H2 FY24 (10% earlier), per Nielsen, is likely to grow in high single to double digits for FY25.A fall in raw material prices, mainly crude oil prices which have softened by 10% over 7-10 days, could aid gross margin. Prices of most commodities were favourable in last six months/one year, barring prices of polypropelene, palm oil and coffee. Prices of barley and caustic soda recently rose (over 1/3/6 months), while those of menthal oil and crude fell.

Also, wheat and milk powder were soft in last three-to-six months. Godrej Consumer Products, one of top FMCG firms, said rural landscape is evolving, presenting FMCG companies with a promising avenue for expansion.

We are in India for its talent base, says StoneX after inaugurating its new office in Bengaluru

BENGALURU. Nasdaq-listed StoneX, which recently opened a 550-seater office in Bengaluru, said the company has been growing exponentially in the country in terms of its employees with almost 40% y-o-y, and the company is in India because of the market and its talent base.Headquartered in New York, the financial services company celebrates 100 years of its existence this year and it employs over 4,300 people. It has been in India since 2019 and employs over 600 people.The Group relies on its India teams for building its payments platform and the team also provides access to data for its trading desks worldwide. Greg Kallinikos, APAC CEO, who was in Bengaluru recently, told The New Indian Express that India has been at the forefront in anything and everything that touches on technology, "whether it's the efficiency of our front end or the back end."For the quarter ended March 31, 2024, the company's operating revenues stood at $818.2 million. Apart from Bengaluru, the company plans a 270-seater office in Pune and is expected to be ready in September. The group has also established an office in the GIFT city to trade in precious metals.Initially, the company had only one support function for its payments unit in India and now it has over 40 different department arms that are based out of India.Kallinikos said India is not a centre that just delivers the order, but it plays a key role in terms of innovation. Abbey Perkins.

Onion prices increase 30-50% in 2 weeks as demand rises: Report

Onion prices have increased over the past two weeks due to rising demand ahead of Eid-al-Adha (Bakra Eid).

NEW DELHI. Onion prices have surged around 30-50% in the last two weeks due to a slowdown in arrivals and increasing demand ahead of Eid-al-Adha (Bakra Eid), reported The Economic Times.Traders have begun holding stocks in anticipation that the central government might ease its interventions aimed at controlling prices.At the Lasalgaon mandi in Nashik, the average wholesale price of onions on Monday was Rs 26 per kg, up from Rs 17 per kg on May 25, added the ET report.Meanwhile, the price of top-quality onions, which constitute a small portion of the total traded volume, has exceeded Rs 30 per kg in many wholesale markets across Maharashtra.

The report noted that the primary driver behind the price hike is the current imbalance between supply and demand.

The onions arriving in markets from June onwards are sourced from stocks maintained by farmers and traders. Farmers are reluctant to sell from their stocks, expecting prices to rise due to a predicted decrease in the rabi crop for 2023-24.Despite sluggish exports caused by a 40% export duty, domestic demand for onions remains strong, particularly with the approach of Eid-al-Adha on June 17"There is strong demand for Maharashtra's onions, especially from the southern states," said Vikas Singh, an onion trader from Nashik in Maharashtra, told ET.

Ajit Shah, president of the Horticulture Produce Exporters' Association, explained that farmers and stockists are optimistic that the government might remove the export duty.

"One of the main reasons for the prices to go up is that the farmers and stockists are optimistic that the central government may remove the export duty. Based on this assumption, they are holding onions expecting the prices to go up," Shah said.

IndiGo shares drops 4% as InterGlobe Enterprises to sell 2% stake

New Delhi Shares of InterGlobe Aviation Ltd saw a 4% fall in early trade on Tuesday following plans for a block deal by its promoter entity, reported news agency Reuters.According to the report, its promoter entity, InterGlobe Enterprises, was looking to sell a 2% stake in the airline.

InterGlobe Enterprises led by Rahul Bhatia was looking to offload 77 lakh equity shares worth $394 million at a base price of Rs 4,266 per share, which is at a 7% discount from the previous closing price of Rs 4,566.60 on Monday on the NSE.Over 79.98 lakh equity shares of IndiGo, valued at Rs 3,493.41 crore, were traded on the BSE as of 9:24 AM on Tueday.Similarly, over 16.57 lakh equity shares, worth more than Rs 733.94 crore, were traded on the National Stock Exchange (NSE) at the same time. The trading volumes indicated that block deals had been executed.uring this trading, shares of InterGlobe Aviation dropped by 4.42% to Rs 4,361 on Tuesday, bringing the company's total market capitalisation to just under Rs 1.70 lakh crore.

However, indiatoday.in was unable to independently verify the details of the buyers and sellers at the time of reporting.InterGlobe Enterprises held a 37.75% stake in InterGlobe Aviation, according to exchange filings as of March 31, 2024.The stock has climbed about 60% in the past six months, driven by increasing demand for air travel across the country. Citi acted as the banker for the deal.Regulatory constraints prevent Rahul Bhatia from selling additional shares in the market for at least a year.

Besides InterGlobe Aviation, Bhatia has business interests in the hotel and artificial intelligence sectors, which may require more capital, according to sources.In the March 2024 quarter, InterGlobe Aviation reported a net profit of Rs 919.2 crore. Its revenue from operations grew by 26% year-on-year to Rs 17,825.3 crore. The EBITDA for the quarter rose by 48.7% to Rs 4,412.3 crore, with margins reaching 24.8%.

Explained: Why IRB Infrastructure shares tumbled 10% in early trade

New Delhi Shares of IRB Infrastructure Developers Ltd declined sharply in early trade on Tuesday, falling over 10% due to a high-volume block deal.Nearly 42 crore shares were traded on the National Stock Exchange (NSE) amid reports that Cintra, a toll road subsidiary of the Dutch giant Ferrovial, likely offloaded up to a 5% stake in the civil construction company.

The stock hit a low of Rs 63 on the NSE, marking a 10.20% drop. As of 10:30 am, the stock was trading 7.43% lower at Rs 64.95.It may be noted that on Monday, the shares of IRB Infrastructure had fallen 9.05% to close at Rs 70.15.

Cintra was aiming to raise around Rs 1,900.29 crore from this deal, The Economic Times reported after reviewing a term sheet.

Cintra, listed under CINTRA INR INVESTMENTS B V, held a 24.86% stake in IRB Infrastructure as of March 31, according to BSE filings.This transaction marks the second

block deal involving IRB Infrastructure within the past 15 days.On May 30, 2024, IRB promoters sold 4% of their stake in the company through another block deal, ET reported.The ET report indicated that Cintra offered 30.10 crore shares for sale at a floor price ranging from Rs 63 to Rs 70.16 per share, representing a 10% discount from the lower end of the range compared to Monday's closing price.Jefferies and HSBC are reported to be acting as bankers for this deal.Initially, Cintra acquired a 24.86% stake in IRB Infrastructure Developers in December 2021.Despite the recent price drop, IRB Infrastructure remains optimistic about its future prospects and HDFC Institutional Equities maintains its 'add' rating on the stock."We have recalibrated our EPS estimates higher to factor in better growth and resultant improvement in margins owing to the mix. Given the improving outlook on ordering, better-than-expected toll growth, and likely interest rate cuts, we increase our SOTP-based target price to Rs 72 per share. Owing to the limited upside on CMP, we maintain our ADD rating on the stock," said HDFC Institutional Equities.

Sensex, Nifty gain as volatility dips; IndiGo down 4% after block deal

New Delhi Benchmark stock market indices opened Tuesday's trading session on a positive note as volatility dipped further on Dalal Street.he S&P BSE Sensex rose 67.87 points to 76,557.95 at 10 am, while the Nifty50 gained 25.6 points to trade at 23,284.8.

All the other broader market indices were also trading in the green as investors awaited key US inflation reading and the US Federal Reserve's policy decision.Most of the Nifty sectoral indices traded positively, with realty up nearly 1.5%. Nifty Oil & Gas also rose 0.70%.The top five gainers among the Nifty50 were ONGC, L&T, Tata Motors, Britannia and Ultratech Cement.On the other hand, the top losers were Dr Reddy's Laboratories, Kotak Mahindra Bank, Bharti Airtel, Shriram Finance and BPCL.

Meanwhile, shares of InterGlobe Aviation, the parent firm of airline IndiGo, fell 4% in early trade after a reported block deal by the promoter entity.It has been reported that IndiGo promoters have likely offloaded 2% stake in a Rs 3,700 crore block deal.

Shares of IRB Infrastructure Developers also plunged nearly 10% in early trade after a reported block deal.

Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said, "This Tuesday brings multiple positives: the monsoon hits Mumbai early, Nirmala Sitharaman returns as finance minister ensuring policy continuity, Nifty and Sensex reached record highs, FIIs and DIIs were net buyers with significant purchases, and Wall Street trades higher with the Fed likely to maintain rates."Commenting on positive mutual fund inflow data, Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said "A strong pillar of support for this bull market has been the mutual fund industry which is witnessing sustained inflows. The Rs 34,697 crore net inflows into equity funds in May and monthly SIP inflows touching Rs 20,904 in May indicate that this domestic support to the market will continue despite the FII selling."He went on to highlight that the BJP "keeping the key portfolios signals continuity in policies"."This is a positive from the market perspective. From the fundamental perspective, the 25% increase in corporate profitability in FY24 augurs well for the market," Vijayakumar added.

Motilal Oswal raises target price on SBI, maintains 'buy'. Check details

In its latest note, the brokerage highlighted SBI's strong positioning for sustainable growth and high profitability, driven by strong loan growth, controlled operational expenses, and provisions.

New Delhi. Motilal Oswal Financial Services Ltd (MOFSL) has raised its target price for State Bank of India (SBI) and reaffirmed its 'buy' recommendation.

In its latest note, MOFSL highlighted SBI's strong positioning for sustainable growth and high profitability, driven by strong loan growth, controlled operational expenses, and provisions.

MOFSL highlighted that SBI's management has indicated stable margins moving forward, thanks to the bank's strategies like the Credit-Deposit (CD) ratio and Marginal Cost of Funds-based Lending Rate (MCLR) re-pricing to counterbalance the elevated cost of deposits."SBI is well-positioned to sustain its growth trajectory, supported by a low CD ratio, strong underwriting, and continued momentum in YONO," MOFSL noted.The brokerage also praised the state-run bank's asset quality, which has shown consistent improvements in headline asset quality ratios.MOFSL has chosen SBI as one of its preferred picks in the sector, forecasting a 15% compound annual growth rate (CAGR) in net profit from FY24 to FY26.We estimate a 15 per cent CAGR in net profit over FY24-26E, with FY26E RoA/RoE of 1.1 per cent/18.5 per cent. Reiterate BUY with a revised target price of Rs 1,015 (1.5 times FY26E ABV + Rs 235 from subsidiaries)," the note stated.It went on to say that SBI's performance over the past few years has been notably strong, with the bank achieving significant milestones in profitability, including surpassing Rs 60,000 crore in profit after tax (PAT) in FY24.MOFSL highlighted SBI's improvements in underwriting standards and the consistent strengthening of its balance sheet, which has brought non-performing assets (NPAs) to pristine levels.

"In terms of returns, SBI has delivered a 34% CAGR over the past two years, with its market cap swelling to $89 billion. Our assessment of large global banks shows that SBI has delivered the best-in-class RoE and loan growth among large global banks," MOFSL said.

DuringFY22-24, SBI achieved a 16% CAGR in loans, outperforming many of its large peers. MOFSL pointed out that SBI's current balance sheet size of Rs 62 lakh crore surpasses the GDP of nearly 174 countries. The brokerage expects this gap to widen as SBI continues its steady growth."SBI has demonstrated high agility and superior execution even at this huge size and is well poised to maintain this momentum. A strong liability profile, an enviable CD ratio, and robust tech capabilities position SBI well to capitalize on growth opportunities as a stable policy environment and continued reforms bolster overall economic activity," MOFSL added.

Looking aead, MOFSL anticipates that SBI will deliver a 16% CAGR in earnings over FY24-26, supported by healthy loan growth, moderation in operational expenses ratios, and controlled credit costs (35-40 bps). This is expected to result in FY26E RoA/RoE of 1.1%/18.5%.

Hid My Children Under Bus Seat As Bullets Fired: Survivor Of J&K Terror Attack

A resident of Delhi's Tughlakbad Extension, Bhawani Shankar said he had gone to visit the Vaishno Devi shrine in Jammu on his marriage anniversary on June 6.

New Delhi: "I bent down and hid my two children under the bus seat as bullets were being fired from hills... I will never forget those 20-25 minutes of horror," Bhawani Shankar, a survivor of the deadly terror attack on a bus carrying pilgrims in Jammu and Kashmir's Reasi district, said on Monday.A resident of Delhi's Tughlakbad Extension, Mr Shankar said he had gone to visit the Vaishno Devi shrine in Jammu on his marriage anniversary on June 6. He was accompanied by his wife Radha Devi and two children - five-year-old daughter Deeksha and three-year-old son Raghav.hankar and his family members are among the five hailing from Delhi injured in the terror attack and are undergoing treatment in Jammu and Kasmir hospitals.

Nine people were killed and 41 injured as the terrorists opened fire at the 53-seater bus, which was on its way from the Shiv Khori temple to the Mata Vaishno Devi shrine in Katra, causing it to veer off the road and fall into a deep gorge near the Teryath village of the Poni area of Reasi on Sunday evening.

"On June 6, we boarded the Shree Shakti Express from Delhi and reached Katra. On June 7, we went to Vaishno Devi temple and returned to our hotel room by midnight on June 8," Shankar told PTI on the phone."On June 9, we took the bus for Shiv Khori temple from Katra and bought two tickets of ? 250, each for the trip," he said.He said while returning from the temple, the bus was attacked."We were sitting near the central aisle in the bus. Our children were on our lap. We heard bullet shots at about 6 pm. In just 10-15 seconds, over 20-25 shots were fired. One of the bullets hit our driver and the bus was out of control," he said.He said the bus turned and spun in the air and later regained its upright position but its wheels were stuck in boulders and trees in the hilly area."I bent down and hid my two children under the seat as firing continued from the hills. We hugged each other tightly thinking that it could be the final moments of our life.

Some people were shouting, 'hamla ho gaya hai' (it's an attack)."We remained at this position for 20-25 minutes because some more shots were fired when we were lying in the gorge," Shankar said, adding he will never forget the horrific incident.He said some of the passengers fell out of the bus. Everyone was shouting and screaming till the rescue team arrived, he added.Shankar and his two children are admitted to the same hospital while his wife is undergoing treatment in another hospital in Jammu and Kashmir."My son's hand is fractured and my daughter has head injuries. I have received internal injuries in my back and my wife received multiple injuries in her head and legs," he said.Shankar is working as a driver for an officer posted at Indian Oil in Delhi. He stays along with his wife, father and brother-in-law in Delhi's Tughlakabad Extension. His brother-in-law works in a private company."I am in regular contact with my family members in Delhi through phone," he said.

J-K: Two IEDs Recovered From OGW Network Of Slain LeT Commanders In Pulwama

New Delhi: New Delhi: The security forces in Jammu and Kashmir's Pulwama recovered IEDs packed in a plastic container along with the explosives, which weighed around six kg from the over-ground workers (OGWs) of slain LeT commanders Reyaz Dar and his associate Rayees Dar.The recovery followed after a joint cordon and search operation launched by the Pulwama police, Army and CRPF, the police said in a press release.

During the search operation, the two terrorists, namely Reyaz Ahmed Dar, a resident of Sether Gund and Rayees Ahmed Dar, a resident of Larve in the Nihama village, fired upon the security forces, which led to the start of an operation.In the said operation, which took place on the intervening night of June 2 and 3, LeT commander Reyaz Dar and Rayees Dar, both category A, were neutralized by the security forces.he investigation further exposed the network of over-ground workers (OGWs), revealing that the terrorists were given harbour, shelter and logistics by the OGWs namely Bilal Ahmed Lone, Sajjad Ganie, and Shakir Bashir, all the residents of Nihama. Subsequently, all three persons were arrested.The investigation also revealed that the two slain terrorists had prepared IEDs, which were recovered from the possession of Shakir Bashir who hid them in the orchards. The said IEDs were packed in a plastic container along with the explosives, and active circuit trigger mechanism which weighed around six kg, and were later destroyed in situ by Pulwama police and army, the press release said.During the investigation, a huge quantity of arms and ammunition were recovered including AK-47 rifles, AK-47 rounds, pistols, etc, and other incriminating materials. In this regard, a case under section 307 IPC, 7/27 Arms Act, 16,18,19,20,38 UAPA was registered in Police Station Kakapora, the press release by Pulwama police said.

Indian Universities To Now Offer Admissions Twice A Year, As Done Globally

New Delhi: Indian universities and higher education institutions will now be allowed to offer admissions twice a year on lines of foreign universities with the University Grants Commission giving a go ahead to the plan, UGC chief Jagadesh Kumar said.The two admission cycles will be July-August and January-February from the 2024-25 academic session."If Indian universities can offer admission twice a year, it will benefit many students such as those who missed admission to a university in the July-August session due to a delay in the announcement of board results, health issues, or personal reasons," Mr Kumar told Press Trust of India.

Biannual university admissions will help students maintain motivation since they do not have to wait one full year to be admitted if they miss admission in the current cycle. With biannual admissions in place, industries can also do their campus recruitment twice a year, improving employment opportunities for the graduates," he added.

The UGC chief explained that biannual admissions will also enable the higher education institutions (HEIs) to plan their resource distribution, such as faculty, labs, classrooms and support services, more efficiently, resulting in a better functional flow within the university.

"Universities worldwide already follow a biannual admission system. If Indian HEIs adopt the biannual admission cycle, our HEIs can enhance their international collaborations and student exchanges. As a result, our global competitiveness will improve, and we will align with the global educational standards," Mr Kumar said."If HEIs adopt biannual admissions, they need to work on administrative intricacies, good planning for increased use of available resources, and providing seamless support systems for the smooth transition of students admitted at dissimilar times of the year. HEIs can maximize the usefulness of biannual admissions only when they sufficiently prepare faculty members, staff and students for the transition," he added.

"In Era Of Deepfakes...": Court Rejects Husband's Claim Of Adultery Based On Photos

New Delhi: New Delhi: The Delhi High Court has dismissed a man's attempt to avoid paying maintenance to his estranged wife by alleging she was living in adultery, based on photographs he presented as evidence.

The court, noting the era of "deepfakes," ruled that such photographs need to be substantiated with proper evidence before the family court.A division bench of Justices Rajeev Shakdher and Amit Bansal examined the photographs and concluded that it was not clear if the woman in the images was indeed the wife.

The court stated: "We have looked at the photographs. It is not clear as to whether the respondent/wife is the person in the photographs, as alluded to by the learned counsel for the appellant/husband. We may take judicial notice of the fact that we are living in the era of deepfakes and, therefore, this is an aspect that the appellant/husband, perhaps, would have to prove by way of evidence before the family court."It granted both parties the opportunity to present their evidence in the ongoing divorce proceedings in the family court.The husband had appealed against a family court order mandating him to pay ? 75,000 per month as cumulative maintenance to his wife and daughter.

The wife, a post-graduate in Mass Communication, was living with her parents and unemployed since the separation.The high court observed that the allegation of adultery was not previously raised in the family court. Even if it had been raised but ignored, the husband should have sought a review, which he did not, and thus, the adultery claim seemed like a "measure of desperation to wriggle out of the obligation" imposed by the family court.

Consequently, the high court dismissed the husband's appeal, upholding the family court's maintenance order.

J Scindia Takes Communications Charge In Modi 3.0, With A UPA-1 Throwback

New Delhi: Jyotiraditya Scindia took charge of Modi 3.0's Communications Ministry this morning and said it is like coming full circle because he had earlier worked as a junior minister in the same ministry from 2007 to 2009 when the UPA-government under Manmohan Singh was in power. Earlier with the Congress, Mr Scindia was Minister of State for Communications and Information Technology in the UPA-1 government. He also held independent charge for Power and Corporate portfolios in the UPA-2 government. This time, he has risen to the cabinet rank.The Madhya Pradesh leader, who switched from the Congress to the BJP in 2020 following a mutiny that brought down the Kamal Nath government, has been elected to Lok Sabha from his family stronghold Guna for the fifth time. In the second Narendra Modi government, he

was a Rajya Sabha MP and handled the portfolios of Steel and Civil Aviation. Besides Communications, Mr Scindia has been tasked with the development of Northeast. Along with his 71 other colleagues in Modi 3.0, Mr Scindia took the oath at Rashtrapati Bhavan Sunday.

It's my honour that the Prime Minister has given me the responsibility of the Communications Ministry. Both the telecom and the IndiaPost division have a tremendous role to play on a global as well as on a local stage to join the hearts of millions of people across our country and across the world," he said after taking charge today."Under his leadership, there has been a revolution in this department. And on this day, I vow to persevere and put in my best to ensure that we deliver according to the aspirations of the Prime Minister as well as the 140 crore people across the length and breadth of this country," he added.

Recollecting his earlier stint in the ministry, Mr Scindia said, "It is also coming full circle. I worked as a junior minister in this department many years ago in 2007. For me, this is a department with which I have enormous emotional ties. It is my sincere effort to ensure we live up to the expectations of the people of India under the leadership of the Prime Minister.

Supreme Court Refuses To Quash Charges Framed Against Ex-Karnataka Minister

New Delhi: The Supreme Court on Monday declined to quash criminal charges framed by a special court against Karnataka MLA Vinay Rajashekarappa Kulkarni in the murder case of former Bharatiya Janata Party (BJP) worker Yogesh Goudar.A vacation bench of Justices Sanjay Kumar and Augustine George Masih refused to interfere with the Karnataka High Court order and said the former minister's case was not a fit one for quashing."

This is not a case for quashing," said the bench.The top court dismissed the special leave petition filed by Congress MLA Kulkarni against the April 8 High Court order, which upheld the charges framed by the special court against him and 20 others.Senior advocate Siddhartha Dave, appearing for Mr Kulkarni, told the top court that the MLA has been named only in the second charge sheet filed by the CBI and that the statement of the deceased's widow doesn't disclose his name.To this, Justice Kumar observed, "You also write a letter to the Chief Secretary seeking transfer of the public prosecutor because she was vigorously conducting the trial, uninfluenced by you Minister."

Mr Dave replied, "Even when I was the minister, the trial took place, but not a whisper by the wife of the deceased".Justice Kumar said, "You obviously bought over the widow... Sorry, SLP dismissed."

At this juncture, Dave sought permission from the apex court to withdraw the petition which the bench refused."This has to stop.

This trying your luck at the Supreme Court, then back out, this court has become a gambling court or what?" the top court said.Mr Gowda, 26, a BJP zila panchayat member from Hebballi constituency, was murdered on June 15, 2016, at Dharwad.The Central Bureau of Investigation (CBI) took over the investigation on September 24, 2019, and arrested on Mr Kulkarni on November 5, 2020. Mr Kulkarni has denied the allegations levelled against him.

The CBI has alleged that Mr Kulkarni had personal enmity and political rivalry with Mr Gowda, who rejected their offer to withdraw from the Zila panchayat elections in 2016.

Bullet shots, panic: Video captures attack on Manipur Chief Minister's convoy

A video related to the attack on Manipur Chief Minister N Biren Singh's convoy has now surfaced in which the sound of multiple gunshots can be heard, while a man shouts, in a panicky state, in the background.

New Delhi: The convoy of Manipur Chief Minister N Biren Singh, en route to tension-gripped Jiribam from Imphal, was ambushed by armed militants in the Kangpokpi district on Monday. A security person from Manipur Police and a civil driver were injured in the attack.A video has now surfaced, capturing the attack, in which the sound of multiple gunshots can be heard, while a man shouts, in a panicky state, in the background.Reports suggest that despite several intelligence inputs and warnings from the Chief Minister's office to the DCP, in the last six months, Manipur police failed to act on the information, or contain acts of violence.

"On June 10, 2024, the Advance Security Team of the Hon'ble Chief Minister, Manipur was ambushed at K. Sinam village near Kotlen, Kangpokpi District on NH 37 (Jiribam Road) by suspected Kuki militants in which one personnel of Manipur Police and a civil driver were injured. Senior police officials and security forces rushed to the spot and rescued the two injured persons and evacuated for medical treatment," Manipur Police tweeted.

"Further, the teams conducted search operations in and around K Sinam village

in which several empty bullet cases were recovered and some illegal temporary hideout/ bunkers, suspected to have been used by the militants, were also destroyed. Further, additional security forces (State and Central) have been mobilized to neutralize any threats along the route," it added.The ambush comes amidst a backdrop of heightened violence in the region.

The recent surge in violence began on June 6, after the discovery of the body of Soibam Saratkumar Singh, a 59-year-old Meitei farmer who had been missing for weeks.The discovery of Singh's body in Jiribam led to the torching of around 70 houses, including a few government offices, and hundreds of citizens fleeing the area.The unrest prompted urgent calls for enhanced security measures, and the right to arm themselves for protection. Prohibitory orders were also clamped in Jiribam.Ethnic tension has been underway in Manipur since last year. Nearly 239 Meitei people, mostly women and children, were evacuated from peripheral areas of Jiribam on June 7 and moved to a newly set up relief camp at a multi-sports complex in the district, officials said.

NEWS BOX

Oxford University to return stolen 500-year-old bronze idol to India

London The UK's prestigious Oxford University has agreed to return a 500-year-old bronze idol of a saint believed to be stolen from a temple in Tamil Nadu to India.

"On 11 March 2024, the Council of the University of Oxford supported a claim from the Indian High Commission for the return of a 16th-century bronze sculpture of Saint Tirumankai Alvar from the Ashmolean Museum. This decision will now be submitted to the Charity Commission for approval," said a statement from the university's Ashmolean Museum.

The 60cm-tall statue of Saint Tirumankai Alvar was acquired by the Ashmolean Museum at the University of Oxford from Sotheby's auction house in 1967 from the collection of a collector named Dr JR Belmont (1886-1981).The museum says that it was alerted to the origins of the ancient statue by an independent researcher in November last year, following which it alerted the Indian High Commission.The Indian government made a formal request for the bronze idol believed to be stolen from a temple in Tamil Nadu and found its way to a UK museum through auction.The museum, which holds some of the world's most famous art and archaeology artefacts, says it acquired the statue in "good faith" in 1967.There have been several instances of stolen Indian artefacts being restored from the UK to India, most recently in August last year when a limestone carved relief sculpture, originating from Andhra Pradesh, and a "Navaneetha Krishna" bronze sculpture originating from 17th century Tamil Nadu, were handed over to the Indian High Commissioner to the UK following a joint US-UK investigation involving Scotland Yard's Art and Antiques Unit.

Hindu organisations' demand ahead of UK polls: 'Recognise anti-Hindu hate'

World Ahead of the UK general elections slated for July 4, Hindu organisations in the United Kingdom launched "The Hindu Manifesto UK 2024" on Saturday, calling for the recognition of anti-Hindu hate as a religious hate crime.The manifesto, released on June 8, outlines seven key demands from the parliamentary candidates and the future government.Besides recognition of anti-Hindu hate as a religious hate crime, the six demands mentioned in the manifesto include, protecting places of Hindu worship, access to fairer education, equal representation and opportunities for Hindus, streamlining immigration, healthcare and social care and acknowledging and protecting dharmic values.The manifesto claims support from several parliamentary candidates. "The manifesto ushers a unified voice of the UK Hindu community as representatives from diverse backgrounds and regions come together to champion the seven assurances," said the Hindu organisations in a statement.

The document calls on all candidates to support the Hindu community in their respective constituencies.Earlier this year, over 200 Hindu groups in the UK celebrated the consecration of a Lord Ram idol in Ayodhya, expressing hopes that the UK would commemorate the event. The groups stated that this historic moment marked the culmination of five centuries of dedicated efforts.

Soldiers in Malawi search for missing military plane carrying vice president and former first lady

BLANTYRE. Soldiers are searching mountainous forests near a city in northern Malawi after a military plane carrying the country's vice president and a former first lady went missing in the area Monday, President Lazarus Chakwera said.The plane carrying 51-year-old Vice President Saulos Chilima, former first lady Shanil Dzimbiri and eight others left the southern African nation's capital, Lilongwe, at 9:17 a.m. and had been expected to land 45 minutes later at Mzuzu International Airport, about 370 kilometers (230 miles) to the north.

ut air traffic control told it to not attempt a landing and to turn around because of bad weather and poor visibility, Chakwera said in an address broadcast live on state TV channel MBC.Air traffic control lost contact with the aircraft and it disappeared from radar a short time later, he said."I know this is a heartbreaking situation. I know we are all frightened and concerned. I too am concerned," Chakwera said. "But I want to assure you that I am sparing no available resource to find that plane. And I am holding onto every fiber of hope that we will find survivors."zuzu is Malawi's third biggest city and the capital of the northern region. It lies in a hilly, forested area dominated by the Viphya mountain range, which has vast plantations of pine trees.

The president vowed that search operations would continue through the night and said authorities using telecommunications towers tracked the last known position of the plane to a 10-kilometer (6-mile) radius in one of the plantations. That area was the focus of the Malawi Defense Force search and rescue operation, he said."I have given strict orders that the operation should continue until the plane is found," Chakwera said.

Chakwera said the U.S., the U.K., Norway and Israel offered assistance in the search operation and had provided "specialized technologies" that the president hoped would help find the plane sooner.

Chakwera said Dzimbiri, the ex-wife of former President Bakili Muluzi, was also one of the passengers. The group was traveling to attend the funeral of a former government minister. Three of those onboard were the military crew flying the plane, the president said.

Chakwera asked Malawians to pray for all those onboard and their families.

Chilima has been vice president since 2020.

He was a candidate in the 2019 Malawian presidential election and finished third. That vote was won by incumbent Peter Mutharika but was annulled by Malawi's Constitutional Court because of irregularities. Chakwera finished second in that election.Chilima then joined Chakwera's campaign as his running mate in an historic election rerun in 2020, when Chakwera was elected president.

Jury begins deliberations in Hunter Biden's criminal gun case

Wilmington. The jury began deliberations on Monday in the case of Hunter Biden, the U.S. president's son accused of lying about his use of illegal drugs when he bought a handgun in 2018.The 12 jurors deliberated for about an hour after hearing closing arguments. They will resume at 9 a.m. ET (1300 GMT) on Tuesday, a court official said."We ask you find the law applies equally to this defendant as it would to anyone else," government prosecutor Derek Hines told the jury as the first criminal trial of a child of a sitting president reached its final phase."When he chose to lie and buy a gun he violated the law. We ask you return the only verdict supported by the evidence - guilty," Hines said.

Biden, 54, the son of President Joe Biden, has pleaded not guilty to felony charges that include lying about his addiction when he filled out a government screening document for a Colt Cobra revolver and illegally possessing the weapon for 11 days.Defense attorney Abbe Lowell compared the government's case to the work of a magician who focuses attention on drug use from months or years before the gun purchase to create the illusion Hunter Biden was a user of crack cocaine when he bought the gun."They blurred all those years before he walked into StarQuest Shooters and all those years after," Lowell told jurors, referring to the gun store where he made the purchase.U.S. District Judge Maryellen Noreika instructed jurors to be impartial. "You have to decide the case based on the evidence," she told them.

Over four days of testimony last week prosecutors offered an intimate view of the younger Biden's years of struggle with alcohol and crack cocaine abuse, which prosecutors say legally precluded him from buying a gun.In the prosecution's closing arguments, a government attorney said commonsense understanding of the grim testimony of Hunter Biden's constant drug use filled in any gaps in evidence about his behavior around the time of the gun purchase.

"It was personal and it was ugly and it was overwhelming," federal prosecutor Leo Wise told the jury, referring to the testimony of Hunter Biden's drug use. "But it was also necessary."The trial in U.S. District Court in Wilmington, Delaware, follows another historic first - the May 30 criminal conviction of Donald Trump, the first U.S. president to be found guilty of a felony. Trump is the Republican challenger to Joe Biden, a Democrat, in a Nov. 5 presidential election.Trump and some of his Republican allies in Congress have alleged the case and three other criminal prosecutions are politically motivated attempts to prevent him from regaining power.Congressional Democrats cite the Hunter Biden prosecution as evidence that Joe Biden is not using the justice system for political or personal ends.Wise said it did not matter if well-known people appeared in court or how they reacted to the evidence, a possible reference to first lady Jill Biden's attendance. "None of that matters. What matters came from the witness stand," he said.Last week, Hunter Biden's ex-wife, former girlfriend and sister-in-law testified for the prosecution about his drug use, telling jurors that they often found drugs and paraphernalia in his possession and were concerned at times about his spiraling addiction.Wise read passages of Hunter Biden's memoir about a failed attempt to get clean and relapsing into drug use, just before he bought the gun. "Take the defendant's word for it. That's his truth," Wise said.unter Biden told the judge overseeing the case at a 2023 hearing that he has been sober since 2019.

Baltimore Port key channel reopens 11 weeks after bridge collapse

Washington, Federal agencies said on Monday they have restored full access for commercial maritime transit through the Port of Baltimore after the removal of 50,000 tons of debris from the March 26 collapse of the Key Bridge.The cargo ship Dali crashed into the Francis Scott Key Bridge in March in Baltimore, killing six people and paralyzing a major transportation artery for the U.S. Northeast. The U.S. Army Corps of Engineers said a survey on Monday certified the riverbed as safe for transit and said the Fort McHenry Federal Channel had been restored to its original operational dimensions of 700 feet wide and 50 feet deep.The fully operational channel will allow two-way traffic and the ending of the additional safety requirements that were required because of temporary reduced channel width.The U.S. Army Corps and U.S. Navy Supervisor of Salvage and Diving worked to clear Key Bridge wreckage for more than two months before the final piece was removed last week. The Dali was safely moved on May 20.More than 1,500 individual

responders along with 500 specialists from around the world operated a fleet of boats during the operation which involved 56 federal, state, and local agencies.Surveying and removal of steel at and below the 50-foot mud-line will continue to ensure future dredging operations are not impacted and wreckage will continue to be transported to Sparrows Point for follow-on processing.In April, the FBI opened a criminal probe into the collapse. The National Transportation Safety Board said last month the Dali lost electrical power several times before it crashed into the bridge including experiencing a blackout during in-port maintenance and shortly before the crash. Maryland estimates it will cost $1.7 billion to $1.

California university academics halt pro-Palestine strike, return to job

Los Angeles, Thousands of University of California academic workers who went on strike at six campuses protesting administrators' response to pro-Palestinian protests returned to the job on Monday under court order, but their union vowed more protests to come.An Orange County Superior Court judge late on Friday granted a temporary restraining order sought by the university, which asserted that the walkout stemmed from non-labor issues and that it violated the no-strike clause in the union's contract.University officials had originally petitioned the California Public Employment Relations Board, but the panel twice rejected their requests for an injunction.Unionized academic researchers, graduate teaching assistants and post-doctoral scholars walked off the job over what they called unfair labor practices in the university's handling of pro-Palestinian demonstrations in recent weeks.

The work stoppage was organized by the United Auto Workers union Local 4811, which represents some 48,000 non-tenured academic employees across 10 UC campuses and the Lawrence Berkeley National Laboratory.

The protest strike began on May 20 at the UC Santa Cruz campus, and was expanded over the following two weeks to encompass UCLA, UC Davis near Sacramento, and campuses at San Diego, Santa Barbara and Irvine. Those six campuses account for roughly 31,500 UAW members. The UC system has a total of 10 campuses.ontinuation of the strike "would have caused irreversible setback to the students' academic achievements and may have stalled critical research projects in the final quarter," Melissa Matella, UC's associate vice president for labor relations, said in a statement welcoming the restraining order.Judge Randall Sherman set a hearing for June 27 to hear arguments on whether to extend the injunction. The union's own strike authorization expires on June 30.

UAW 4811 leaders denounced the ruling, saying the judge defied the authority of the Employment Relations Board by intervening in a labor matter outside the court's jurisdiction.

Nevertheless, the union said its members were abiding by the court order. The UAW said it would focus its efforts on an upcoming grievance proceeding against the university.

Among other things, the union is demanding amnesty for grad students and other academic workers who were arrested or face discipline for their roles in campus protests against Israel's military offensive in the besieged Palestinian territory of Gaza.The strike marked the first union-backed protest in solidarity with a surge of pro-Palestinian student activism on dozens of U.S. campuses in recent months.The UAW said it was planning additional protests at UC Davis on Tuesday and at UCLA on Wednesday.

Search ops underway for missing aircraft carrying Malawi Vice President

The Indian mission in Russia is working with local authorities to recover the bodies of the drowned students and repatriate them to India as soon as possible.

Malawi Search and rescue operations will continue until the missing aircraft carrying Malawi's vice president, Saulos Klaus Chilima, is found, the southern African nation's president said late on Monday.Chilima, 51, was aboard a military aircraft with nine others that left Lilongwe, the capital, at 09:17 a.m. (0717 GMT), Malawi's Office of the President and Cabinet said in an earlier statement.It said efforts by aviation authorities to make contact with the aircraft since it went off the radar had failed. The plane had been scheduled to land at Mzuzu Airport at 10:02 a.m.

The plane was unable to land at the airport due to poor visibility and was ordered to return to the capital, President Lazarus Chakwera said in a televised address to the nation.

"I'm holding on to every fibre of hope that we'll find survivors," he said, adding that the search area was concentrated around a 10 km (6 mile) radius in a forest reserve.

"I have given strict orders that the operation should continue until the plane is found."He said Malawi had reached out to neighbouring countries, and the U.S., Britain, Norway and the Israeli governments for support in the rescue efforts.Chilima, seen as a potential candidate in next year's presidential election, was arrested in 2022 over graft allegations.However, a Malawi court dropped the corruption charges against him last month after the director of public prosecutions filed a notice for the case to be discontinued. Chilima has denied any wrongdoing.

Yemen's Houthis claim to arrest 'American-Israeli spy cell'

The alleged cell includes former staff of the US embassy in Yemen, according to a television statement from Abdel Hakim Al Khaiwani, the Houthis' intelligence chief.

Cairo,UPDATED. Yemen's Houthis say they have arrested an "American-Israeli spy cell," a few days after the Iran-backed group detained about a dozen United Nations personnel.

The alleged cell includes former staff of the US embassy in Yemen, according to a television statement from Abdel Hakim Al Khaiwani, the Houthis' intelligence chief."The American-Israeli spy cell carried out espionage and sabotage activities in official and unofficial institutions for decades in favor of the enemy," he says.Members of the spy spell and American officers exploited their positions at the American embassy to carry out their sabotage activities. After the American embassy left Sanaaâ€æ the members of the spy cell continued to implement their sabotage agendas under the cover of international and UN organizations."Israeli government officials have no immediate comment, and the UN declines to comment on the allegations. The US State Department does not immediately respond to a request for comment.U.N. spokesperson Stephane Dujarric said the agency was working to secure the release of its 11 detained staff who work for five different U.N. agencies and the U.N. envoy for Yemen.In a series of raids, armed Houthi intelligence officers also detained three employees of the U.S.-funded pro-democracy group National Democratic Institute and three employees of a local human rights group, according to three officials of Yemen's internationally recognized government who spoke to Reuters on Friday.

Houthi Al Masirah TV posted a series of videos on its Telegram channel allegedly showing the confessions of some of those arrested. Reuters could not independently verify the videos.The Houthis, who are aligned with Iran, have attacked shipping in the Red Sea in what they say are acts of solidarity with Palestinians amid the Gaza war, drawing airstrikes from the United States and Britain.They have held around 20 Yemeni employees of the U.S. embassy in Sanaa for the past three years.

NEWS BOX

T20 World Cup, Pakistan vs Canada Weather forecast: Will rain play spoilsport in New York

New Delhi. Pakistan will face Canada in a must-win encounter at the Nassau County International Cricket Stadium, New York on June 11, Tuesday. The Babar Azam-led outfit will be in desperate need of a win as they look to keep their Super 8 hopes alive in the T20 World Cup 2024. Pakistan have lost their last 2 encounters of the marquee tournament as they faced a massive upset against the hosts USA in a Super Over thriller at the Grand Prairie Stadium in Dallas, Texas on June 6. This was followed by a 6-run loss against India in a closely-contested match at the Nassau County International Cricket Stadium on June 8, Sunday.

As they face Canada at the same venue, there would be no room for any slip-ups for the 2009 T20 World Cup champions. However, a win against the Saad Bin Zafar-led side would only ensure Pakistan stay afloat in the tournament. They would also want the other team's results in Group A to go their way to stand a chance to advance into the Super 8 stage.

Meanwhile, Canada will look to build on their confidence as they won their last encounter against Ireland by 12 runs at the same venue. However, weather will also play a crucial role during the match between Pakistan and Canada. PAK vs CAN: PreviewWill rain play spoilsport in New York?The previous encounter between India and Pakistan witnessed rain curtailments before the toss happened and even during the match. However, the rain Gods showcased some mercy as the fans witnessed a full-fledged game in New York. As per the AccuWeather predictions, the weather is expected to be pleasant and sunny in New York. The temperature is forecast to range between 19°C to 23°C. T20 World Cup: Full Coverage | Complete ScheduleHowever, there is also a slight possibility of rain and 70% cloud cover will remain throughout the match. Despite the weather conditions, both teams would be eager to secure a crucial win. However, a full contest is expected to be on the cards and if rain plays a spoilsport, both the teams will get 1 point each. This would further hamper Pakistan's chances of making it to the next stage of the tournament.

India vs Qatar, FIFA World Cup qualifier: All you need to know about do-or-die clash

It's a do-or-die clash for India as they take on the mighty Qatar in the Group A clash in round 2 of the FIFA World Cup 2026 qualifiers on June 11, Tuesday. India can ill afford a loss at this moment.

New Delhi. India face an uphill task as they go up against AFC Asian Champions Qatar in a do-or-die clash on June 11, Tuesday at the FIFA World Cup qualifiers at the Jassim Bin Hamad Stadium in Doha. The Blue Tigers find themselves in a tricky situation as they cannot afford a bad result in Group A, with third round qualification in the balance. India were held to a 0-0 draw against Kuwait on June 6, which has added the pressure on Igor Stimac and his men.The match at the Salt Lake stadium was all about Sunil Chhetri and his retirement, but now the squad would need to quickly regroup as they start life without the legendary striker. However, they will have their work cut out against Qatar, who are ranked 34 in the World Rankings. Qatar also beat India in the reverse fixture 3-0.How can India qualify for Round 3 of the World Cup Qualifiers?

For India to make it to the next round, they will need to finish in the Top 2. India currently have 5 points from as many games with Qatar already booking their place for the next round with 13 in their kitty. Afghanistan also have the same points, but India are second due to their superior goal difference. Kuwait are 4th with 4 points.All 3 sides can make it to the next round, which adds to the drama in the group. For India, the main task would be to beat Qatar and hope Afghanistan, even if they beat Kuwait, won't overhaul them on goal difference. In the case of a draw, India will hope that the Afghanistan vs Kuwait game will also end in a stalemate.

India squad for Qatar game

With Chhetri retiring, goalkeeper Gurpreet Singh Sandhu will take over as the captain for the game against Qatar.

Goalkeepers: Gurpreet Singh Sandhu (captain), Amrinder Singh, Vishal Kaith

Defenders: Anwar Ali, Jay Gupta, Mehtab Singh, Narender, Nikhil Poojary, Rahul BhekeMidfielders: Anirudh Thapa, Brandon Fernandes, Edmund Lalrindika, Jeakson Singh Thounaojam, Lallianzuala Chhangte, Liston Colaco, Mahesh Singh Naorem, Nandhakumar Sekar, Sahal Abdul Samad, Suresh Singh Wangjam

Forwards: Manvir Singh, Rahim Ali, Vikram Partap Singh, David Lalhlansanga.When and where to watch India vs Qatar?The kickoff for India vs Qatar will be at 9:15 PM IST. The match will be livestreamed on the FanCode app and website. Unfortunately, no channels in India will be broadcasting the game on Tuesday.

Babar Azam, Shaheen Afridi are good friends: Azhar Mahmood busts Wasim Akram's claim

New Delhi, Pakistan assistant coach Azhar Mahmood has busted the theory by Wasim Akram that Babar Azam and Shaheen Shah Afridi aren't on talking terms at the moment. Following the loss to India on June 9, Akram slammed the players and asked them to be sacked for their performance and start with a new side.

The legendary pacer also hinted that Babar and Shaheen, two of the star players in the team, weren't on talking terms and called for both men to be sent home.There are players who don't want to talk to each other. This is international cricket, and you play for your country. Make these players sit at home," said Akram.Ahead of the do-or-die clash against Canada, Mahmood would put an end to the theory proposed by Akram. The Pakistan assistant coach claimed that he doesn't see any issues with both men and they're good friends."Wasim must have said that, but I don't know. I didn't see it. Shaheen and Babar are definitely

talking, they are good friends. They are both part of the Pakistan team," said Mahmood.

T20 World Cup: Full Coverage | Complete Schedule

Not hiding any players

Pakistan have had a tournament to forget so far, as they were outclassed by USA in the first game. This was followed by the poor batting performance against India, with fans and critics growing restless. Mahmood said that the team management would take responsibility for the poor performance as well and they're not hiding any players."Now when you ask who will take responsibility – I think we all, as a team management will take responsibility. We have not lost because of anyone, it is our mistake too.""We are not hiding any players, everyone is there. Everything is there. I said earlier that we are a team. Obviously, we're sitting here, and it's our responsibility. We're not delivering. That's why I'm sitting here. Yesterday, Gary was sitting here. So definitely, it's not like we're hiding a player. They're part of us," said Mahmood.

Pakistan will need to defeat Canada on June 11, Tuesday to retain any chances of making it to the Super 8 stages of the competition.

Terror of Jasprit Bumrah: Waqar Younis, Dale Steyn decode magic behind pacer's success

New Delhi, India fast bowler Jasprit Bumrah earned the player of the match award in India vs Pakistan's group stage match in the T20 World Cup 2024. Playing at the Nassau County International Cricket Stadium in New York, Bumrah bowled a match-winning spell on Sunday, 9 June. The pacer finished with the figures of 4-0-14-3, which included the wickets of Babar Azam, Mohammad Rizwan and Iftikhar Ahmed. Bumrah was successful in both of his spells, breaking the back of Pakistan batting line-up, with just 119 runs to defend.The legendary Waqar Younis and Dale Steyn got together on Star Sports to decode why Bumrah was so successful throughout his career, and especially since his return from injury. Bumrah has been in stellar form since his comeback to international cricket. He was one of the best bowlers in the ODI World Cup 2023, and in the Indian Premier League 2024, players found it very difficult to score runs against him. Bumrah carried his form into the T20 World Cup and has bowled well on the tricky pitch in New York.Former Pakistan pacer Waqar Younis, while speaking on Star Sports on Monday, 10 June, put things simply. Waqar lauded Bumrah for breaking the back of Pakistan's batting by removing the best batters in their line-up.

"Jasprit Bumrah is a class act. You've got to really praise him the way he bowls. He's very, very smart. He knows exactly what he's doing and he reads the conditions so well. It is not the first time I saw him, not only against Pakistan, but against any opponent, and he knows exactly what needs to be done on certain pitches. But yesterday he was top class. He was not given a new ball and given the ball in the third over and he was spot on picking up Babar's wicket, picking up Rizwan and taking those two wickets really broke the back of Pakistan team," Waqar Younis explained.

'MASTERY OF LENGTH'

Steyn analysed Bumrah's bowling and said that the adjustment in the length is the Indian pacer's secret to success. Steyn said that Bumrah's ability to read conditions well helps him to decide on his length fairly quickly and that makes him very hard to bat against."I think his great skill is his ability to alter his length. He's never really had an issue with his line. If he wants to follow a wide yorker, it's no problem. A straight yorker. It's no problem, but his length. We spoke about the length earlier. When you're in India, you might want to change your length. You might want to go a little bit fuller, you know, maybe a bit shorter wherever it is. But he's adjusted to the length here so well. And that means that as a batter, you're getting absolutely nothing.

SA vs BAN: Heinrich Klaasen claims batters keen to 'leave' controversial New York pitch

New Delhi. South Africa's Heinrich Klaasen claimed that the batters would be eager to leave the New York pitch behind them after another low-scoring thriller on June 10, Monday. Klaasen was the Player Of The Match in the Proteas' win over Bangladesh as they were able to defend 113 runs in the end. Klaasen scored 46 off 44 balls in the game after South Africa found themselves in trouble at 23 for 4 inside the powerplay.The South Africa batter, during the post-match press conference, opened up on how he was able to tackle the New York pitch, which has been a bowler's paradise. Klaasen said that the mindset of him and David Miller, who stitched together a record partnership on the track, wasn't even remotely close to the one used in T20 cricket.Klaasen said they adopted a method that batters would use in ODIs to tackle the track at the Nassau county stadium.

SA vs BAN, T20 World Cup: Scorecard | Highlights | Report

"Yes, I think David showed us in the previous game how to bat on this wicket and it's almost a similar way that we bat in the middle or in a one-day game. So, our mindset is not even close to T20 cricket. You just want to get in and find a way to bat at a

run a ball. And we know you're one or two hits away just for going over the run a ball strike rate.""I saw India and Pakistan yesterday. Even two great teams, they struggled to get to 120. So that just means that we have to change our mindset completely. You can't just stand there and smack it all over the park. So, we had more or less of a one-day mindset today. So, myself and David in the middle, and that seemed to be working. And then the last three overs, we looked to take the game on a little bit more T20 style," said Klaasen.

Bowlers would love to stay in New York

Klaasen said that the bowlers would be keen to continue in New York, given the assistance they have been getting. The South African was also happy that the Proteas were able to record 3 wins in New York and get themselves ready for the next phase of the competition."I think all the batters are keen to get out of this place, to be fair. The bowlers would love to stay here but - no we've done our job that was the goal to win three out of three here. Obviously, it was a little bit harder than what we thought, but that's also good preparation for going into the next phase of this competition. We've dealt with pressure very well in this three games and it's always good experience and you can put it in a notebook and always go back when the tough times are there again," said Klaasen.

Roger Federer's speech to Dartmouth College students viral: 'Effortless is a myth'

New Delhi. The outgoing batch of students of the prestigious Dartmouth College in Hanover were treated to a special address by Roger Federer, who was the guest of honour at the graduation ceremony. Federer's speech, which lasted close to 30 minutes, has gone viral on social media, for all the right reasons. Drawing lessons from his decorated tennis career, Federer shared knowledge with the outing class, which overcame the challenges of the Covid-19 pandemic.Roger Federer also received an Honorary Doctorate at Dartmouth College on Sunday after which he delivered a speech for the ages. Calling them tennis lessons', Federer recalled learnings from his career and came up with one of the most entertaining graduation day speeches ever.

From highlighting that nothing can be earned without hard work and effort, Federer said he was frustrated whenever people called him an 'effortless' tennis star. Federer reminded

the outgoing batch of students that 'perfection is impossible' by throwing up stats from his career. Federer said he won 80 percent of his singles matches, but only 54 percent of the points in those games."So I never went to college. But I did graduate recently. I graduated tennis," Federer said, beginning his speech with a bang and making sure he had the attention of close to 11,000 audience who weathered a rain morning to meet and greet the tennis legend."I know the word is "retire." "Roger Federer retired from tennis." Retired... The word is awful. You wouldn't say you retired from college, right? Sounds terrible."Like you, I've finished one big thing and I'm moving on to the next."Like you, I'm figuring out what that is. Graduates, I feel your pain," he added.

Roger Federer retired from tennis in 2022 after winning as many as 20 Grand Slam crowns. The likes of Novak Djokovic and Rafael Nadal may have overtaken Federer in terms of the Grand Slams won in men's singles, but the Swiss great is regarded as the greatest ever by a large section of the tennis community.More often than not, Federer did not grind down opponents like Djokovic or outmuscle and outpower his foes like Nadal.

Axar Patel opens up on how he outfoxed Imad Wasim: Planned to not bowl in his range

T20 World Cup 2024: Axar Patel opened up about how he managed to outfox Imad Wasim during India's match against Pakistan. Rishabh Pant and Mohammed Siraj also featured on Chahal TV show as they reflected on India's win against Pakistan in New York.

New Delhi India's star all-rounder Axar Patel opened up about the over against Imad Wasim and how he managed to outfox him during India's T20 World Cup 2024 match against Pakistan at the Nassau County International Cricket Stadium, New York on June 9, Sunday. Axar was the unsung hero of India's epic win by 6 runs as he ended with economical bowling figures of 2-0-11-1. During the 16th over, Axar was handed over the ball when Pakistan needed just 37 runs with 6 wickets in hand. He gave away just 2 runs in the over and managed to build pressure on Wasim. The Pakistani all-rounder was beaten thrice by Axar's spin as the run-rate started getting close to 9. Eventually, Pakistan fell short by 6 runs and Wasim was criticised for scoring 15 runs from 23 balls.Chahal TV made a comeback, and this time in New York, as Yuzvendra Chahal was the host to the Indian players who starred in the memorable win against Pakistan. Chahal interacted with Axar, Rishabh Pant as well as Mohammed Siraj. In a conversation filled with fun and laughter, Axar was asked about the crucial over against Wasim."The plan was to not bowl in his range, as it was windy, so I didn't want him to hit six in the mid-wicket. That's why I spoke to the Captain & told him that I need a point so that I can put it in the cut because the shot is also very difficult, it's okay if it's hit, otherwise it was very difficult. That's why I tried that," Axar said in the video posted by the BCCI on their social media handle. **Indian players reflect on win vs PAK**

Rishabh Pant, who scored 42 runs from 31 balls against Pakistan, talked about his crucial partnership with Axar."There was nothing in my mind as such. Was just trying to hit with a positive mindset and keep it simple. The India-Pakistan match is always packed with pressure. When Baapu came, he practiced at 3-4th position in IPL. So when your mate comes in you get comfortable, as we were getting comfortable without thinking about anything," Pant said.Pant and Axar shared a crucial stand of 39 runs as Axar was sent to bat at No. 4 position after the early wickets of the Indian openers.iraj was also lauded by his teammates for scoring a crucial 7 runs and the bowler said that he worked really hard on his batting skills."I practiced a lot in the nets even during the IPL. The runs from tailenders prove to be really crucial. In the end, we got to know how crucial my runs were, so I am really happy that we won," Siraj said.India will face the USA in their next encounter at the Nassau County International Cricket Stadium, New York on June 12, Wednesday.

Kalki 2898 AD

Deepika Padukone

Receives Big Cheers From Ranveer Singh, Calls Her 'Queen Of Big Screen'

Ranveer Singh and Deepika Padukone, who are also expecting their first child together, are couple goals. They are also each other's biggest cheerleaders and have come a long way in showbiz with their professional endeavours. On Saturday, the former took to social media handle to give a shout out to his mom-to-be wife. Deepika Padukone launched a new poster of herself from Kalki 2898 AD ahead of the film's trailer launch.

Ranveer shared the poster on his Instagram handle and wrote, 'The Queen Of The Big Screen' and tagged Deepika with a crown emoji.Earlier yesterday, Deepika shared the poster on her Instagram handle and wrote, "The hope begins with her #Kalki2898AD Trailer out Tomorrow." Deepika was seen wearing a brown costume while a dystopian city was seen in the background.Ranveer Singh was among the first ones to fanboy over the poster. The actor, who is married to Deepika, took to the comments section and wrote, "B O O M stunner!" Take a look at the poster below:Kalki 2898 AD marks Deepika's first Telugu film. She will share the screen with Prabhas, Amitabh Bachchan, Kamal Haasan, and Disha Patani.

In a recent interview with Deadline, Prabhas, revealed that Kalki 2898 AD is "made for international audiences." He stated, "The whole film is made for international audiences. That's why it's the highest budget, and we've got the best actors in the country." Discussing his title as a pan-Indian star, he added, "We were hearing for the first time people calling me 'pan-Indian'. That doesn't really affect me, but it's a good feeling to think that people around the country like me now."Previously, Nag Ashwin opened up about the timeline of the film. At the Synapse 2024 event in Gurgaon, Nag Ashwin revealed that the film's timeline will commence with Mahabharat. He stated, "The film starts with Mahabharat and ends in 2898 AD. It spans 6000 years in time. We tried to create worlds, imagining what they would be like while still keeping it Indian, and not making it look like Blade Runner. The film begins 6000 years behind 2898 AD is 3102 BC, which is when the last avatar of Krishna is believed to have passed."

Newly-weds Yogita Chavan And Saurabh Choughule Buy New House In Mumbai

It is often a dream come true for fans when they see their favourite on screen couples become offscreen lovers. Many co-stars working in the television industry often have their reel life romance culminate into a real life one. Marathi TV stars Yogita Chavan and Saurabh Choughule, renowned for their roles as an on-screen couple in the popular TV soap Jeev Majha Guntala, took the marital plunge in March this year. It was a surprise event for both fans and even the cast and crew of Jeev Majha Guntala, as the couple had managed to keep their relationship as secretive as possible.Now, after three months of their married life, in between which they went abroad for their honeymoon, Yogita and Saurabh have a new surprise for their fans. They have taken the next step of securing their future together by purchasing a new home. The house is reportedly in Powai in Central Mumbai. Saurabh shared photos from their Griha Pravesh ceremony, which symbolically shows both of them setting foot into their new house with the puja kalash in their hands. The post also has a photo of a stylish name plate containing both their names with a heart sign in between.Saurabh captioned the post, "Let's fulfil a dream together In a new city, let's build a new life. Cheers to our new beginnings"

Marathi TV celebrities like Purneima Dey and Sangram Samel congratulated them on buying their new house. Fans also showered the couple with lots of best wishes for their new beginning together.In Jeev Majha Guntala, Yogita played a woman who has to resort to driving an auto rickshaw to make ends meet. The show is adapted from the Kannada daily soap Mithuna Raashi. The show also got Bengali and Hindi remakes, titled Tumpa Autowali and Saavi Ki Savaari respectively.

Varun Dhawan To Rent Hrithik Roshan's Mumbai Home, Will Become Akshay Kumar's Neighbor: Report

Actor Varun Dhawan is currently on cloud nine, both personally and professionally. Not only has he recently embraced fatherhood with the arrival of a baby girl with his wife, designer Natasha Dalal, but he also has an action-packed film, Baby John, set to hit screens later this year. Adding to this exciting phase in his life, Varun is also planning to move into a new home.Up until now, Varun and Natasha had been residing in an apartment in Juhu that Varun had purchased back in 2017. However, recent reports suggest that the actor has decided to rent fellow actor Hrithik Roshan's lavish sea-facing house in Juhu, Mumbai. This move will see Varun, Natasha, and their daughter relocating to this spectacular abode. Interestingly, their new neighbors will include none other than actor Akshay Kumar and producer Sajid Nadiadwala, who also live in the same building in Juhu.A source told Hindustan Times, "Varun and Natasha will be shifting into this house with their daughter. It is a sea facing apartment, currently occupied by Hrithik, who in turn is moving to another apartment in the same location Juhu. VD and family will have actor Akshay Kumar and producer Sajid Nadiadwala as neighbours, who are residing in the same building."

Varun Dhawan and Natasha Dalal welcomed their first child, a baby girl on June 4 at Mumbai's Hinduja Hospital. Today afternoon, the couple made their first public appearance with their baby girl, as they headed home fro the hospital. A video of the same has now gone viral.Varun was seen cradling his baby girl, wrapped in a cute baby pink sheet. His wife Natasha was seen accompanying him as they entered their car. Popular paparazzo Viral Bhayani shared the video and wrote, "New parents in town, Dhawan parivar ki Lakshmi."Ever since the arrival of the baby girl, Varun has been over the moon. Amid all the heartfelt wishes pouring in, the actor took to his social media handle to welcome his daughter with a heartfelt post. The post was also accompanied by a gratitude note.The heartfelt video, featured an illustration of Varun's pet dog Joey who was seen holding a placard that read 'Welcome Lil sis'. The video post also read, "Baby Dhawan, Proud parents Natasha and Varun, Proud Family – 'Dalals and Dhawans'. Expressing his joy, Varun wrote, "Our Baby Girl Is Here," and added, Thank u for all the good wishes for the mama and the baby.'

Kriti Sanon

Addresses Rising Entourage Costs And Production Budgets: 'Actors Should Be Mindful'

Celebrated actress and national award recipient Kriti Sanon is riding high on a wave of success, delivering hit after hit. As the star of films like 'Mimi,' Kriti has firmly established herself at the top of her game. Recently, she addressed a heated industry debate regarding the increasing size of entourages for leading actors, which is driving up movie budgets.In an interview with the Bombay Times, the newly-turned producer didn't shy away from sharing her thoughts. Kriti emphasized that while actors should indeed receive fair compensation, there is also a pressing need to scrutinize unnecessary expenditures. "There are certain areas where a lot of unnecessary expenditure happens," Kriti remarked. "In the end, it is the content that wins." She further elaborated that no matter how much actors are paid, if the core focus isn't on the content, "if you're not focusing on the main thing, which is the content, I don't think the rest matters."Since the beginning of 2024, some high-budget movies have unfortunately faltered, shifting attention to the profit and loss dynamics within the film industry. Reports indicate that last month, four film organizations and five talent agencies convened to address the spiraling production costs.The Indian Motion Picture Producers' Association (IMPPA), Producers Guild of India, Active Telugu Film Producers Guild, and Tamil Film Active Producers Association were involved in the recent discussions. Notably, filmmakers Farah Khan and Anurag Kashyap have voiced their concerns about the escalating demands of actors.

Kriti Sanon, weighing in on the topic with insights from both her roles as an actor and a producer, offered her perspective. Though she personally hasn't faced such exaggerated demands, she emphasized the importance of practicality. "It should make sense at the end of the day… But yes, we should be mindful of costs. We need to be mindful of everything on set," she stated.On the professional front, Kriti is currently diving into production with her first venture, 'Do Patti,' in which she will star alongside Kajol. The film is set to release on Netflix later this year.